E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in | हिंदी दैनिक | गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 217 | गुवाहाटी | रविवार, 9 मार्च, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

महिला सशक्तीकरण भारत की विकास यात्रा का आधार : ओम बिरला — पेज 2
एनडीए गठबंधन को मजबूत करने का संकल्प : दिलीप सैकिया — पेज 3
महिलाओं का विकसित भारत-विकसित राजस्थान बनाने में महत्वपूर्ण ... — पेज 5
अरविंद चितांबरम ने प्राग मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट का खिताब जीता — पेज 7

सुरक्षा बलों और कुकी प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़प, एक की मौत, 25 घायल

इंफाल। मणिपुर के कांगपोकपी जिले के विभिन्न हिस्सों में कुकी प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच शनिवार को हुई झड़पों में एक प्रदर्शनकारी की मौत हो गई, जबकि महिलाओं सहित 25 अन्य घायल हो गए। मृतक की पहचान लालगौथांग सिंगसिट के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि 30 वर्षीय सिंगसिट को कीथेलमानबी में झड़पों के दौरान गोली लगी और अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि गमगीफई, मोटबंग और कीथेलमानबी में सुरक्षा बलों के साथ झड़पों के दौरान कम से कम 25 प्रदर्शनकारियों को विभिन्न प्रकार की चोटें आईं, जिन्हें इलाज के लिए पास के सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। पुलिस द्वारा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के राज्य भर में मुक्त आवाजाही की अनुमति देने के निर्देश का विरोध करने पर कुकी बहुल जिले में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़पें हुईं, जब पुलिस ने उन्हें तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस छोड़ी। स्थिति तब और बिगड़ गई जब प्रदर्शनकारियों ने निजी वाहनों में आग लगा दी और इंफाल से सेनापति जिले में जा रही राज्य परिवहन की बस को रोकने का प्रयास किया। प्रदर्शनकारियों ने एनएच-2 (इंफाल-दीमापुर राजमार्ग) को भी अवरुद्ध कर दिया और सरकारी वाहनों की आवाजाही में बाधा डालने के लिए टायर जलाए। विरोध प्रदर्शन फेडरेशन ऑफ सिविल सोसाइटी (एफओसीएस), एक मेइतेई संगठन द्वारा आयोजित शांति मार्च के खिलाफ भी किया गया। 10 से अधिक वाहनों वाले इस मार्च को कांगपोकपी जिले में पहुंचने से पहले ही सुरक्षा बलों ने सेकमई में रोक दिया। पुलिस ने दावा किया कि उन्हें मार्च रोकने के लिए कहा गया था क्योंकि उनके पास अनुमति नहीं थी। एक पुलिसकर्मी ने कहा कि हम केवल आदेशों का पालन कर रहे हैं। हमें मार्च रोकने के लिए कहा गया है। यदि वे जाना चाहते हैं, तो वे सरकार द्वारा व्यवस्थित राज्य बसों में जा सकते हैं। हालांकि, एफओसीएस के सदस्यों ने यह कहते हुए विरोध किया कि वे केवल शाह के निर्देश का पालन कर रहे थे, जिसमें शनिवार से पूरे राज्य में मुक्त आवागमन की अनुमति दी गई थी। इस बीच, कुकी-ज़ो गांव के स्वयंसेवकों के समूह द्वारा एक अज्ञात स्थान से जारी किए गए एक कथित वीडियो में कहा गया है कि यह स्वतंत्र आवाजाही के बारे में भारत सरकार के फैसले के खिलाफ है और एक अलग प्रशासन की मांग करता है। वीडियो में एक स्वयंसेवक को यह कहते हुए सुना गया कि हमारे क्षेत्रों में प्रवेश करने के किसी भी प्रयास का कड़ा प्रतिरोध किया जाएगा। अलग प्रशासन के सामने कोई स्वतंत्र आवाजाही नहीं होगी। उधर इंफाल हवाई अड्डे से बसें बिना किसी यात्री के सुबह दस बजे पहाड़ी जिलों चुराचांदपुर और सेनापति के लिए रवाना हुईं। इन बसों को केंद्रीय बलों के बड़े काफिले ने सुरक्षा प्रदान की, जिसमें सेना के जवान भी शामिल थे। चुराचांदपुर की ओर जा रही बस ने बिना किसी रुकावट के विष्णुपुर जिले को पार किया और कांगवाई पहुंची। सेनापति जिले की ओर जा रही बस को कांगपोकपी होते हुए इंफाल जिले के कांगलाटोंगबी तक कोई बाधा नहीं मिली। राज्य परिवहन बस सेवा जनता को होने वाली असुविधाओं को कम करने और राज्य में स्थिति को सामान्य करने की पहल के रूप में फिर से शुरू की गईं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में सुरक्षा बलों को मणिपुर में आठ मार्च से सभी मार्गों पर लोगों की खुली आवाजाही सुनिश्चित करने और अवरोध पैदा करने वालों पर सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया था। मणिपुर की सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र राज्य में स्थायी शांति बहाल करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इस संबंध में सभी जरूरी मदद प्रदान कर रहा है। पूर्वोत्तर राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद यह पहली बैठक आयोजित की गई थी। राज्य में मई 2023 से जातीय हिंसा जारी है। इस हिंसा में ढाई सौ से अधिक लोगों की जान जा चुकी है।

सीएम ने महिलाओं को उनके सपने पूरे करने में सहयोग देने का वादा किया

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शनिवार ने शनिवार को महिलाओं को उनकी आकांक्षाओं को प्राप्त करने का प्रयास करने में सहायता करने के लिए अपनी सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक्स पर एक संदेश में, शनिवार ने महिलाओं के योगदान और राज्य की प्रगति में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि असम की महिलाएं - मजबूत, उद्यमी और अग्रणी! हर क्षेत्र में, हमारी नारी शक्ति अपने पुरुष समकक्षों के साथ कंधे से कंधा -शेष पृष्ठ दो पर

डुप्लिकेट ईपीआईसी नंबर मामला

राज्य सरकार ने ईसीआई की योजना का प्रचार करने का निर्देश दिया

गुवाहाटी। असम सरकार ने सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय को निर्देश दिया है कि वह डुप्लीकेट मतदाता फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) संख्या के लंबे समय से चले आ रहे मुद्दे के समाधान के लिए भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) की पहल का प्रचार-प्रसार करे। प्रेस विज्ञप्ति में चुनाव आयोग ने कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

बुराई से असहयोग करना मानव का पवित्र कर्तव्य है।

– **महात्मा गांधी**

न्यूज गैलरी

भारत-भूटान सीमा के पास ईसाई कब्रिस्तान से कंकाल चोरी

गुवाहाटी। भारत-भूटान सीमा के पास भैरबकुंडा में अंगराजुली बैपटिस्ट चर्च कब्रिस्तान से अज्ञात बदमाशों ने तीन व्यक्तियों के कंकालों को खोदकर चुरा लिया। इस घटना से क्षेत्र में व्यापक चिंता फैल गई है। अधिकारियों को संदेह है कि यह कृत्य अंधविश्वास या गुप्त प्रथाओं से जुड़ा हो सकता है। चोरी हुए अवशेष एक महिला और दो पुरुषों के हैं, जिनकी पहचान सोनार -शेष पृष्ठ दो पर

अंतर्राष्ट्रीय नारी दिवस पर अभयापुरी में एसिड अटैक, मां-बेटी घायल

अभयापुरी। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर असम के बंगाईगांव जिले के अभयापुरी के तपत्तारी में एक महिला और उसकी 11 वर्षीय बेटी एसिड हमले का शिकार हो गईं। आरोपी जहीदुल हक ने कथित तौर पर अपनी पत्नी शाहेरा खातून और बेटी पर तेजाब से हमला किया और फिर घटनास्थल से भाग गया। दोनों पीड़ितों को अभयापुरी के दीनाराम मेमोरियल अस्पताल में भर्ती कराया गया -शेष पृष्ठ दो पर

असम में राष्ट्रीय लोक अदालत ने 29 हजार से अधिक मामलों का सफलतापूर्वक निपटारा किया

गुवाहाटी। न्याय वितरण में तेजी लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, असम राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (एएसएलएसए) ने गुवाहाटी उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति के साथ मिलकर आज सफलतापूर्वक राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया। यह पहल राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (एनएएलएसए) के नेतृत्व में एक राष्ट्रव्यापी कानूनी निपटान अभियान का हिस्सा थी। लोक अदालत का आयोजन 33 जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों और दो तालुक विधिक सेवा समितियों द्वारा किया गया, जिसमें आपसी समझौते के माध्यम से मुकदमे-पूर्व और लंबित मामलों को सुलझाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रकार के मामलों पर विचार किया गया, जिनमें परक्राम्य लिखत -शेष पृष्ठ दो पर

मैं दुनिया का सबसे धनवान व्यक्ति हूं : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर गुजरात के नवसारी जिले में आयोजित लखपति दीदी सम्मेलन में कहा कि मैं दुनिया का सबसे धनवान व्यक्ति हूं क्योंकि मेरे पास करोड़ों माताओं और बहनों का आशीर्वाद है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज इस दिन, गर्व से कह सकता हूं कि मैं दुनिया का सबसे धनवान व्यक्ति हूं। जब मैं कहता हूं कि मैं दुनिया का सबसे धनवान व्यक्ति हूं, तो कई लोगों के कान खड़े हो जाएंगे। आज पूरी ट्रॉल सेना मैदान में उतर जाएगी, लेकिन मैं फिर भी दोहराऊंगा कि मैं दुनिया का सबसे धनवान व्यक्ति हूं। मेरी जिंदगी के अकाउंट में करोड़ों माताओं, बहनों-बेटियों का आशीर्वाद है और ये आशीर्वाद निरंतर बढ़ता जा रहा है, इसलिए मैं कहता हूं कि मैं दुनिया का सबसे धनवान व्यक्ति हूं। उन्होंने कहा कि महाकुंभ में मां गंगा का आशीर्वाद मिला और आज मातृशक्ति के इस महाकुंभ में आप सभी माताओं-बहनों का आशीर्वाद मिला। आज महिला दिवस का ये दिन, गुजरात की मेरी मातृभूमि और इतनी बड़ी संख्या में माताओं, बहन-बेटियों की ये उपस्थिति, इस विशेष दिन आपके इस प्यार, स्नेह और आशीर्वाद के लिए मैं मातृशक्ति को सिर झुकाकर नमन करता हूं। मोदी ने कहा कि गुजरात की इस धरती से मैं सभी देशवासियों को, देश की सभी माताओं-बहनों को महिला दिवस की शुभकामनाएं भी देता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि तीन तलाक के मामले में मुस्लिम महिलाएं अपनी सुरक्षा के लिए कानून की मांग कर रही थीं। मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस ने ईसी के डुप्लीकेट वोटर आईडी पर बयान को बताया *ढोंग*

नई दिल्ली। कांग्रेस ने चुनाव आयोग द्वारा डुप्लीकेट मतदाता पहचान पत्र संख्याओं पर दिए गए स्पष्टीकरण को ढोंगी करार दिया। साथ ही चुनाव आयोग से इस मुद्दे पर सफाई देने की मांग की। मामले में कांग्रेस ने कहा कि चुनाव आयोग का स्पष्टीकरण कमजोर और असंवेदनशील है और इसे खारिज किया जाता है। बता दें कि चुनाव आयोग ने पहले कहा था कि वह अगले तीन महीने में इस दशकों पुराने मुद्दे को सुलझाएगा। कांग्रेस के नेताओं और विशेषज्ञों ने इस स्पष्टीकरण को पूरी तरह नकारा करते हुए चुनाव आयोग से भारत में मतदाता सूचियों की पवित्रता पर पूरी सफाई देने की मांग की है। -शेष पृष्ठ दो पर

एनडीएफबी के 590 पूर्व उग्रवादियों को 4-4 लाख रुपए का पुनर्वास अनुदान मिला

कोकराझाड़। एनडीएफबी के कुल 590 पूर्व उग्रवादियों को शनिवार को सरकार से एकमुश्त पुनर्वास अनुदान प्राप्त हुआ। असम के कोकराझाड़ कस्बे में एक समारोह में पूर्व उग्रवादियों को चार-चार लाख रुपए के चेक सौंपे गए। इसके साथ ही, कुल 4,793 पूर्व एनडीएफबी उग्रवादियों को अनुदान प्राप्त हो चुका है। बोड़ोलैंड प्रादेशिक परिषद (बीटीसी) के मुख्य कार्यकारी सदस्य प्रमोद बोड़ो ने पूर्व उग्रवादियों की आत्मसात -शेष पृष्ठ दो पर

पौत्र और बहू की जलती चिता में कूदा दादा

सीधी। मध्य प्रदेश के सीधी जिले में दिल को दहला देने वाली घटना सामने आई है। जहां जिले के बहरी थाना क्षेत्र के सिहोलिया गांव में पति-पत्नी की दर्दनाक मौत के बाद बुजुर्ग ने हृदयविदारक घटना को अंजाम दिया। मृतक अभय राज यादव के बाबा, रामावतार यादव (65 वर्ष) ने शुक्रवार रात जलती चिता में कूदकर आत्महत्या कर ली। इस घटना से गांव में दहशत और मातम का माहौल है। पुलिस के अनुसार, पारिवारिक विवाद के चलते अभय राज यादव ने पत्नी सविता यादव की कुल्हाड़ी से हत्या कर दी थी। इसके बाद खुद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। इसके बाद पूरा -शेष पृष्ठ दो पर

छत्तीसगढ़ : मस्जिदों को देना होगा कमाई का हिसाब, ऑडिट नहीं कराने पर होगी जेल

रायपुर। राज्य वक्फ बोर्ड की संपत्तियों के हिसाब-किताब के बाद अब मस्जिदों को भी आय-व्यय के एक-एक रुपये की जानकारी देनी होगी। अभी तक मस्जिदें इससे मुक्त थीं। राज्य वक्फ बोर्ड ने 1223 मस्जिदों के मौलानाओं को ऑडिट कराने का आदेश जारी किया है। ऑडिट का परीक्षण वक्फ बोर्ड की ओर से किया जाएगा। वक्फ बोर्ड के पास मस्जिदों की राशि के दुरूपयोग की लगातार शिकायतें पहुंच रही थीं। इसके बाद से ऑडिट कराने का निर्णय लिया गया है। प्रदेश में 1800 से अधिक छोटी-बड़ी मस्जिदें हैं, लेकिन फिलहाल उन्हें ही आदेश जारी किया गया है, जिनकी आमदनी ज्यादा है। राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज का -शेष पृष्ठ दो पर

सशक्त नारी के बल पर ही विकसित भारत का निर्माण संभव : राष्ट्रपति

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर कहा कि स्वावलंबी, स्वाभिमानी, स्वतंत्र और सशक्त नारी के बल पर ही विकसित भारत का निर्माण किया जा सकता है। उन्होंने इसके लिए पुरुषों से महिलाओं को सहयोग करने की अपील की है। राष्ट्रपति नई दिल्ली के विज्ञान भवन में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित *नारी नेतृत्व से विकसित भारत* विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रही थीं। राष्ट्रपति ने देशवासियों को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई दी और कहा कि यह दिन महिलाओं की उपलब्धियों का सम्मान करने, उनके अधिकारों के प्रति जागरुकता बढ़ाने तथा लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए स्वयं को समर्पित करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का संकल्प हम सबका संकल्प है, जिसे हम सभी को मिलकर पूरा करना है। इसलिए पुरुषों को महिलाओं को सबल, सशक्त और आत्मनिर्भर बनने में हर कदम पर सहयोग करना चाहिए। महिलाओं को पूरे आत्मविश्वास, लगन एवं मेहनत के साथ अपने जीवन में आगे बढ़ना चाहिए और देश एवं समाज के विकास में अपना योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज हम अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के 50 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि इस अवधि में महिला समुदाय ने अभूतपूर्व प्रगति की है। उन्होंने कहा कि वह अपनी जीवन यात्रा को इस प्रगति का एक हिस्सा मानती हैं। ओडिशा के एक साधारण -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

डब्ल्यूएचओ की पूर्व मुख्य वैज्ञानिक का दावा

भारत में गर्मी से होने वाली मौतों की संख्या वास्तविकता से कम

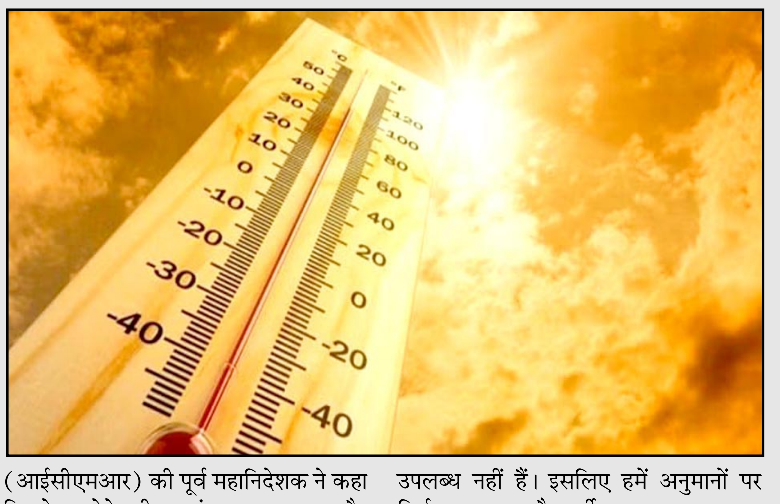

नई दिल्ली। भारत में पुख्ता आंकड़ों की कमी के कारण गर्मी से होने वाली कम मौतें दर्ज हो रही हैं। हालांकि, अब सरकार गर्मी के कारण स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों का अध्ययन करने के तरीकों में सुधार पर जोर दे रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की पूर्व मुख्य वैज्ञानिक और स्वास्थ्य मंत्रालय की सलाहकार सौम्या स्वामीनाथन ने यह दावा किया है। टीईआरआई की विश्व सतत विकास सम्मेलन से इतर बाचतीत में सौम्या ने गर्मियों से पहले उसके दुष्प्रभावों की ट्रैकिंग की व्यवस्था में सुधार की बात कही। उन्होंने समय रहते तैयारी और नीतिगत हस्तक्षेप में तत्काल सुधार की आवश्यकता पर भी जोर दिया। यह पूछे जानें पर कि क्या भारत में गर्मी से होने वाले मौतों की गिनती कम हो रही है, अखिल भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (आईसीएमआर) की पूर्व महानिदेशक ने कहा कि ऐसा होने की आशंका बहुत ज्यादा है। हमारे पास असल में मौतों के पुख्ता आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं। इसलिए हमें अनुमानों पर निर्भर रहना पड़ता है। गर्मी का स्वास्थ्य व्यवस्था पर क्या दुष्प्रभाव पड़ रहा है, इसे जानने के लिए हमें थोड़ी गणना करनी होगी मॉडल तैयार करने होंगे। सौम्या ने आगे कहा कि हाल में कुछ शोध सामने आए हैं, जिनमें मौतों की संख्या अधिक है। सौम्या के अनुसार, जब आप पूरे वर्ष को देखेंगे तो पाएंगे कि हर महीने मौतों की संख्या सामान्य रूप से एक समान होगी। लेकिन फिर अगर आप अचानक वृद्धि देखते हैं, जैसा कि कोविड के दौरान हमने वृद्धि देखी थी। उन्होंने बताया कि इस प्रकार आप हर महीने अपनी मृत्यु दर को स्थिर रखते हुए आगे बढ़ रहे हैं और फिर अचानक मई-जून में इसमें वृद्धि देखते हैं। तब आप यह अनुमान लगा सकते हैं कि अतिरिक्त मौतें संभवत: गर्मी के कारण हुई। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, पिछले वर्ष गर्मियों में भारत में भीषण गर्मी पड़ी थी, तथा 536 दिन तक लू चली थी, जो 14 वर्षों में सबसे अधिक थी।

हेरोइन समेत एक महिला ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी नगर की पान बाजार पुलिस ने हेरोइन की तस्करी मामले में शामिल एक महिला तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के दो नंबर रेल गेट के पास चलाए गए अभियान के दौरान 8 प्लास्टिक की छोटी-छोटी सीसी में भरकर रख गए 16.11 ग्राम हेरोइन बरामद किया गया। इस मामले में महिला तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान दुर्गा दास (19, गोलाघाट) के रूप में की गई है। पुलिस इस संबंध में एनडीपीएस की धारा के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार आरोपित से पूछताछ कर रही है।

मोबाइल फोन चुराने के मामले में तीन अपराधी गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी नगर की पान बाजार पुलिस की टीम ने मोबाइल फोन चुराने के मामले में तीन चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि थाना क्षेत्र इलाके के गुवाहाटी रेलवे स्टेशन के पार्किंग क्षेत्र में गुप्त सूचना के आधार पर चलाये गये अभियान के दौरान दो चोरी के एंड्राइड मोबाइल फोन समेत तीन चोरों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार मोबाइल चोरों की पहचान निपू नाथ (20), इंतब अली (20) और सूजन दास (26) के रूप में की गई है।

अवैध भारतीय अप्रवासियों को बेड़ियों में भेजने पर बोले पोम्पियो-

सही हुआ... सभी अपराधी थे अब कभी मत आना

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री माइक पोम्पियो ने एक कॉन्क्लेव में कई अहम मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने अमेरिका से अवैध भारतीय अप्रवासियों को बेड़ियों में बांधकर वापस भेजने को लेकर ट्रंप प्रशासन का बचाव किया और साफ कहा कि ये सभी अपराधी थे। माइक पोम्पियो ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप ने जिन अवैध अप्रवासियों को वापस भेजा, वे केवल गैरकानूनी रूप से अमेरिका में रहने वाले लोग नहीं थे, बल्कि उनमें से कई हिंसक अपराधी और सजायाफ्ता थे। उन्होंने आगे कहा कि दुनिया को ऐसा लग सकता है कि ट्रंप ने कोई राजनीतिक चाल चली, लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है। ट्रंप का संदेश स्पष्ट था अगर कोई अमेरिका में अवैध रूप से प्रवेश करता है, तो उसे वापस भेजा जाएगा। पोम्पियो ने कहा कि अवैध प्रवासियों की वापसी एक सख्त संदेश है कि मत आइए, आपको आपके देश वापस भेज दिया जाएगा। माइक पोम्पियो ने ट्रंप प्रशासन की आव्रजन नीति का समर्थन करते हुए कहा कि जो बाइडेन प्रशासन के कार्यकाल में अमेरिका का इमिग्रेशन सिस्टम कमजोर पड़ गया था। उन्होंने कहा कि पिछले चार वर्षों में, अवैध अप्रवासियों को लेकर अमेरिका की नीति कमजोर हो गई थी। ट्रंप प्रशासन इसे फिर से ठीक कर रहा है, ताकि अमेरिकी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। भारत और अमेरिका के संबंधों पर बात करते हुए पोम्पियो ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच मजबूत रिश्ते हैं। ट्रंप पहले कार्यकाल में भारत के साथ अच्छे संबंध बनाए रख चुके हैं और दूसरे कार्यकाल में भी यही जारी रहेगा। उन्होंने आगे कहा कि ट्रंप खुद को *टैरिफ मैन* कहते हैं और मानते हैं कि व्यापार में संतुलन होना जरूरी है। हालांकि, उन्हें विश्वास है कि टैरिफ को लेकर भारत-अमेरिका के संबंधों में कोई खटास नहीं आएगी।

महिला सशक्तीकरण भारत की विकास यात्रा का आधार : ओम बिरला

नई दिल्ली (हि.स.)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कहा कि महिला सशक्तीकरण भारत की विकास यात्रा का आधार है। आज महिलाएं न केवल विकास में भागीदार हैं, बल्कि वे आगे बढ़कर शासन, विज्ञान, रक्षा, शिक्षा और उद्यमिता जैसे विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्व कर रही हैं। बिरला ने संसद परिसर में हम भारत की महिलाएं प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारत एक नए युग का साक्षी बन रहा है, जहां महिलाएं जमीनी स्तर के लोकतंत्र से लेकर सत्ता के सर्वोच्च पदों तक प्रत्येक स्तर पर नेतृत्व कर रही हैं। आज जब राष्ट्र भारत का संविधान के 75 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहा है, ऐसे में संविधान सभा की 15 महिला सदस्यों के योगदान को मान्यता देना आवश्यक है, जिन्होंने अपनी दूरदर्शिता और निष्ठा से भारत के लोकतांत्रिक ढांचे के निर्माण में सहायता की। महिलाओं को पूजनीय माने जाने की भारत की प्राचीन परंपरा का उल्लेख करते हुए बिरला ने कहा कि मातृत्व, शक्ति, त्याग और वात्सल्य हमारे सामाजिक मूल्यों का अभिन्न भाग हैं। बिरला ने विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं द्वारा की गई उल्लेखनीय प्रगति को रेखांकित करते हुए कहा कि महिलाएं अत्यधिक चुनौतीपूर्ण और जटिल कार्य दृढ़ संकल्प और उत्कृष्टता के साथ कर रही हैं। उन्होंने रक्षा क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी की सराहना करते हुए बताया कि महिलाएं अब फाइटर जेट उड़ा रही हैं, युद्धक्षेत्र से जुड़ी भूमिकाओं में अपनी सेवाएं दे रही हैं और नौसेना अभियानों की कमान संभाल रही हैं। उन्होंने भारत के अंतरिक्ष मिशन, रक्षा, शिक्षा, चिकित्सा, खेल आदि में उनके महत्वपूर्ण योगदान पर भी प्रकाश डाला, जहां महिला वैज्ञानिकों ने भारत की उपलब्धियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। शासन में महिलाओं का नेतृत्व पहले से कहीं अधिक मजबूत है और ग्रामीण स्थानीय निकायों में अधिकांश निर्वाचित प्रतिनिधि महिलाएं हैं। यह देश में महिलाओं के नेतृत्व में विकास का प्रमाण है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि एक दिन आएगा जब महिलाएं बिना किसी आरक्षण के भी, केवल योग्यता और क्षमता के आधार पर निर्वाचित निकायों में बहुमत हासिल करेंगी। ऐतिहासिक नारी शक्ति वंदन अधिनियम के बारे में बात करते हुए बिरला ने इसे भारत के लोकतांत्रिक परिदृश्य में एक परिवर्तनकारी कदम बताया। नए संसद भवन में पारित पहले कानून के रूप में, यह अधिनियम महिला-पुरुष समानता के प्रति भारत की अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है और यह सुनिश्चित करता है कि उच्चतम स्तरों पर नीतियां तैयार करने और निर्णय लेने में महिलाओं की अधिक भूमिका हो। उन्होंने इसे समावेशी लोकतंत्र की दिशा में भारत की यात्रा में एक महत्वपूर्ण पढ़ाव बताया, क्योंकि इससे महिला नेता सशक्त होंगी और विधायी निकायों में उनका प्रतिनिधित्व बड़ेगा। महिलाओं के आर्थिक योगदान का उल्लेख करते हुए बिरला ने उद्यमिता, स्वयं सहायता समूहों और सूक्ष्म उद्यमों में उनकी भूमिका की सराहना की और कहा कि इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं में बदलाव आ रहे हैं और अनगिनत परिवारों को वित्तीय स्वतंत्रता मिल रही है। उन्होंने नीति निर्माताओं और हितधारकों से महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों के साथ सहयोग करने और उनका प्रचार-प्रसार करने का आग्रह किया, ताकि उनकी वैश्विक बाजारों तक पहुंच हो और उन्हें विस्तार के अवसर मिलें। उन्होंने 100 प्रतिशत महिला साक्षरता के लक्ष्य को दोहराते हुए इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा महिला सशक्तीकरण का आधार है। शिक्षा और समान अवसरों तक पहुंच के बिना विशेषकर सबसे दूर-दराज के स्थानों और वंचित वर्गों की महिलाओं के लिए सच्चे मायने में समानता हासिल नहीं की जा सकती। बिरला ने 2025 को महिलाओं की आत्मनिर्भरता और नेतृत्व के लिए एक ऐतिहासिक वर्ष बनाने का आह्वान किया, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि नारी शक्ति भारत के भविष्य को आगे बढ़ाने में योगदान करती रहे। उन्होंने समाज के सभी क्षेत्रों में समावेशी वातावरण बनाने के लिए सामूहिकता से काम करने का आग्रह किया, ताकि हर महिला को समान अवसर, सम्मान और उत्कृष्टता हासिल करने की आजादी हो। कार्यक्रम में लोकसभा महासचिव उत्पल कुमार सिंह, राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर और विभिन्न क्षेत्रों की विशिष्ट अतिथि, नीति निर्माता और महिला नेता शामिल हुईं।

सीरिया में असद के समर्थकों के खिलाफ तगड़ा एक्शन, हिंसा में 200 से ज्यादा लोगों की मौत

नई दिल्ली। सीरिया में नए शासन और सत्ता छोड़कर भागे राष्ट्रपति बशर अल असद के समर्थकों के बीच हिंसा देखी गई। असद के समर्थक अलावाइट और सीरिया की नई सरकार के सुरक्षा बल के बीच गुरुवार को हिंसा शुरू हुई, जो शुक्रवार को भी जारी रही। इस हिंसा में 200 से ज्यादा लोगों की मौत दर्ज की गई है। दिसंबर में विद्रोहियों ने असद को सत्ता से हटा दिया था और सत्ता पलट हो गया था। इसी के बाद देश में इस्लामी संक्रमणकालीन सरकार स्थापित की गई थी। इस्लामी सरकार बनने के बाद से और बशर अल असद के देश से हटने के बाद से यह सीरिया में पहली भीषण हिंसा हुई है। युद्ध निगरानी समूह, ब्रिटिश स्थित सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा कि इस हिंसा में 200 से अधिक लोग मारे गए हैं। लड़ाई छिड़ने वाली जगह लताकिया और टार्टस शहरों में कर्फ्यू लगा दिया गया है। नई सरकार के सुरक्षा बल अलावाइट ग्रुप पर अटैक कर रहे हैं। यह अटैक तटीय क्षेत्र में हो रहे हैं जहां अलावाइट अल्पसंख्यक का गढ़ है और असद परिवार का गढ़ है, जो अलावाइट संप्रदाय से संबंधित है। सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने शुक्रवार को कहा कि इस हिंसा में 71 लोग मारे गए हैं, जिनमें सरकारी बलों के 35 सदस्य, पूर्व शासन की सेना से जुड़े 32 बंदूकधारी और चार नागरिक शामिल हैं। साथ ही इस हिंसा में 10 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। इसी के बाद फिलहाल के अपडेट के मुताबिक, लड़ाई शुरू होने के बाद से 200 से अधिक लोग मारे गए हैं। गांवों में स्पष्ट रूप से बदले की कार्रवाई में लगभग 140 लोग मारे गए हैं, सीरिया के सरकारी बलों के कम से कम 50 सदस्य और असद के प्रति वफादार 45 लड़ाके मारे गए हैं। गांव में हमले गुरुवार को शुरू हुए और शुक्रवार को भी जारी रहे। दिसंबर की शुरुआत में इस्लामी समूह हयात तहरीर अल-शाम के नेतृत्व वाले विद्रोही समूहों के असद की सरकार को गिराए जाने के बाद से दोनों पक्षों के बीच चल रही झड़पों में यह सबसे बुरी हिंसा है। सरकार ने 14 साल के गृह युद्ध के बाद सीरिया को एकजुट करने का वादा किया है। ब्रिटेन स्थित सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स के अनुसार, यह हिंसा तब शुरू हुई जब सरकारी बलों ने गुरुवार को तटीय शहर जबलेह के पास एक वांछित व्यक्ति को हिरासत में लेने की कोशिश की और असद के वफादारों ने सुरक्षा बलों पर इस एक्शन के लिए हमला कर दिया। ऑब्जर्वेटरी के अनुसार, गुरुवार और शुक्रवार को नई सरकार के प्रति वफादार बंदूकधारियों ने तट के पास शीर, मुख्तारियेह और हफ्फा गांवों पर हमला किया, जिसमें 69 पुरुषों की मौत हो गई, लेकिन किसी महिला को नुकसान नहीं पहुंचा। बेरूत स्थित अल-मायादीन टीवी ने भी तीन गांवों पर हमलों की रिपोर्ट दी और कहा कि अकेले मुख्तारियेह गांव में 30 से अधिक लोग मारे गए। बनियास शहर में महिलाओं और बच्चों सहित अन्य 60 लोग मारे गए। सीरियाई अधिकारियों ने मरने वालों की संख्या अभी नहीं बताई है, लेकिन सीरिया की राज्य समाचार एजेंसी ने एक अज्ञात सुरक्षा अधिकारी के हवाले से कहा कि सरकारी सुरक्षा बलों पर हाल के हमलों का बदला लेने के लिए कई लोग तट पर गए थे।

ममता के मंत्री को बांग्लादेश से मिली धमकी

कोलकाता। कोलकाता के जादवपुर यूनिवर्सिटी (जेयू) परिसर में गत एक मार्च को हुई अशांति की घटना को लेकर बांग्लादेश के तीन छात्र संगठनों ने बंगाल के शिक्षा मंत्री ब्रात्य बसु को बुरा अंजाम भुगतने की धमकी दी है। उन्होंने शिक्षा मंत्री को अविलंब अपने पद से इस्तीफा देने को भी कहा है। कोलकाता पुलिस सूत्रों के हवाले से यह जानकारी मिली है, हालांकि इन छात्र संगठनों के नामों का खुलासा नहीं किया गया है। तीनों संगठन बांग्लादेश की राजधानी ढाका-आधारित बताए गए हैं। पता चला है कि शिक्षा मंत्री के आवास के आसपास धमकी भरे पोस्टर चस्पे मिले हैं। इसे देखते हुए शिक्षा मंत्री की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस को आशंका है कि बांग्लादेशी छात्र संगठनों के सदस्य कोलकाता आकर वामपंथी छात्र संगठनों को अशांति फैलाने के लिए उकसा सकते हैं।

पृष्ठ एक का शेष

सीएम ने महिलाओं को ...

मिलाकर चल रही है ताकि *विकसित असम* के हमारे सपनों को साकार किया जा सके और हम उन्हें उनके प्रयासों में सशक्त बना रहे हैं। मुख्यमंत्री ने महिलाओं को शुभकामनाएं दीं और उनके सशक्तिकरण के लिए सरकार द्वारा निरंतर सहयोग दिए जाने का आश्वासन दिया।

राज्य सरकार ने ईसीआई ...

वह अगले तीन महीनों में डुप्लिकेट ईपीआईसी नंबर की समस्या का समाधान कर देगा। इसने चुनावी प्रक्रिया में सटीकता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मतदाता सूची में विसंगतियों को दूर करने के महत्व पर जोर दिया। सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय को व्यापक मीडिया कवरेज और जन जागरूकता सुनिश्चित करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया दोनों में प्रेस विज्ञप्ति प्रकाशित करने का निर्देश दिया गया है। इसके अलावा विभाग को 8 मार्च को दोपहर 2 बजे तक पीडीएफ प्रारूप में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया कवरेज और प्रकाशन की अखबारी कतरनें सरकारी कार्यालय में जमा करने को कहा गया है। यह 9 मार्च तक दस्तावेज जमा करने की ईसीआई की आवश्यकता के अनुपालन में है। चुनाव आयोग के इस कदम को चुनावी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने और राज्य भर में मतदाता पहचान की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है।

असम में राष्ट्रीय लोक ...

अधिनियम (धारा 138), बैंक वसूली विवाद, बिजली बिल मामले, वैवाहिक विवाद, मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण (एमएसीटी) मामले, मोटर वाहन अधिनियम उल्लंघन तथा अन्य समझौता योग्य सिविल एवं आपराधिक मामले शामिल थे। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, अदालत के दौरान 2,00,463 मामले पेश किए गए, जिनमें से 29,021 मामलों का सफलतापूर्वक निपटारा किया गया। इन समाधानों के परिणामस्वरूप कुल 127.84 करोड़ की निपटान राशि प्राप्त हुई। कानूनी अधिकारियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा है कि यह लंबित मामलों को कम करने और नागरिकों के लिए समय पर और लागत प्रभावी न्याय सुनिश्चित करने में एक बड़ा कदम है। लोक अदालत की सफलता वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्र के रूप में इसके महत्व को रेखांकित करती है, जिससे समय और कानूनी खर्चों की बचत करके व्यक्तियों को लाभ मिलता है। असम राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लोगों को विवादों के त्वरित और सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए लोक अदालतों का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित करता रहता है।

मैं दुनिया का सबसे ...

संरक्षण) अधिनियम, 2019 के जरिए हमने उनकी जिंदगी बर्बाद होने से बचाई है। जब कश्मीर में अनुच्छेद 370 लागू था, तो उन्हें कई अधिकार नहीं दिए जाते थे। अगर वे राज्य से बाहर शादी करती थीं तो उनके संपत्ति के अधिकार छीन लिए जाते थे। अनुच्छेद 370 के खत्म होने के बाद अब उन्हें देश की हर महिला की तरह समान अधिकार मिले हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए शौचालय (इज्जत घर) उपलब्ध कराकर हमने उन्हें सम्मान दिया है। हमने उनके बैंक खाते खोलकर उन्हें सशक्त बनाया है। उज्ज्वला योजना के माध्यम से हमने उन्हें स्वास्थ्य लाभ दिया है। पहले कामकाजी महिलाओं को केवल 12 सप्ताह का मातृत्व अवकाश मिलता था, लेकिन हमने इसे बढ़ाकर 26 सप्ताह कर दिया है।

कांग्रेस ने ईसी के...

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने एक ही मतदाता पहचान पत्र को कई मतदाताओं को आवंटित किया है और चुनाव आयोग की मतदाता सूची अब भरोसेमंद नहीं रही है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि पहले चुनाव आयोग ने बताया था कि मतदाता पहचान पत्र अद्वितीय होते हैं, लेकिन अब चुनाव आयोग का कहना है कि डुप्लीकेट पहचान पत्रों का मुद्दा दशकों पुराना है। साथ ही कांग्रेस ने यह भी सवाल उठाया कि अगर चुनाव आयोग ने पहले ही मतदाता पहचान पत्रों को अद्वितीय बताया था, तो अब वे क्यों कह रहे हैं कि यह समस्या दशकों पुरानी है। कांग्रेस ने यह भी कहा कि चुनाव आयोग को महाराष्ट्र की मतदाता सूची उपलब्ध करानी चाहिए, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि सूची में गलतियां हैं या नहीं। कांग्रेस के इस बयान पर चुनाव आयोग ने इस पर प्रतिक्रिया दी। चुनाव आयोग की ओर से जारी बयान में बताया गया कि भारत की मतदाता सूची दुनिया का सबसे बड़ा डेटाबेस है, जिसमें 99 करोड़ से अधिक पंजीकृत मतदाता हैं, और डुप्लीकेट मतदाता पहचान पत्र संख्या का मुद्दा गंभीरता से लिया जा रहा है।

एनडीएफबी के 590 पूर्व ...

प्रक्रिया को पूरा करने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि एकमुश्त अनुदान पूर्व एनडीएफबी कार्यकर्ताओं की स्थायी आजीविका और सफल पुनर्वास सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो उन्हें सम्मानजनक भविष्य का मार्ग प्रदान करेगा। पुनर्वास अनुदान अब विघटित हो चुके उग्रवादी संगठन द्वारा सरकार के साथ हस्ताक्षरित शांति समझौते के भाग के रूप में दिया गया था।

पौत्र और बहू की...

परिवार सदमे में था। शुक्रवार रात जब दोनों के अंतिम संस्कार की तैयारी चल रही थी और चिता जल रही थी, तभी रात करीब 9 बजे रामावतार यादव अचानक चिता की ओर दौड़े और खुद को आग में झोंक दिया। जिसकी वजह से उनकी मौत हो गई। मृतक के नाती अवधेश यादव ने बताया है कि मेरे बड़े भाई अभय राज यादव को मेरे दादाजी बहुत मानते थे और वह उन्हीं के साथ रहते थे। कोई काम भी होता था तो पैसे उन्हीं को देकर उनसे काम करवाते थे। कल जब भाई की मौत हुई तब दाह संस्कार देने के लिए हम सब लोग जा रहे थे पर दादाजी ने वहां जाने से मना कर दिया। कहा मुझसे यह सब नहीं देखा जाएगा। लेकिन न जाने रात में क्या हुआ कि अचानक रात में वह कहीं चले गए जब हम सब सुबह देखे तब उनका कहीं पता नहीं चला। हम सब घर के लोगों ने पहले आसपास के कुएं में देखा फिर आसपास के क्षेत्र में जाकर पूछताछ की जब कहीं नहीं मिले तब भाई के चिता के पास गए तब बाबा जी वहां लेटे हुए थे। जलने की वजह से उनकी मौत हो गई थी। जिसको सूचना हमने थाना प्रभारी को सुबह 9 बजे दी। गांव के लोगों का कहना है कि रामावतार यादव अपने पोते और बहू की मौत के सदमे को बर्दाश्त नहीं कर पाए। उनके लिए यह त्रासदी असहनीय थी। परिवार के तीन लोगों की मौत से सिहोलिया गांव शोक में डूबा हुआ है। बहरी थाना पुलिस ने रामावतार यादव के शव को भी कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अब तीनों मौतों की गहन जांच कर रही है और हर पहलू पर बारीकी से नजर रख रही है। इस हृदयविदारक घटना ने पूरे गांव को झकझोर कर रख दिया है। ग्रामीण अब उन मासूम बच्चों के भविष्य को लेकर बेहद चिंतित हैं, जो इस हादसे के बाद पूरी तरह अनाथ हो गए हैं। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि बच्चों की सुरक्षा और देखभाल के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

छत्तीसगढ़ : मस्जिदों को...

कहना है कि मस्जिदों के आय-व्यय में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए यह कदम उठाया गया है। मस्जिदों को बैंक में अपना खाता खुलवाना होगा। वक्फ बोर्ड की ओर से पोर्टल तैयार किया जा रहा है, जिसमें मौलाना को आमदनी और खर्च का हिसाब डालना जरुरी होगा। बोर्ड ने कहा है कि यदि तीन साल तक ऑडिट नहीं कराया जाता है, तो जिम्मेदार को जेल तक जाना पड़ सकता है। वक्फ बोर्ड अपनी संपत्ति से होने वाली कमाई और मस्जिदों की आमदनी का 30 प्रतिशत राशि शिक्षा पर खर्च करेगा। बोर्ड का अनुमान है कि बड़ी मस्जिदों में महीने की कमाई डेढ़ लाख और वर्षभर में 15 से 20 लाख रुपये तक होती है। राज्य वक्फ बोर्ड ने छह मुतवल्लियों को पद से हटा दिया है। इसमें रायपुर के दो, कांकेर, दल्लीराजा, बिलासपुर और अंबिकापुर के एक-एक शामिल हैं। इन पर आरोप है कि इन्होंने त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में समाज के लोगों से एक राष्ट्रीय पार्टी के पक्ष में मतदान करने की अपील की थी। बोर्ड ने मुतवल्लियों को नोटिस देकर जवाब मांगा था। जवाब संतोषजनक नहीं पाए जाने पर कार्रवाई की गई है।

सशक्त नारी के बल ...

परिवार और पिछड़े इलाके में जन्म लेने से लेकर राष्ट्रपति भवन तक का उनका सफर भारतीय समाज में महिलाओं के लिए समान अवसरों और सामाजिक न्याय की कहानी है। उन्होंने विश्वास जताया कि महिलाओं की सफलता के उदाहरण आगे भी बढ़ते रहेंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि विकसित भारत के सपने को साकार करने को लेकर लड़कियों को आगे बढ़ने के लिए बेहतर माहौल मिलना जरूरी है। उन्हें ऐसा माहौल मिलना चाहिए जहां वे बिना किसी दबाव या डर के अपने जीवन के बारे में स्वतंत्र निर्णय ले सकें। हमें ऐसा आदर्श समाज बनाना है, जहां कोई भी बेटी या बहन अकेले कहीं जाने या रहने से न डरे। महिलाओं के प्रति सम्मान की भावना ही भयमुक्त सामाजिक माहौल बनाएगी। ऐसे माहौल में लड़कियों को जो आत्मविश्वास मिलेगा, वह हमारे देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। राष्ट्रपति ने कहा कि जब भी हमने महिलाओं की प्रतिभा का सम्मान किया है, उन्होंने हमें कभी निराश नहीं किया है। हम संविधान सभा की सदस्य रहीं सरोजिनी नायडू, राजकुमारी अमृत कौर, सुचेता कृपलानी और हंसाबेन मेहता जैसी विभूतियों के योगदान को नहीं भूल सकते। ऐसे अनेक उदाहरण हैं जहां महिलाओं ने अपनी बुद्धि, विवेक और ज्ञान के बल पर न केवल ख्याति अर्जित कर सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है, बल्कि देश और समाज का मान भी बढ़ाया है। चाहे विज्ञान हो, खेल हो, राजनीति हो या समाज सेवा हो- सभी क्षेत्रों में महिलाओं ने अपनी प्रतिभा का सम्मान जगाया है। उन्होंने कहा कि जब भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, तो देश के कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी तेजी से बढ़नी चाहिए। भारत ही नहीं, बल्कि अन्य देशों में भी, कार्यबल में महिलाओं की कम भागीदारी का एक कारण यह धारणा है कि महिलाएं अपने बच्चों की देखभाल के लिए छुट्टी ले लेंगी या काम पर कम ध्यान दे पाएंगी लेकिन यह सोच सही नहीं है। हमें खुद से पूछना होगा कि क्या बच्चों के प्रति समाज की कोई जिम्मेदारी नहीं है। हम सभी जानते हैं कि परिवार में पहली शिक्षिका मां होती है। अगर एक मां बच्चों की देखभाल के लिए छुट्टी लेती है तो उसका यह प्रयास समाज की भलाई के लिए भी है। एक मां अपने प्रयासों से अपने बच्चे को एक आदर्श नागरिक बना सकती है।

भारत-भूटान सीमा के ...

नार्जारी, थानिजा राभा और हबाची बसुमतारी के रूप में हुई है। सोनार नार्जारी (जन्म 13 मार्च, 1955) का निधन 24 अप्रैल, 2020 को हुआ। थानिजा राभा को 8 फरवरी, 2022 को सुपुर्द-ए-खाक किया गया। हबाची बसुमतारी नामक महिला को 7 जनवरी, 2023 को दफनाया गया। कई सालों से बिना किसी छेड़छाड़ के कब्रों को अपवित्र पाया गया, जिससे स्थानीय लोगों और धार्मिक समुदायों में चिंता बढ़ गई। चोरी की इस भयावह प्रकृति ने लोगों में तीव्र आक्रोश पैदा कर दिया है, और कई लोग इस तरह की हरकत के पीछे के मकसद पर सवाल उठा रहे हैं। स्थानीय निवासियों ने घटना की सूचना पुलिस को दी है, जिन्होंने मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारी संभावित सुरागों की जांच कर रहे हैं और कब्र को अपवित्र करने के पीछे संदिग्ध अनुष्ठानिक उद्देश्यों की जांच कर रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय नारी दिवस ...

है, जहां उनका इलाज चल रहा है। इस बीच, आरोपी अभी भी फरार है, और कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने उसे पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। घटनास्थल पर मजिस्ट्रेट पहुंच चुके हैं और घटना की पूरी जानकारी जुटाने के लिए आधिकारिक जांच चल रही है।

एनडीए गठबंधन को मजबूत करने का संकल्प : दिलीप सैकिया

गुवाहाटी (हिंस)। असम में एनडीए गठबंधन को और मजबूत करने के उद्देश्य से नव-निर्वाचित भाजपा असम प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने आज पहली बार असम गण परिषद (अगप) के केंद्रीय कार्यालय, आमबाड़ी, गुवाहाटी का दौरा किया। अपने दौरे के दौरान, दिलीप सैकिया ने असम आंदोलन के 855 शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शहीद बेदी पर पुष्पांजलि अर्पित की और उनके सर्वोच्च बलिदान को नमन किया। इस अवसर पर अगप अध्यक्ष अतुल बोरा, कार्यकारी अध्यक्ष केशव महंत, अगप के सांसद-विधायक, वरिष्ठ नेता और विभिन्न सहयोगी संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभा को संबोधित करते हुए, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सैकिया ने कहा कि आगामी सभी चुनावों में विजय सुनिश्चित करने के लिए एनडीए गठबंधन को एक सशक्त शक्ति के रूप में संगठित होकर कार्य करना होगा। उन्होंने जमीनी संगठन को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया। दिलीप सैकिया ने प्रत्येक अगप सदस्य से आग्रह किया कि वे एनडीए के सक्रिय योद्धा बनकर समर्पित भावना से कार्य करें। उन्होंने कहा कि भविष्य में पंचायत, नगर निगम या परिषद चुनावों में गठबंधन की रणनीतियों को लेकर निर्णय जिला एवं मंडल समितियों द्वारा एनडीए सहयोगी दलों के साथ परस्पर चर्चा कर लिया जाएगा। कार्यक्रम की शुरुआत में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया का अगप अध्यक्ष अतुल बोरा, कार्यकारी अध्यक्ष केशव महंत, अगप सांसद-विधायक, वरिष्ठ नेता और सभी सहयोगी संगठनों द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

मालीगांव मजदूर यूनियन महिला शाखा ने मनाया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

गुवाहाटी (हिंस)। भारत के अन्य राज्यों की तरह असम के विभिन्न स्थानों पर भी आज अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। इसी क्रम में, मालीगांव रेलवे मजदूर यूनियन की महिला शाखा ने एक विशेष कार्यक्रम के माध्यम से इस दिन को मनाया। शनिवार को मालीगांव सेंट्रल रेलवे अस्पताल के ऑडिटोरियम में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मालीगांव रेलवे अस्पताल के निदेशक डॉ. बीपी डेका उपस्थित थे। इसके अलावा, इस कार्यक्रम में मिस वर्ल्ड और मिस यूनिवर्स खिताब विजेता मंजू मणि फुकन, प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. अरोषिका राभा, मजदूर यूनियन की ऑल इंडिया मेन्स फेडरेशन के सचिव पीयूष चक्रवर्ती, मालीगांव मस्जिद यूनियन के महासचिव पंकज कलिता, मजदूर यूनियन की अध्यक्ष असमी अहमद और प्रसिद्ध पत्रकार नवनीता कलिता उपस्थित थीं। इस कार्यक्रम में महिलाओं के स्वास्थ्य और अधिकारों से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। विशेष रूप से शारीरिक और मानसिक

स्वास्थ्य के महत्व को उजागर किया गया। महिलाओं के आत्मनिर्भर बनने और समाज में उनके योगदान पर भी प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में मजदूर यूनियन की महासचिव मयूरपंखी सैकिया ने भी अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि एक उन्नत समाज बनाने के लिए महिलाओं को सशक्त बनाना अत्यंत आवश्यक है। उनके स्वास्थ्य, शिक्षा और सुरक्षा पर हमेशा ध्यान दिया जाना चाहिए। यह विशेष कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण को और मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

पूसीरे अतिरिक्त होली स्पेशल ट्रेनें चलाएगी

गुवाहाटी (हिंस)। होली के त्यौहारी सीजन के दौरान यात्रियों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) 13 जोड़ी स्पेशल ट्रेनें चलाएगी। इससे पहले, नारंगी-गोरखपुर जंक्शन-नारंगी, कटिहार-अमृतसर-कटिहार, कामाख्या-आनंदविहार टर्मिनल-कामाख्या, डिब्रूगढ़-न्यू जलपाईगुड़ी-डिब्रूगढ़, न्यू जलपाईगुड़ी-हावड़ा-न्यू जलपाईगुड़ी और आनंद विहार टर्मिनल-जोगबनी-आनंद विहार टर्मिनल जैसे मार्गों के लिए 08 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के परिचालन की घोषणा की गई थी। इसके अतिरिक्त, मुंबई सेंट्रल-कटिहार-मुंबई सेंट्रल, सियालदह-न्यू जलपाईगुड़ी-सियालदह, चर्लपल्ली-नाहरलगुन-चर्लपल्ली, उदयपुर सिटी-फारबिसगंज-उदयपुर सिटी और टाटा-कटिहार-टाटा मार्गों पर 05 और जोड़ी स्पेशल ट्रेनें शुरू की जाएंगी। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज जारी एक बयान में बताया है कि स्पेशल ट्रेन संख्या 09189 (मुंबई सेंट्रल-कटिहार) 08 से 29 मार्च तक प्रत्येक शनिवार को रवाना होगी। इसी तरह, स्पेशल ट्रेन संख्या 09190 (कटिहार-मुंबई सेंट्रल) 11 मार्च से 01 अप्रैल तक प्रत्येक मंगलवार को रवाना होगी। स्पेशल ट्रेन संख्या 03105 (सियालदह-न्यू जलपाईगुड़ी) 16 और 18 मार्च को रवाना होगी। इसी तरह, स्पेशल ट्रेन संख्या 03106 (न्यू जलपाईगुड़ी- सियालदह) 17 से 19 मार्च को रवाना होगी। स्पेशल ट्रेन संख्या 07046 (चर्लपल्ली-नाहरलगुन) 8 मार्च को रवाना होगी। इसी तरह, स्पेशल ट्रेन संख्या 07047 (नाहरलगुन-चर्लपल्ली) 11 मार्च को रवाना होगी। स्पेशल ट्रेन संख्या 09623 (उदयपुर सिटी-फारबिसगंज) 11 और 18 मार्च को रवाना होगी। इसी तरह, स्पेशल ट्रेन संख्या 09624 (फारबिसगंज-उदयपुर सिटी) 13 और 20 मार्च को रवाना होगी। स्पेशल ट्रेन संख्या 08181 (टाटा-कटिहार) 12 मार्च को रवाना होगी। इसी तरह, स्पेशल ट्रेन संख्या 08182 (कटिहार-टाटा) 13 मार्च को रवाना होगी।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर भाजपा का नारी शक्ति को सम्मान

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी, असम प्रदेश महिला मोर्चा के तत्वावधान में और गुवाहाटी महानगर महिला मोर्चा के सहयोग से गुवाहाटी के कर भवन में आज *अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस* समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित गौहाटी विश्वविद्यालय शिक्षा विभाग की सेवानिवृत्त वरिष्ठ प्राध्यापिका निलीमा भगवती ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि नारी वंदनीय, अभिनंदनीय और नारायणी शक्ति है। हर क्षेत्र में महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रही हैं और विकसित असम के सपने को साकार करने की दिशा में अग्रसर हैं। असम की वित्त मंत्री अजंता नेओग ने राज्य सरकार की *अरुणोदय* योजना को महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताते हुए कहा कि अब भारत के विभिन्न राज्य इसे एक आदर्श योजना के रूप में अपना रहे हैं। कार्यक्रम में असम की विशिष्ट महिलाओं को सम्मानित किया गया। असम प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने *असम गौरव सम्मान* से धृतिमाला डेका, पद्मश्री पार्वती बरुवा, लोकगायिका धनदा पाठक, पैरा एथलीट जूरी डेका, उद्योगपति अक्षता नारायण, हस्तशिल्प कलाकार अनामिका दलै सैकिया, गौहाटी मेडिकल कॉलेज की प्रोफेसर डॉ. उमा काइमल सैकिया और शिक्षाविद् डॉ. मंजू देवी पेगू को सम्मानित किया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का संचालन असम प्रदेश महिला मोर्चा की अध्यक्ष स्वप्ना बनिया ने किया। कार्यक्रम में असम प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया, वित्त मंत्री अजंता नेओग, गुवाहाटी लोकसभा सांसद बिजुली कलिता मेधी, पूर्व केंद्रीय मंत्री विजया चक्रवर्ती और पूर्व सांसद क्वीन ओझा भी मौजूद रहीं।

सीमांत चेतना मंच पूर्वोत्तर, का *सीमांत क्रीड़ा महोत्सव* अप्रैल में

गुवाहाटी (हिंस)। अंतर्राष्ट्रीय सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के शैक्षिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और उनके मन मष्तिष्क में देश प्रेम तथा राष्ट्रीयता की भावना जागृत एवं वृद्धि के उद्देश्य से 1985 में राजस्थान के जोधपुर में सीमा जागरण मंच की स्थापना की गई थी। इसके बाद, असम के सीमावर्ती क्षेत्रों के गांवों में कई प्रकार के कार्यक्रम जैसे खेल, सत्संग, जागरूकता संबंधी बैठकें, पूर्व-रोजगार प्रशिक्षण, कौशल विकास योजनाओं आदि जैसी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से युवाओं की आत्मनिर्भरता और साहस को बढ़ाने के लिए 2008 में धुबड़ी जिले में सीमांत चेतना मंच पूर्वोत्तर का जन्म हुआ और तभी से यह सीमावर्ती क्षेत्र के विभिन्न रचनात्मक पहलुओं में अपनी अहम भूमिका निभाने एवं सेवा करने में अग्रसर है। *सीमांत क्रीड़ा महोत्सव'25* के अध्यक्ष प्रदीप कुमार, आईपीएस (सेवानिवृत्त) और महासचिव चंदन कुमार नाथ ने आज बयान में बताया है कि सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और एकता के मूलमंत्र को आत्मसात करते हुए सीमांत चेतना मंच, पूर्वोत्तर सीमांतवासियों के हित में काम कर रहा है। निर्धारित वार्षिक कार्यसूची के अंतर्गत सीमांत क्रीड़ा महोत्सव का आयोजन एक अहम पहल है। क्रीड़ा के माध्यम से व्यक्ति के चरित्र एवं व्यक्तित्व निर्माण और व्यक्तित्व निर्माण से राष्ट्र निर्माण की भावना को ध्यान में रखते हुए युवक-युवतियों के क्रीड़ा प्रतिभा को उजागर करने का सतत प्रयास इस मंच द्वारा निरंतर चलाया जा रहा है। एकता तथा देशप्रेम की भावना के मद्देनजर असम के सीमावर्ती क्षेत्रों से सटे 20 किलोमीटर के अंदर स्थित सब जूनियर (14 वर्ष से 17 वर्ष तक) और जूनियर (17 वर्ष से 20 वर्ष तक) ये दो ग्रुपों में खिलाड़ियों को प्रतिभागिता कराकर *सीमांत क्रीड़ा महोत्सव* 25 आने वाले अप्रैल महीने के 08, 09, तथा 10 को गुवाहाटी के सरुसजाई स्थित इंदिरा गांधी एथलेटिक स्टेडियम में आयोजित की जाएगी। यह टूर्नामेंट 21 दिसंबर 2024 से 30 जनवरी 2025 तक असम की अंतर्राष्ट्रीय सीमा से लगे नौ जिलों में आयोजित किया गया है, जिसमें लगभग छह हजार एथलीटों ने भाग लिया। क्वालीफाइंग स्पर्धाओं (100 मीटर, 200 मीटर, 800 मीटर, लौंग जंप, हाई जंप, ट्रिपल जंप, शॉट पुट, जेवलिन थ्र, रीले रेस, मैराथन रेस आदि) के माध्यम से 650 एथलीटों का चयन किया गया था।

बीएसएफ फ्रंटियर मुख्यालय में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

गुवाहाटी (हिंस)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के फ्रंटियर मुख्यालय गुवाहाटी और इसके अंतर्गत सभी सेक्टरों एवं बटालियनों द्वारा *एक्शन को तीव्र करें* थीम पर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। इस अवसर पर महिलाओं की समावेशिता, सामूहिकता, प्रासंगिकता और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। बीएसएफ फ्रंटियर मुख्यालय गुवाहाटी में वंदना गौर और बड़ी संख्या में महिला प्रहरियों ने विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर महिला दिवस मनाया। वंदना गौर ने महिला दिवस के महत्व को रेखांकित किया और विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं द्वारा प्राप्त की गई उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज के युग में प्रत्येक महिला को शिक्षित होना चाहिए, जो देश और समाज के समग्र विकास में सहायक साबित होगा। उन्होंने कहा कि सीमा सुरक्षा बल की महिला प्रहरियां अपने पुरुष सहकर्मियों के बराबर कर्तव्यों का निर्वहन कर रही हैं और राष्ट्र सेवा में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

असम पुलिस ने घुसपैठिए को पकड़कर भेजा बांग्लादेश

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार राज्य की सीमाओं को घुसपैठ मुक्त रखने के लिए सख्त रणनीति अपना रही है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी साझा करते हुए कहा कि असम पुलिस लगातार सीमाई इलाकों पर निगरानी रख रही है, घुसपैठियों को पकड़ रही है और उन्हें वापस भेज रही है। मुख्यमंत्री शर्मा ने बताया कि इसी नीति के तहत एक बांग्लादेशी नागरिक, अशरफुल हक को पकड़ा गया और उसे सीमा पार वापस भेज दिया गया। उन्होंने इस कार्रवाई को असम पुलिस की सतर्कता और मजबूत सुरक्षा व्यवस्था का उदाहरण बताते हुए कहा कि अच्छा काम! उल्लेखनीय है कि असम सरकार अवैध घुसपैठ पर लगाम लगाने के लिए कड़े कदम उठा रही है। राज्य में सीमा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों की पैनी नजर बनी हुई है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस : बहु प्रतिभा की धनी संध्या कुंवर

जोरहाट (हिंस)। देशभर में आज अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जा रहा है। यह दिन उन सभी महिलाओं के सम्मान का दिन है जो प्रेरणा देती हैं, समाज को सशक्त बनाती हैं और अपनी प्रतिभा से मिसाल कायम करती हैं। ऐसी ही एक कहानी है जोरहाट जिलांतर्गत टियक की संध्या कुंवर की। जिन्होंने स्वयं के दम पर न केवल अपनी पहचान बनाई बल्कि दूसरों को रोजगार देकर मिसाल भी पेश की। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर संध्या ने कहा कि अगर मन में दृढ़ इच्छाशक्ति हो तो इंसान तमाम बाधाओं के बीच कई कार्य कर सफल हो सकता है। उन्होंने अपनी सफलता के संबंध में बताया कि कैसे आत्मनिर्भर होने का उन्हें रास्ता दिखाई दिया। संध्या कुंवर ने बताया कि वर्ष 2018 में कुछ करने के इरादे से मैंने अपना कदम आगे बढ़ाया। इसकी शुरुआत बेटी के जन्मदिन के अवसर पर सबसे पहले

एक केक तैयार किया। इस बीच कुछ और लोगों के लिए केक बनाया। इसके बाद केक बनाने का आर्डर मिलने लगा। बाद में धीरे-धीरे पिज्जा, मोमो, बर्गर, पेटिस, पेस्ट्रीज, विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट बेकरी बिस्कुट आदि बनाना शुरू किया। उन्होंने कहा कि उत्पाद को बाजार में बेचने के लिए एक दुकान खोलने की इच्छा हुई तो दुकान का नाम क्या होगा, इसको लेकर उहापोह की स्थिति थी। मेरे पति ने सुझाया कि मेरे नाम से ही दुकान का नाम रखा जाना चाहिए। इसी तरह से दुकान का नाम पड़ा, जहां उत्पाद को बेचना आरंभ किया। लोगों ने जब पसंद किया तो मेरा हौसला बढ़ता गया। विभिन्न समय पर संध्या ने असमिया पारंपरिक पीठा समेत अन्य पकवान के साथ-साथ हाथ से बुने गए गामोछा, कूसन कवर, मेखेला चादर आदि बनाकर भी विशेष प्रशंसा प्राप्त की। उन्होंने बताया कि टियक के बाहर जोरहाट, जामगुड़ी, आमगुड़ी समेत अन्य इलाकों में भी मेरे उत्पाद की बिक्री हो रही है। खास कर त्यौहार और उत्सवों के दौरान लगने वाले मेलों में अपने उत्पादों को बेचने के लिए जाती हैं। इतनी व्यस्त दिनचर्या के बीच, संध्या कुंवर असमिया संस्कृति, भाओना, नृत्य, मॉडलिंग की दुनिया में भी पहचान बनाने में सफल रही हैं। संध्या को एक सफल मेकअप आर्टिस्ट के रूप में भी जाना जाता है। उनकी इस प्रतिभा को विभिन्न दल एवं संगठनों द्वारा अनेक अवसरों पर सराहा गया और पुरस्कृत भी किया गया है। एक महिला परिवार की सभी जिम्मेदारियों को निभाते हुए व्यवसाय के माध्यम से आत्मनिर्भर बनकर कई कर्मचारियों को रोजगार देकर एक आदर्श स्थापित किया है।

नव्या लेडीज क्लब का होली उत्सव आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। नव्या लेडीज क्लब ने क्लब की सदस्याओं के बीच आपसी संबंध को मजबूत करने के लिए होली उत्सव का आयोजन किया। सदस्याओं का स्वागत रंग गुलाल लगा कर किया गया। कार्यक्रम संयोजिका कुसुम जैन ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष पूजा अग्रवाल, सचिव ज्योति भूत मौजूद रहीं। कुसुम जैन और निवा सराफ ने मिलकर सभी को होली की उपाधियों से नवाजा। जिसने कार्यक्रम में चार चांद लगाए और हंसी का माहौल बन गया। क्लब की कुछ सदस्याओं ने मिलकर नाटिका का आयोजन किया। इस अवसर पर क्लब की सदस्याएं मौजूद रहीं। रंगारंग कार्यक्रम और स्वादिष्ट व्यंजनों के साथ इसकी शुरुआत और समापन हुआ।

जेसीआई गुवाहाटी हुनर का वर्थ ऑफ वूमेन कार्यक्रम आयोजित

गुवाहाटी। जेसीआई गुवाहाटी हुनर का इंटरनेशनल महिला दिवस पर वर्थ ऑफ वूमेन प्रोग्राम वृहस्पतिवार को दोपहर 3-30 बजे स्थानीय होटल विंटेज में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अंकुश जैन ने जेसीआई क्रीड एंड मिशन से किया। जोन पास्ट प्रेसिडेंट राजेश गंगवाल ने सबको जेसीआई के बारे में बताया। प्रेसिडेंट नेहा गुप्ता ने आए हुई नवरत्न महिलाओं रतन प्रभा सेठी, सीमा गोयनका, बीना छाबड़ा, उमराव देवी बोथरा, रागिनी गोयल, डॉ. खुशबू अग्रवाला, पायल जैन (बॉस नेटवर्क), श्वेता हिम्मतसिंगका एवं निक्की खेमका का स्वागत किया। सभी ने अपने प्रेरणादायक विचारों को हमारे सामने रखा और हमें मोटिवेट भी किया है। सभी ने अपने अनुभव साझा किए और हमें महिलाओं की शक्ति और संघर्ष के बारे में बताया। आपकी बातें निश्चित ही हमारे जीवन में एक नया उत्साह भर देंगी। इस मौके पर हमारे साथ जोन एडवाइजर अमित पटनी, जोन बिजनेस डायरेक्टर सीए दीपक जैन, जोन सी एंडडी पारस सराफ, जोन जेसी लेडी प्रिय तिवारी, सेक्रेटरी रवि कुंडलिया, कोषाध्यक्ष अमित बाकलीवाल, प्रोजेक्ट चेयरपर्सन खुशबू जैन एंड उर्वशी गर्ग और बहुत सारे जेसीआई मेंबर्स मौजूद थे। कार्यक्रम का कुशल संचालन पास्ट प्रेसिडेंट ईशा गंगवाल ने किया। नवरत्न महिलाओं ने प्रोग्राम की बहुत सराना की और कहा आगे ऐसे कुछ भी प्रोग्राम हो तो हमें जरूर याद करना। इस आशय की जानकारी मेघा झाबक ने जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी।

मॉडर्न इंग्लिश स्कूल की उप-प्रधानाचार्या ने लंदन में प्रतिष्ठित एसटीईएम एंगेजमेंट प्रोग्राम में उत्तर-पूर्व भारत का प्रतिनिधित्व किया

गुवाहाटी। मॉडर्न इंग्लिश स्कूल, काहिलीपाड़ा, गुवाहाटी, अपनी उप-प्रधानाचार्या सुश्री की उल्लेखनीय उपलब्धि का गर्व से जश्न मनाता है। सुष्मिता चंदा को 3 मार्च से 7 मार्च, 2025 तक साइंस म्यूजियम ग्रुप, लंदन के सहयोग से एसटीईएम एंगेजमेंट एंड लर्निंग प्रोग्राम नामक प्रतिष्ठित ग्रेट चैलेंज फंड प्रोजेक्ट में भाग लेने के लिए सम्मानित किया गया। एमएस। चंदा, श्री. पीएम श्री केवी खानापाड़ा के पीजीटी-भौतिकी राकेश कुमार ने इस प्रतिष्ठित पहल के लिए चुने गए एकमात्र शिक्षकों में से दो के रूप में पूर्वोत्तर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। वह भारत भर से आए 10 शिक्षकों की एक विशिष्ट टीम का हिस्सा थीं, जिसमें सरकारी और निजी दोनों संस्थानों के पेशेवरों के साथ-साथ राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद (एनसीएसएम) के सदस्य भी शामिल थे। कार्यक्रम का

ध्यान दो प्रमुख विज्ञान संस्थानों- राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद, भारत और विज्ञान संग्रहालय समूह, यूके के बीच सहयोग को बढ़ावा देकर यूके-भारत द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर केंद्रित था। इस यात्रा के एक भाग के रूप में सुश्री. चंदा संवर्धन में लगी हुई है। एसटीईएम-आधारित गतिविधियां, जिनमें शामिल हैं : कक्षा में सहभागिता बढ़ाने के लिए विज्ञान पूंजी दृष्टिकोण को समझना और लागू करना, अंतर्राष्ट्रीय एसटीईएम गतिविधियों का अवलोकन करना तथा चुनौतियों और अवसरों की पहचान करना, नवीन एसटीईएम तकनीकों का पता लगाने के लिए व्यावहारिक प्रदर्शनों और कार्यशालाओं में भाग लेना, सीमा पार ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न विभागों के विज्ञान संग्रहालय पेशेवरों के साथ बातचीत करना, 6 मार्च, 2025 को *स्पेस लेट्स* कार्यक्रम में भाग लेना, दर्शकों की सहभागिता और सीखने की पद्धतियों के बारे में जानकारी प्राप्त करना। इस असाधारण अवसर पर विचार करते हुए, श्रीमती. मॉडर्न इंग्लिश स्कूल की प्रिंसिपल जोनाली दास ने गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि सुश्री. इस प्रतिष्ठित पहल के लिए चंदा का चयन न केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि मॉडर्न इंग्लिश स्कूल के लिए भी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह एसटीईएम शिक्षा और वैश्विक सहयोग में उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। अपना अनुभव साझा करते हुए सुश्री. सुष्मिता चंदा ने कहा कि यह कार्यक्रम एसटीईएम संलग्नता में वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को समझने का एक अच्छा अवसर रहा है। सीखी गई अंतर्दृष्टि और कार्यप्रणाली आधुनिक अंग्रेजी स्कूल में हमारे छात्रों के सीखने के अनुभव को समृद्ध करने में महत्वपूर्ण योगदान देगी। मॉडर्न इंग्लिश स्कूल अपने संकाय और छात्रों के लिए वैश्विक शैक्षिक अवसरों को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है, तथा पूर्वोत्तर भारत में नवीन और भविष्य-केंद्रित शिक्षा के केंद्र के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत कर रहा है।

संपादकीय

आर्थिक दुरुस्ती के लिए

चिन्हित इरादों की फेहरिस्त में आगे बढने की ख्वाहिश ने मजमून बदल दिए, यह नए दौर की कहानी है सारे प्रयोग बदलने होंगे। बहुत मुसीबतें, खामियां और कसूर होंगे राजनीति में, लेकिन सत्ता के प्रदर्शन में कुछ तो नूर चाहिए। हिमाचल में बहस राजनीति के हर सफर को खुली निगाहों से देखती है और इसीलिए सरकारों को हकीकत की खुली किताब में रहना पड़ता है। यहां अर्जियों की पैमाइश में केंद्र से आर्थिक ऊर्जा के संदेश सुने जाते रहे हैं और पर्वतीय विडंबनाओं से जूझते मकसद गिने जाते हैं। दरअसल पर्वतीय अस्मिता के संघर्ष में अगर वाईएस परमार ने पहाड़ी रियासतों को जोडक़र सियासत का गुलदस्ता बनाया, तो एक राज्य के रूप में हिमाचल का आर्थिक हिसाब भी जुड़ गया। तरक्की के पायदान बिछते रहे, मगर आर्थिक खुशहाली के दरवाजे पूरी तरह खुले नहीं। नतीजतन हर दौर की क्रिया-प्रतिक्रिया में आर्थिक हिसाब बढ़ता गया। बावजूद इसके सरकारें कड़वे फैसले लेने के बजाय मीठी गोलियां बांटती रहीं। इसी परिप्रेक्ष्य में प्रदेश पर कर्ज का बोझ इस कद्र हावी हो गया कि अब राज्य की 'आर्थिक दुरुस्ती के लिए' इंतजाम करने पड़ेंगे। कहने को हर मुख्यमंत्री ने अपनी-अपनी तरह से इंतजाम किए, लेकिन जहां बेडिय़ां चुनावी मंजर में राहत ढूंढती हों, वहां उदारता के जख्म बढ़ते गए। कांग्रेस ने इसी हकीकत को जब गारंटियों से जोड़ा तो सत्ता की पैरवी में सरकार को खजाने की कीमत चुकानी पड़ रही है। दरअसल हिमाचल की राजनीति ने आर्थिक खाका बनने ही नहीं दिया और अब दिक्कत यह कि केंद्र के तराजू में एक बड़ी शून्यता से प्रदेश को दो-चार होना पड़ रहा है यानी इंसाफ ढूंढने से पहले अपने स्रोत में चिराग उगाने पड़ेंगे। चिरागों की तलाश का एक दौर शांता कुमार की हुकूमत में सफर पे निकला था और अब जरूरतें सुखविंदर सुक्खू सरकार से मेहनत करवा रही हैं। कड़े कदमों का ऐलान जिस जमीन पर शांता कुमार ने किया था, आज उसी बंजर भूमि को फिर से खोदा जा रहा है। आए हैं कुछ फैसले, जिनके खिलाफ हिदायतें आने लगीं, तेरी हस्ती में सख्त कदम जरूरी था। सुक्खू सरकार को कुछ बचाना, कुछ हासिल करना और कुछ संवारना पड़ेगा। इसी संदर्भ में वित्तीय बिलों की कटौतियां, खर्चों में लटकी लेटलतीफियां और ढर्रे में अनगिनत दूरियां मिटाने की जद्दोजहद यह सरकार भी कुछ हद तक कर रही है। जाहिर है ऐसे परिदृश्य में विरोध की राजनीति शगुन नहीं डालेगी और हर जिरह में जुबान नहीं लडख़ड़ाई। बजट की कसरतें केंद्र से कितनी सशक्त होती हैं या आर्थिक सहयोग में निजी निवेश कहां तक भरपाई करता है, यह देखना होगा। बहरहाल, सरकार के अपने खाके में संसाधनों की तलाश जारी है और इसी उम्मीद से पर्यटन, हरित ऊर्जा, डेयरी, डाटा स्टोरेज, खाद्य प्रसंस्करण और जल विद्युत परियोजनाओं में निजी निवेश से हाथ मिलाने की कोशिश हो रही है। बुधवार को इसी परिप्रेक्ष्य में संभावनाएं तब जागीं जब चंडीगढ़ की कंपनी के साथ 1400 करोड़ की लागत से ग्रीन हाइड्रोजन परियोजना पर एक समझौता हुआ। दूसरी ओर यूएई के राजदूत डा. अब्दुल नादिर अलशाली और मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू के बीच संभावनाओं की मुलाकात होती है। यूएई निवेश के लिए विभिन्न क्षेत्रों में रुचि दिखा रहा है और इस दृष्टि से हिमाचल ने अपनी पैरवी की है। कहना न होगा कि हिमाचल नए निवेश के लिए प्रस्तुत हो रहा है। इससे पहले जयराम सरकार ने तो बाकायदा इनवेस्टर मीट करवा कर अपने आर्थिक पैमाने भरने की कोशिश की थी, लेकिन न पर्यटन से कोई बड़ी राह निकली और न ही अन्य क्षेत्रों में बहार आई। निवेश की राह पर राजनीतिक चुनौतियों की ही वजह है कि स्की विलेज, ऊना एसईजेड एविएशन तथा वाकनाघाट जैसी परियोजनाएं आज तक सिरे नहीं चढ़ीं। पर्यटन की सबसे बड़ी परियोजना स्की विलेज के विरोध में तो देवता समाज भी लगा दिया था।

> हिमाचल में बहस राजनीति के हर सफर को खुली निगाहों से देखती है और इसीलिए सरकारों को हकीकत की खुली किताब में रहना पड़ता है। यहां अर्जियों की पैमाइश में केंद्र से आर्थिक ऊर्जा के संदेश सुने जाते रहे हैं और पर्वतीय विडंबनाओं से जूझते मकसद गिने जाते हैं। दरअसल पर्वतीय अस्मिता के संघर्ष में अगर वाईएस परमार ने पहाड़ी रियासतों को जोडक़र सियासत का गुलदस्ता बनाया, तो एक राज्य के रूप में हिमाचल का आर्थिक हिसाब भी जुड़ गया। तरक्की के पायदान बिछते रहे, मगर आर्थिक खुशहाली के दरवाजे पूरी तरह खुले नहीं। नतीजतन हर दौर की क्रिया-प्रतिक्रिया में आर्थिक हिसाब बढ़ता गया। बावजूद इसके सरकारें कड़वे फैसले लेने के बजाय मीठी गोलियां बांटती रहीं। इसी परिप्रेक्ष्य में प्रदेश पर कर्ज का बोझ इस कद्र हावी हो गया कि अब राज्य की 'आर्थिक दुरुस्ती के लिए' इंतजाम करने पड़ेंगे। कहने को हर मुख्यमंत्री ने अपनी-अपनी तरह से इंतजाम किए, लेकिन जहां बेडिय़ां चुनावी मंजर में राहत ढूंढती हों, वहां उदारता के जख्म बढ़ते गए।

आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती हुई प्रमुख अर्थव्यवस्था है

भारत बनेगा 5,000 अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थ व्यवस्था !

सुनील कुमार महला

> प्रधानमंत्री ने रोजगार सृजन के लिए कौशल विकास(स्किल डेवलपमेंट) और नवोन्मेष में निवेश का आह्वान भी किया है। दरअसल, बजट बाद आयोजित एक वेबिनार में उन्होंने यह बात कही है कि सरकार ने वर्ष 2014 से अब तक तीन करोड़ युवाओं को हुनरमंद बनाया है तथा सरकार ने 1,000 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) को अपग्रेड करने और पांच उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने का फैसला किया है। पाठकों को बताता चलूं कि उन्होंने कहा है कि-' क्षमता निर्माण और प्रतिभा पोषण राष्ट्रीय विकास के लिए आधारशिला के रूप में काम करते हैं। विकास के अगले चरण में इन क्षेत्रों में अधिक निवेश जरूरी है।'

हाल ही में हमारे देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने यह बात कही है कि अब वह दिन दूर नहीं है, जब भारत 5,000 अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा। प्रधानमंत्री ने रोजगार सृजन के लिए कौशल विकास(स्किल डेवलपमेंट) और नवोन्मेष में निवेश का आह्वान भी किया है। दरअसल, बजट बाद आयोजित एक वेबिनार में उन्होंने यह बात कही है कि सरकार ने वर्ष 2014 से अब तक तीन करोड़ युवाओं को हुनरमंद बनाया है तथा सरकार ने 1,000 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) को अपग्रेड करने और पांच उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने का फैसला किया है। पाठकों को बताता चलूं कि उन्होंने कहा है कि-' क्षमता निर्माण और प्रतिभा पोषण राष्ट्रीय विकास के लिए आधारशिला के रूप में काम करते हैं। विकास के अगले चरण में इन क्षेत्रों में अधिक निवेश जरूरी है।' आगे उन्होंने संबोधित करते हुए यह कहा कि, लोगों में निवेश की दृष्टि तीन स्तंभों शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और कौशल विकास पर आधारित है।

वास्तव में यह एक अच्छी खबर कहीं जा सकती है कि भारत की अर्थव्यवस्था एक दशक (वर्ष 2015-2025 तक) में 66 प्रतिशत बढ़ी है। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती हुई प्रमुख अर्थव्यवस्था है। सरकार ने युवाओं को नए अवसर और व्यावहारिक कौशल देने के लिए पीएम इंटर्नशिप योजना शुरू की है। यह काबिले-तारीफ है कि सरकार ने इस बार प्रस्तुत किए गए बजट में एआई आधारित शिक्षा और शोध के लिए 500 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं तथा साथ ही साथ 10,000 अतिरिक्त मेडिकल सीटों की घोषणा भी की है। इससे मेडिकल क्षेत्र में और अधिक प्रगति और उन्नयन देखने को मिलेगा। इतना ही नहीं, सरकार का अगले पांच साल में चिकित्सा क्षेत्र में 75,000 और सीट जोड़ने का लक्ष्य है।

सरकार ने पर्यटन पर ध्यान केंद्रित करते हुए देश में 50 गंतव्यों का विकास करने की बात भी कही है जैसा कि पर्यटन क्षेत्र में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 10 प्रतिशत तक योगदान करने और करोड़ों युवाओं के लिए रोजगार देने की क्षमता है। वास्तव में,लोगों, अर्थव्यवस्था और नवाचार में

निवेश एक ऐसा विषय है जो विकसित भारत के लिए रोडमैप को परिभाषित करता है। आज इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ ही उधोगों को तो सरकार द्वारा प्राथमिकता दी ही जा रही है, साथ ही साथ देश की अर्थव्यवस्था, नवाचार और लोगों के लिए भी लगातार काम किया जा रहा है। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज के समय में भारत की शिक्षा प्रणाली एक बड़े परिवर्तन से गुजर रही है।

सरकार शिक्षा और प्रौद्योगिकी में निरंतर विकास, उन्नयन के लिए प्रयासरत है और आज राष्ट्रीय शिक्षा नीति, आईआईटी का विस्तार, शिक्षा प्रणाली में प्रौद्योगिकी का एकीकरण, एआई की पूरी क्षमता का उपयोग, पाठ्यपुस्तकों का डिजिटलीकरण, 22 भारतीय भाषाओं में अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराना जैसे बड़े कदम, ऐसे कई प्रयास सरकार द्वारा चल रहे हैं। इस संबंध में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह बात कही है कि 'मिशन-मोड में किए गए इन प्रयासों ने भारत की शिक्षा प्रणाली को 21वीं सदी की दुनिया की जरूरतों और मापदंडों के अनुरूप बनाया है।' यदि हम यहां स्वास्थ्य केंद्रों की बात करें तो आज देश में सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों तक टेलीमेडिसिन सुविधा का विस्तार किया जा रहा है। डे-केयर कैंसर केंद्रों और डिजिटल स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचे के माध्यम से सरकार गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा को अंतिम छोर तक ले जाना चाहती है।

इतना ही नहीं,सरकार ने स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए इस बजट में कई कदम उठाए हैं। अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एक लाख करोड़ रुपये का कोष पारित किया गया है। आज देश में प्रतिभाओं के पोषण के लिए लगातार काम किया जा रहा है। उनमें क्षमता निर्माण हेतु सरकार प्रतिबद्ध नजर आती है। कहना ग़लत नहीं होगा कि जब किसी देश के युवाओं में क्षमता निर्माण होगा और प्रतिभाओं का पोषण होगा तो देश निश्चित ही प्रगति के नये आयामों की ओर अग्रसर हो सकेगा। देश की शिक्षा प्रणाली में परिवर्तन से देश चहुंमुखी विकास की ओर अग्रसर होगा, क्यों कि शिक्षा किसी भी राष्ट्र की असली रीढ़ होती है। आज अनेक दशकों बाद देश की शिक्षा प्रणाली में अनेक परिवर्तन देखने को मिल रहे हैं, नई शिक्षा नीति में अनेक नवाचार, प्रावधान किए गए हैं।शिक्षा प्रणाली में टेक्नोलॉजी का इंटीग्रेशन एक बड़ी व नायाब पहल कहीं जा सकती है।

पाठ्य पुस्तकों के डिजिटलीकरण और 22 भारतीय भाषाओं में शिक्षण सामग्री की उपलब्धता से निश्चित ही समाज और देश आगे बढ़ेगा। आज युवाओं को प्रशिक्षण से लैस करने के लिए अनेक प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं. कहना ग़लत नहीं होगा कि इससे उधोगों की जरूरतें पूरी होंगी और देश की अर्थव्यवस्था को पंख लग सकेंगे। ऐसे प्रयास किए जा रहे हैं जिससे हमारे देश के युवा हर क्षेत्र में वैश्विक प्रतिस्पर्धा कर सकें तथा उन्हें एक्सपोजर मिल सके। यहां पाठकों को बताता चलूं कि इस वर्ष हमारे देश की वित्त मंत्री ने सभी क्षेत्रों के संतुलित विकास को प्रोत्साहित करते हुए 'सबका विकास' थीम के साथ केंद्रीय बजट 2025-26 प्रस्तुत किया था, जिसमें उन्होंने विकसित भारत के व्यापक सिद्धांतों को रेखांकित किया है जिनमें क्रमशः शून्य गरीबी, शत-प्रतिशत अच्छी गुणवत्ता वाली स्कूली शिक्षा,उच्च गुणवत्ता वाली, सस्ती और व्यापक स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच,सार्थक रोजगार के साथ शत-प्रतिशत कुशल श्रमिक, आर्थिक गतिविधियों में सत्तर प्रतिशत महिलाएँ; तथा किसान हमारे देश को 'विश्व की खाद्य टोकरी' बना रहे हैं, जैसे व्यापक सिद्धांत शामिल हैं। इस वर्ष प्रस्तुत किए गए बजट में कृषि, एमएसएमई(सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) तथा निवेश (इन्वेस्टमेंट) विकास के प्रमुख इंजन हैं।अंत में, यही कहूंगा कि विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए सरकार पूरी तरह से दृढ़ संकल्पित है।

दृष्टि कोण

मुफ्त रेवडिय़ां नहीं, समान अवसर चाहिए

हाल में ही सुप्रीम कोर्ट द्वारा कहा गया है कि लोगों को फ्रीबीज के माध्यम से मुख्यधारा में लाने के बजाय क्या हम परजीवियों का एक वर्ग तैयार नहीं कर रहे ? सही मायने में यह टिप्पणी समाज के हर वर्ग के लिए एक सोचनीय प्रश्न का जवाब जानना चाहती है। विशेषकर इस वर्ग से जो देश के लगभग 50 प्रतिशत आबादी का प्रतिनिधत्व करती है महिला वर्ग। हर राजनीतिक पार्टी इस वर्ग की खुशहाली के लिए मुफ्त योजनाओं का सहारा लेकर चलना चाहती है। आलम यह है कि इस वर्ग की शिक्षित व अशिक्षित महिलाएं भी इन योजनाओं का लाभ पाकर धन्य हो रही हैं। लेकिन कब तक? हर वर्ष 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है ताकि उनके सम्मान व अधिकारों की बात की जा सके, लेकिन यकीन मानें इस तरह की मुफ्त रिवायतों ने महिलाओं की सही समस्याओं एवं मुद्दों को कहीं पीछे धकेल दिया है। भारत जैसे विकासशील देश में जहां हर दूसरा राज्य मुफ्त योजनाओं के कारण राजस्व घाटे का सामना कर रहा है। आर्थिक शोध एजेंसी क्रिसिल के मुताबिक राज्य अपने कुल राजस्व का 13 फीसदी हिस्सा कर्ज का ब्याज चुकाने में लगा रहे हैं। जबकि वित्त आयोग के मुताबिक कुल राजस्व का 10 फीसदी कर्ज चुकाने में खर्च नहीं होना चाहिए। इसमें भी चिंतनीय बात यह है कि राज्य कर्ज का अधिकतर हिस्सा सैलरी, पैंशन और मुफ्त की सेवाएं देने में खर्च कर रहे हैं। कुछ योजनाएं तो ऐसी हैं जो सही मायने में आत्मनिर्भर नहीं, बल्कि विशेषकर महिला वर्ग को अप्रत्यक्ष तौर पर परावलंबन बना रही हैं। जहां हिमाचल प्रदेश में इंदिरा गांधी प्यारी बहना सुख सम्मान निधि की पात्र महिलाओं को 1500 रुपए महीना, तेलंगाना में महालक्ष्मी योजना के तहत 2500, कर्नाटक में गृह लक्ष्मी योजना की पात्र महिलाओं को 200 रुपए, उड़ीसा में सुभद्रा योजना के तहत 10000 हजार रुपए हर वर्ष, महाराष्ट्र व मध्य प्रदेश में लाडली बहना योजना के तहत 21 से 65 साल तक की महिलाओं को 1500 रुपए महीना, पंजाब में एक हजार और हाल में ही दिल्ली की वर्तमान सरकार ने 8 मार्च को चुनावी वादे के मुताबिक 2500 रुपए महीना पात्र महिलाओं के खाते में डालने की घोषणा कर दी है। आलम यह है कि तेलंगाना, कर्नाटक व पंजाब आदि में तो हर वर्ग की महिलाओं को मुफ्त बस की सुविधा भी दी जा रही है। इन कल्याणकारी योजनाओं के नाम पर क्रिसिल रेटिंग्स के मुताबिक राज्यों का राजकोषीय घाटा कुल मिलाकर 1.1 लाख करोड़ रुपए रहने की उम्मीद है। हालांकि कुछ वर्षों में उत्तर भारत में राजनीतिक पार्टियों द्वारा सीधे खातों में पैसे भेजने की बात की जा रही है, तब से आर्थिक बोझ ज्यादा बढ़ गया है, हालांकि फ्रीबीज की शुरुआत दक्षिण भारतीय राज्यों द्वारा विशेषकर महिलाओं को मुफ्त साड़ी, कंबल, सिलाई मशीन, मिक्सर, टीवी, साईकिल एवं लैपटॉप द्वारा दी जाने से हुई। लेकिन फिर भी ये प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष तौर पर पूंजीगत व्यय के तहत माना जाता था ताकि वहां की लोकल इण्डस्ट्री को उत्पादन का आर्डर मिलकर, वहीं के लोगों को भी रोजगार के अवसर मिल सकें। लेकिन बदलते समय के साथ वस्तुओं की जगह पैसे बांटने का चलन दुष्प्रभावी हो चुका है। इस परिस्थिति में समय रहते हर राजनीतिक पार्टी को समझना होगा कि देश के विकास के लिए निर्भर महिला वर्ग नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर महिलाओं की संख्या में वृद्धि करनी होगी। समाज में महिलाओं के सामने सबसे बड़ी चुनौती आर्थिक तौर पर सक्षम न होना है। उसके पीछे मुख्य कारण शिक्षा का अभाव व अवसरों का कम होना है। हालांकि स्कूल, कॉलेजों में शैक्षिक माहौल दिया जा रहा है, लेकिन विशेषकर हाई स्किल एजुकेशन में महिलाओं का स्तर बहुत नीचे है। हाल में ही विश्व बैंक की एक रिपोर्ट 'एजुकेशन, सोशल नाम्र्स एंड मैरिज पैनल्टी' के मुताबिक भारत में 13 से 14 प्रतिशत स्किल्ड महिलाएं शादी के बाद जॉब छोड़ देती हैं। जबकि गांव में तो महिलाओं के पास स्किल एजुकेशन के अवसर न के बराबर हैं। हमारे समाज के मूल्य अगर समान अवसर की परिस्थितियां बनाएं तो यकीन मानिए जमीनी स्तर पर मुफ्त की रेवडिय़ां महिला वर्ग को बांटने की नौबत ही नहीं आएगी। इस बात को पुख्ता करने के लिए अभी हाल में ही वल्र्ड इकनॉमिक फोरम ने साल 2024 के लिए ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट प्रकाशित की है। इस रिपोर्ट के मुताबिक भारत 146 देशों में से 129वें स्थान पर है, जिसमें राजनीतिक सशक्तिकरण (77.5 फीसदी), आर्थिक भागीदारी और अवसरों (39.5 फीसदी) के मामलों में लैंगिक अंतराल सबसे ज्यादा है। जमीनी स्तर पर हालात इतने खराब हैं कि देश को पूर्ण लैंगिक समानता हासिल करने में 134 साल लगेंगे।

कुछ अलग

मैनेज करने की कला...

मैनेज करने की कला कई व्यक्तियों में अद्भुत होती है। उसका लोहा मानना पड़ता है। जैसे मैं दीपक जी का मानता हूं। दीपक जी एकदम चलते पुर्जे हैं। बिगड़ा हुआ काम बना दें और बनता हुआ काम बिगाड़ दें, दोनों कलाओं में सिद्धहस्त हैं। मैनेज करने की उनकी कला की ख्याति दूर-दूर तक फैली हुई है। और देखा जाए तो दीपक जी इसी कला से कमा-खा रहे हैं। टिपिकल से टिपिकल व्यक्ति को सांचे में उतार दें। वे साहित्यसेवी भी हैं। एक बार अपनी इसी कला को लेकर मेरे यहां प्रकट हुए। मैं यकायक घबरा सा गया। वे आते ही बोले – 'सर, आप बहुत अच्छा लिखते हैं।' मैं समझ गया दीपक जी सांचे में उतारना शुरू कर रहे हैं। मैं बोला- 'इसमें नया क्या है? वह तो मैं वर्षों से लिख रहा हूं। लेकिन आप बताइए, आपका इरादा क्या है?' वे बोले – 'इरादा क्या, मैं तो आपकी कुशलक्षेम पूछने आ गया था। हां, एक काम जरूर था। वह क्या है, मेरी एक कविता की पुस्तक आई है, मैं चाहता हूं कि उसकी समीक्षा आप लिख दें 'विहान' के लिए।' 'अब आए न असली बात पर यार। भाई समीक्षा तो लिख दूंगा, लेकिन मैं पुस्तक नहीं पढ़ पाऊंगा।' मेरे इस उत्तर से वे प्रसन्न हो गए और बोले – 'सर, मुझे पुस्तक पढ़वानी भी नहीं है। जो मजा पुस्तक को बिना पढ़े लिखी समीक्षा में आएगा, भला पढक़र तो पुस्तक गुड़-गोबर हो जाएगी। इसलिए आपके अवलोकनार्थ एक प्रति लाया हूं। कृपया इसे पढ़े नहीं। बताइए, मैं कब आ जाऊं?' वे पुस्तक-समीक्षा जल्द से जल्द लिखवा लेना चाहते थे। लेकिन मैं भी कम मैनेजर नहीं हूं। मैंने कहा - 'दीपक जी, आप जिस होटल में मैनेजर हैं न, मैं वहां से बीस साल पहले रिटायर हो गया हूं। इसलिए मुझे बनाने की कोशिश न करें। मैं समीक्षा अपनी मर्जी से लिखूंगा।' 'इसका मतलब आप भी मैनेज करने की कला में पारंगत हैं? माफ करना सर, इस नाचीज को भी कम न आंकिए। मैं फ्रीलांस हूं मैनेज करने की कला में। आप तो यह कार्य आवश्यकता पडऩे पर करते हैं, मैं फुलटाइम यही जॉब करता हूं। मुझे पता है आप पहुंचे हुए हैं। आसानी से किसी का काम नहीं करते, लेकिन मैंने आपसे समीक्षा की एक ही झटके में 'हां' करवा ली।' दीपक जी की बात सुनकर मुझे लगा, यह काइयां है- ऐसे नहीं मानेगा। मैंने झट से पैंतरा बदला- 'जाओ भाई, अब मैं आपकी पुस्तक की समीक्षा नहीं लिखूंगा। बताइये अब क्या करोगे?' मेरे इस अप्रत्याशित निर्णय से उनकी आंखें बदल गई और वे बोले -'समीक्षा तो आप और आपकी छाया दोनों लिखेंगे। 'विहान' में छपना आसान नहीं है। एक आर्टिकल के दो हजार मिलते हैं। मैंने संपादक को मैनेज कर लिया है, वह छापने को तैयार है। कहिये लिखेंगे या नहीं?' मैं पारिश्रमिक की दरें सुनकर ठंडा पड़ गया। धीरे से बोला-''विहान' ने कब से बढ़ाया पारिश्रमिक। पहले तो दो सौ रुपए देती थी।' वे बोले-'आप चालीस साल पहले की बात कर रहे हैं।' 'विहान' का सर्कुलेशन तीन लाख है। एक आर्टिकल से आदमी मैंगो मैन तक पहुंच जाता है।' मैंने कहा -'तो छोड़ जाइये पुस्तक, मैं एक वीक में लिख दूंगा।' दीपक जी ने पुस्तक थमाई और चलते बने। मैं फिर उनका लोहा मान गया कि वे साम, दाम, दंड और भेद कैसे भी करके मैनेज कर ही लेते हैं। आजकल यह कला खूब चल रही है और हजारों लोग इसी से कमा-खा रहे हैं। मैंने दीपक जी की मैनेज करने की कला को प्रणाम किया तथा तत्काल पुस्तक समीक्षा लिखने बैठ गया।

देश दुनीया से

औरंगजेब को जिंदा करने की कोशिश

औरंगजेब को मरे अरसा हो गया। विदेश के जिन हुक्मरानों ने हिंदुस्तान पर राज किया, उनमें से सबसे ज्यादा निकृष्ट, अत्याचारी और कट्टर औरंगजेब को ही माना जाता है। यहां तक कि उसने अपने तमाम भाइयों को मरवा दिया। दारा शिकोह, जो इस्लाम के भारतीयकरण का हिमायती था, को तो गंदे कपड़े पहना कर उसको हाथी पर बिठा कर दिल्ली की गलियों में उसका जुलूस निकाला गया और फिर उसका सिर कलम करके औरंगजेब ने अपने बाप शाहजहां को तोहफे में दिया। इतना ही नहीं, दारा शिकोह के बेटे को भी मरवाया। अपने बाप को नजरबंद किया। नवम गुरु श्री तेग बहादुर जी को दिल्ली में शहीद किया। उस औरंगजेब की सल्तनत को शिवाजी महाराज ने दक्षिण में चुनौती ही नहीं दी, बल्कि महाराष्ट्र में हिंदी साम्राज्य की स्थापना की। औरंगजेब ने शिवाजी के पुत्र संभा जी महाराज को बहुत ही पाशविक तरीके से शहीद किया। औरंगजेब के प्रति हिंदुस्तान के लोगों में कितना क्रोध है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि पंजाब के पुआध इलाके के आनंदपुर साहिब में होला मोहल्ला के अवसर पर आज भी लाखों लोग जुटते हैं और वहां खालसा पंथ के प्रतीक निहंग जमीन पर दो ईंटें रख लेते हैं और उसे औरंगजेब की कब्र का प्रतीक मान कर उस पर निरंतर जूते मारते हैं। महाराष्ट्र में अभी पिछले दिनों शिवाजी महाराज और संभा जी महाराज के इतिहास को लेकर 'छावा' नाम की फिल्म चल रही है। लोग औरंगजेब के अत्याचारों को देख कर भावुक हो रहे हैं। जाहिर है उनके निशाने पर औरंगजेब ही है। लोग औरंगजेब को और भी गहरी कब्र में गाडऩा चाहते हैं, ताकि भारत में कभी उसका भूत भी न आ सके। लेकिन समाजवादी पार्टी लोगों की इस भावना से सहमत नहीं है। वह औरंगजेब को पुनः जिंदा करना चाहती है। यह जिम्मेदारी समाजवादी पार्टी के महाराष्ट्र में सिपाहसलार अबू आजमी ने उठाया। हो सकता है यह जिम्मेदारी उसको पार्टी ने ही सौंपी हो। लेकिन यह पार्टी का अंदरूनी मामला है। मुख्य मुद्दा है औरंगजेब। अबू आजमी मरे हुए औरंगजेब को ही हिंदुस्तान का हीरो देखना चाहती है। इसलिए अब आजमी ने महाराष्ट्र की शिवाजी वाली धरती से औरंगजेब के कसीदे पढऩे शुरू कर दिए। उसका कहना है कि इस प्रकार का बादशाह हिंदुस्तान के इतिहास में आज तक नहीं हुआ है। हिंदुस्तान में औरंगजेब को नायक कौन बनाना चाहते हैं? अबू आजमी ने इसका भी जवाब दिया। उसने कहा मैं तो औरंगजेब के बारे में कुछ नहीं जानता। उसके बारे में मैंने जो किताबों में पढ़ा है, मैं तो उसी औरंगजेब की तारीफ कर रहा था। अबू आजमी की बात सही है। लेकिन औरंगजेब को महिमामंडित करने वाली किताबें किसने लिखी हैं? दिल्ली में औरंगजेब रोड किसने बनवाया है? भारत में यह काम सैयदों का किया धरा है। यह संयोग तो नहीं कहा जा सकता कि अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय खोलने वाला भी सैयद था और हिंदुस्तान का पहला शिक्षा मंत्री भी सैयद था। कांग्रेस के राज में शुरुआती दौर में जितने शिक्षा मंत्री हुए, उनमें अधिकांश या तो सैयद थे या उन सैयदों के चेले। अबू आजमी जानते हैं कि सैयदों या उनके चेलों ने ही औरंगजेब को महिमामंडित करने का काम किया है, जिसको अबू आजमी आगे बढ़ा रहे हैं। लेकिन केवल सैयदों को पकडऩे से काम नहीं चलेगा। कांग्रेस में सैयद घुस गए थे और वे अपना काम कर रहे थे, लेकिन कांग्रेस ने अपने कुछ दूसरे कारकून भी इस काम में लगा दिए थे। उनमें सबसे बड़े थे बीडी शर्मा। शर्मा ने तो औरंगजेब की स्तुति में एक पूरी किताब ही लिख दी थी। शर्मा का कहना था कि औरंगजेब ने काशी का विश्वनाथ मंदिर इसलिए गिरवा दिया था, क्योंकि वहीं औरतों से बलात्कार होता था। कांग्रेस ने इस मौलिक खोज से खुश होकर उसको ओडिशा का राज्यपाल बना दिया था। ये लोग जो आज भी सब काम छोडक़र औरंगजेब को जिंदा करने के काम में जी-जान से लगे हुए हैं, उनके पास इसके प्रमाण क्या हैं? इनको देख लेना जरूरी है। सैयदों का कहना है कि इतना बड़ा बादशाह होने के बावजूद औरंगजेब टोपियां बुना करता था। उन टोपियों से वह अपने परिवार का गुजारा किया करता था। सैयदों को लगता है कि औरंगजेब की इन हरकतों से हिंदुस्तान के देसी मुसलमान, जिन्हें वे पसमांदा मुसलमान कहते हैं, औरंगजेब की कब्र के आगे अपने आप ही सिजदा करना शुरू कर देंगे। लेकिन इस पूरे विवाद का

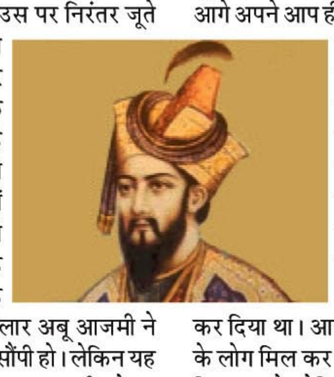

एक दूसरा पक्ष भी है। औरंगजेब अच्छा बादशाह था या बुरा बादशाह था, इसको थोड़ी देर के लिए स्थगित कर दिया जाए, तो इस बात में तो कोई शक नहीं है कि मुगल वंश हिंदुस्तान में मध्य एशिया से आया हुआ एक विदेशी राजवंश था, जिसने हिंदुस्तान को गुलाम बना लिया था। प्रश्न उसके अच्छे-बुरे का नहीं है, प्रश्न है एक विदेशी बादशाह को भारत में से उखाडऩा। मुगलों की हुकूमत को शिवाजी मराठा, गुरु गोविंद सिंह, महाराणा प्रताप और लचित बुरफोकन ने मिलकर एक समय जर्जर कर दिया था। आज इक्कीसवीं शताब्दी में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के लोग मिल कर भी मुगल वंश के वारिसों को भारत की गद्दी पर तो नहीं बिठा सकते, लेकिन उस वंश के रहबर औरंगजेब को भारत के इतिहास में नायक के तौर पर स्थापित कर ही सकते हैं। अबू आजमी पार्टी के आदेश पर इसी काम के लिए घर से निकले थे। लेकिन बुरे फंस गए। न अब खाते बनता है और न ही उगलते बनता है। इस मसले पर महाराष्ट्र के साथ-साथ कई अन्य राज्यों में भी उबाल आ गया है। उत्तर प्रदेश की ही बात करें, तो इस मसले पर वहां के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चेतावनी के लहजे में कहा है कि इस तरह के लोगों को सीधे करने के लिए उत्तर प्रदेश भेजा जाना चाहिए। यह मसला भारत में सांप्रदायिक तनाव का कारण नहीं बनना चाहिए, इस दिशा में काम होना चाहिए। जो ताकतें भारत में शांति और विकास की पक्षधर हैं, उन्हें एकजुट होकर देश को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में काम करना चाहिए। इस मसले पर जनमत बंटा हो सकता है, किंतु भारत को सशक्त करना सभी भारतीयों का लक्ष्य होना चाहिए और उसी दिशा में काम हो।

आप का नजरीया

इतिहास के छिलके

करीब 300 साल पुराना इतिहास आज प्रासंगिक कैसे हो सकता है? यदि इतिहास प्रासंगिक नहीं है, तो तत्कालीन बादशाहों, आक्रांताओं, तानाशाहों की चर्चा भी क्यों की जाए? आज हम एक स्वतंत्र, लोकतांत्रिक और संप्रभु राष्ट्र के नागरिक हैं, तो उस अतीत की चर्चा भी क्यों की जाए, जिसका इतिहास दुराग्रह और झूठ की सोच से लिखा गया हो? भारत की विडंबना यह है कि यहां की लोकतांत्रिक राजनीति लगभग दोफाड़ है। एक तरफ भाजपा और उसके सहयोगी दल तथा दूसरी तरफ भाजपा-विरोधी जमात। ऐसी स्थिति में बाबर, अकबर, औरंगजेब सरीखे मुगल बादशाह भी उस सियासत के कथित आदर्श हैं, जो वैचारिक तौर पर भाजपा-विरोधी है। हालांकि समकालीन इतिहास, घटनाक्रम और जनमत से स्पष्ट है कि बहुधा मुसलमान इन बादशाहों को न तो अपना आदर्श मानते हैं और न ही इनके नाम पर वोट देते हैं। अलबत्ता औरंगजेब की समर्थक एक जमात हमारे देश में सक्रिय भी है और वह पढ़ी-लिखी, जागरूक जमात है, लेकिन क्या करें, वह दक्षिणपंथी राजनीति की घोर विरोधी है, लिहाजा औरंगजेब भी उसे प्रिय लगता है। फिलहाल प्रसंग महाराष्ट्र समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष एवं विधायक अबु आजमी का है। उन्होंने औरंगजेब को उदार और महान बादशाह माना है। संविधान में दिए गए 'अभिव्यक्ति की आजादी' के मौलिक अधिकार को न तो कवच बनाया जाए और न ही उसकी गलत व्याख्या स्वीकार्य है। चूंकि अबु आजमी को सदन से निलंबित करने का आग्रह उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का था और लगभग पूरा सदन समर्थन में था, बेशक कांग्रेसी चेहरे खामोश थे, लिहाजा आजमी को पूरे बजट सत्र के लिए सदन से निलंबित कर दिया गया। शिवसेना के उद्धव ठाकरे ने तो अबु आजमी की सदस्यता स्थायी रूप से खत्म करने की मांग की है। उद्धव और सपा तो विपक्षी गठबंधन के साथी हैं। यह कैसा गठबंधन है! बहरहाल विधानसभा स्पीकर के विशेषाधिकार पर संवैधानिक प्रावधान भी हैं और सर्वोच्च अदालत के फैसले भी हैं कि यदि किसी सदस्य ने सदन के बाहर कुछ आपत्तिजनक बयान दिया है अथवा गतिविधि की है, तो उसे निलंबित नहीं किया जा सकता। निर्वाचित सदस्य का सदन में उपस्थित रहना उसका भी विशेषाधिकार है, लेकिन हमारे विश्लेषण का विषय यह नहीं है। चूंकि सपा नेता ने जिस तरह औरंगजेब का महिमामंडन किया है, वह महाराष्ट्र से निकल कर उप्र, बिहार और देश के अन्य हिस्सों का भी मुद्दा बन गया है, लिहाजा हमारे लिए भी यह सवालिया है कि औरंगजेब को उदार और महान बादशाह किस आधार पर माना जाए? अबु भाजपाधर्मी राजनीति के घोर विरोधी नेता माने जाते हैं। क्या इसी आधार पर किसी बादशाह को उदारवादी, मानवीय, मंदिर-निर्माता आंका जा सकता है? औरंगजेब ने अपने पिता बादशाह शाहजहां को आगरा किले में कैद करवा दिया था और उन्हें बूंद-बूंद पानी के लिए तरसा दिया था। शाहजहां ने अपनी आत्मकथा में लिखा था कि हे खुदा! ऐसा कमबख्त बेटा किसी घर में पैदा न करना।'' यही नहीं, औरंगजेब ने अपने सगे भाई दारा शिकोह को पिंजरे में कैद कर दिल्ली के चांदनी चौक में घुमाया था। उसके अत्याचारों की दास्ताना लंबी है। महिमामंडन ठीक नहीं।

महिलाओं का विकसित भारत-विकसित राजस्थान बनाने में महत्वपूर्ण योगदान : मुख्यमंत्री

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि महिलाओं का विकसित भारत-विकसित राजस्थान बनाने में महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि महिलाएं राजनीति, कला, खेल, शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा सहित हर मोर्चे पर अपने उत्कृष्ट कार्यों से देश और प्रदेश को गौरवान्वित कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने मातृशक्ति का आह्वान किया कि अंतिम पंक्ति पर खड़ी जरूरतमंद महिलाओं को मुख्य धारा में लाने के लिए मिलकर प्रयास करें और देश-प्रदेश को सशक्त बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। शर्मा शनिवार को बिड़ला सभागार में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित राज्य स्तरीय महिला सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महिलाएं त्याग, करुणा, स्नेह, धैर्य, सहनशीलता, संवेदनशीलता, सौम्यता, विनम्रता, वीरता, सहानुभूति जैसे अनेक गुणों की प्रतिमूर्ति होती हैं। यह दिन मातृशक्ति के योगदान को सम्मान देने का अवसर तथा हर क्षेत्र में महिलाओं की शानदार उपलब्धियों पर गर्व करने का दिन है। उन्होंने कहा कि हर बच्चे के लिए उसकी मां ही उसकी प्रथम गुरु होती है तथा व्यक्ति को सुशिक्षित एवं सभ्य बनाने में नारी का बहुत बड़ा योगदान होता है। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति में नारी को हमेशा सम्मान दिया गया है। हमारे शास्त्रों में भी कहा गया है कि जहां नारी की पूजा की जाती है वहां देवता निवास करते हैं। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर लाडो प्रोत्साहन योजना के माध्यम से गरीब परिवारों की बालिकाओं के जन्म पर दिए जा रहे एक लाख रुपए के सेविंग बांड की राशि को बढ़ाकर एक लाख 50 हजार रुपए करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फैसलों से देश में महिलाएं सशक्त तथा आत्मनिर्भर बन रही हैं। इसी कड़ी में आज के दिन प्रधानमंत्री के डिजिटल सोशल मीडिया अकाउंट की जिम्मेदारी भी नारी शक्ति को ही सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने जहां घर-घर में शौचालय बनवाकर नारी शक्ति को उचित सम्मान दिया वहीं, उज्ज्वला योजना से हर घर तक रसोई गैस सिलेंडर पहुंचाया। हमारी सरकार भी 450 रुपए में रसोई गैस सिलेंडर देने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने आधी आबादी की उन्नति और प्रगति के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित करवाया जिससे महिलाओं के लिए लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 33 फीसदी आरक्षण का मार्ग प्रशस्त हुआ है। शर्मा ने कहा कि प्रदेश में हमारी सरकार महिलाओं के कल्याण और हितों के लिए काम कर रही है। राज्य सरकार द्वारा लखपति दीदी योजना के तहत तीन लाख से ज्यादा महिलाएं लाभान्वित हो रही हैं। साथ ही, मातृवंदन योजना से करीब पांच लाख महिलाएं लाभान्वित हुई हैं। राज्य सरकार द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं तथा साथिन बहनों के मानदेय में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के तहत 10 हजार से अधिक ग्राम पंचायतों पर पौधारोपण जैसे कार्य किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हम सबके लिए गौरव की बात है कि देश और प्रदेश दोनों का बजट महिलाओं ने ही पेश किया है। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि समाज में महिलाओं के लिए अवसरों में समानता निरंतर बढ़ रही है। आज महिलाओं की स्टार्ट-अप, व्यवसाय, कला, पर्यटन, खेल, मीडिया सहित सभी क्षेत्रों में भागीदारी में वृद्धि हुई है। इस आधी आबादी में निर्णय लेने की गजब क्षमता होती है जिससे परिवार, देश, समाज आगे बढ़ता है।

महिला सशक्तिकरण की जिम्मेदारी खुद महिलाएं संभालें : कविता जैन

सोनीपत (हिंस)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री कविता जैन ने महिलाओं को बधाई देते हुए जोर देकर कहा कि महिला सशक्तिकरण की जिम्मेदारी खुद महिलाओं को उठानी होगी। उन्होंने कहा कि महिलाओं को एकजुट होकर अपने अधिकारों और प्रगति के लिए प्रयास करने होंगे। आज महिलाएं सशक्त हैं और निरंतर मजबूती के साथ आगे बढ़ रही हैं, लेकिन अब भी कुछ क्षेत्रों में सशक्तिकरण की जरूरत है, जिसके लिए महिलाओं को ही पहल करनी होगी। शनिवार को जटवाड़ा स्थित स्वास्तिक कॉन्वेंट स्कूल में आयोजित एक कार्यक्रम में महिलाओं को संबोधित करते हुए कविता जैन ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी लोगों की मानसिकता को बदलने की आवश्यकता है। कई जगहों पर आज भी महिला-पुरुष के बीच भेदभाव किया जाता है और लड़कियों को लड़कों के समान अवसर नहीं मिलते। इस भेदभाव को जड़ से समाप्त करना बेहद जरूरी है। महिलाओं ने हर क्षेत्र में अपनी काबिलियत साबित की है।

बीएसएफ डीआईजी इंटेलिजेंस विदुर भारद्वाज ने किया सीमावर्ती लोगों के साथ संवाद

बीकानेर (हिंस)। सीमा सुरक्षा बल डीआईजी इंटेलिजेंस ब्रांच जोधपुर विदुर भारद्वाज सीमावर्ती क्षेत्र के गांव 13 एम डी पहुंचे। जहां उन्होंने सरपंच लखविंदर सिंह और ग्रामीणों के साथ संवाद किया। इस दौरान उन्होंने बीकानेर से सटी अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर मादक पदार्थों की बढ़ती हुए तस्करी की घटनाओं और बढ़ती हुई ड्रोन गतिविधियों पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि हाल ही में मादक पदार्थों की तस्करी की घटनाएं बीकानेर क्षेत्र में बढ़ती जा रही है, नशा एक भयंकर बीमारी की तरह है जो हमारी युवा पीढ़ी को बर्बाद कर रहा है। युवा पीढ़ी हमारे देश का भविष्य है इसलिए हम सभी का यह कर्तव्य है कि हम सभी नशे के खिलाफ इकट्ठे होकर लड़े ताकि देश के भविष्य को इससे बचाया जा सके। उन्होंने बताया कि अगर आपके क्षेत्र में कोई संदिग्ध व्यक्ति दिखाई देता है तो तुरंत बीएसएफ को सूचित करें ताकि उस पर उचित कार्रवाई की जा सके। इसके अलावा उन्होंने सोशल मीडिया और साइबर फ्रॉड के बारे में भी ग्रामीणों को जागरूक किया। इस दौरान इंटेलिजेंस ब्रांच बीकानेर के उप कमांडेंट महेश चंद जाट भी उनके साथ उपस्थित रहे।

हरियाणा अकाली दल प्रदेश अध्यक्ष ने दिया पद से इस्तीफा

कैथल (हिंस)। शिरोमणि अकाली दल के प्रदेश अध्यक्ष सरदार शरणजीत सिंह सौंथा ने अपनी समस्त टीम के साथ शिरोमणि अकाली दल प्रदेश अध्यक्ष के पद से इस्तीफा दे दिया द्य शनिशार को स्थानीय नीम साहिब गुरुद्वारे में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया कि अकाल तख्त की कमेटी ने तीन जत्थेदार साथियों को बेवजह बर्खास्त कर दिया है। जिससे खिन्न होकर उन्होंने अपनी टीम के साथ इस्तीफा देने का निर्णय लिया हैद्य पत्रकारों को संबोधित करते हुए सौंथा ने बताया कि उन्होंने लिखित में अभी तक कोई इस्तीफा नहीं दिया है लेकिन मौखिक तौर पर उन्होंने इस्तीफा देने की बात जरूर की है। उन्होंने कहा कि अभी जिला अध्यक्ष सतपाल मांडी ने भी अपना इस्तीफा दे दियाहै। शरणजीत सौथा व महासचिव सुखबीर मांडी ने कहा कि शिरोमणि कमेटी में बादल परिवार की एकतरफा सोच उनकी समझ से परे है। बिना कारण किसी भी पदाधिकारी या सदस्य को हटा दिया जाता है। यह सही नहीं है। किसी को कार्यकारिणी से हटाने से पहले उसे स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। साथ में दूसरे पदाधिकारियों को भी बताना चाहिए, जबकि ऐसा कुछ भी नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि अब आगे का फैसला आगामी बैठक कर लिया जाएगा। इसके लिए हरियाणा में प्रदेश स्तर की बैठक की जाएगी।

अधिवक्ता की मौत पर आक्रोशित वकीलों ने कराया अजमेर बंद

अजमेर (हिंस)। पुष्कर के वकील पुरुषोत्तम जाखेटिया की हत्या के विरोध में आठ मार्च को अजमेर शहर सहित जिले के पुष्कर, नसीराबाद, केकड़ी, ब्यावर आदि शहर बंद रहे। जाखेटिया की मौत सात मार्च को इलाज के दौरान अजमेर के जेएलएन अस्पताल में हो गई थी। दो मार्च की रात को जाखेटिया ने पुष्कर में अपने निवास के बाहर बज रहे डीजे का विरोध किया था। इस विरोध से गुस्साए युवकों ने वकील जाखेटिया को इतना बुरी तरह पीटा की 7 मार्च को उनकी मौत हो गई। पुष्कर पुलिस ने इस मामले में अब तक कुल दस हमलावरों को पकड़ लिया है फिर भी कहते हैं कि मुख्य आरोपी फरार हैं। वकीलों ने बंद को लेकर सुबह से ही शहर में गश्त शुरू कर दी थी। दूध डेयरी भी बंद करा दी गई। वकील सामूहिक रूप से हाथों में लाठी लेकर भी निकले। अजमेर के सिटी स्क्वायॅर मॉल, मिराज मॉल और अन्य बाजारों में वकीलों ने जमकर तोड़फोड़ की। पुरानी आनासागर चौपाटी के सामने एक प्रतिष्ठान के बाहर मोबाइल से वीडियो बनाने को लेकर कहा सुनी होने पर वकीलों ने युवक को पीट दिया। इसके बाद इतना हंगामा बरपा कि पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा, कलक्टर अजमेर लोक बंधु को भी मौके पर आना पड़ा। इसके अलावा अजमेर के स्टेशन रोड, पड़ाव सब्जीमंडी, नयाबाजार, दरगाह बाजार, धानमंडी आदि विभिन्न इलाकों में वकीलों ने ठेलों से सामान उलट दिए तो दुकानों को जबरन बंद कराया। कुछ एक जगह शराब के ठेके पर जहां लोग मौके पर खड़े शराब पीते देखे गए बंद समर्थक वकीलों ने दुकान पर तोड़फोड़ कर दी और ठेके के सेल्समैन के साथ मारपीट भी की और उसे पकड़ कर घसीटा जिसे बाद में पुलिस ने सुरक्षित बचा कर अपनी गाड़ी में बैठाया। रामगंज पुलिस थाना क्षेत्र में वकीलों ने टैंपों में बैठी सवारियों को उतरवा दिया। सब्जी मंडी की दुकाने बंद करा दी और तोड़फोड़ भी की। पुलिस कर्मियों ने जहां भी वकीलों को रोकने की कोशिश की वहां उन्हें धक्का मुक्की व झड़प की गई। गौरतलब है कि अजमेर जिले में पिछले एक मार्च को भी बिजयनगर नाबालिग छात्राओं के साथ दुष्कर्म व ब्लैकमेल कांड के विरोध में बंद का किया गया था। इस स्थिति से जल्दी ही दो चार हुई आम जनता को शनिवार को अजमेर बंद नागवार गुजरा। आमजन का कहना रहा कि पुलिस और कानून का काम बंद कराने से बाधित ही होगा।

सोनीपत में बांग्लादेशी व रोहिंग्या के खिलाफ हो कार्रवाई

सोनीपत (हिंस)। अखंड हिंदू स्वाभिमान के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष राई ने सोनीपत के पटेल नगर में एक हिंदू परिवार पर हुए हमले को लेकर गहरी नाराजगी जताई है। उन्होंने शनिवार को पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उन्हें हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर संगठन के जिला अध्यक्ष महेश बारोटा सहित अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। मनीष राई ने बताया कि खान कॉलोनी के कुछ लोगों ने हिंदू परिवार पर जानलेवा हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल करने का प्रयास किया। घटना के समय मौके पर जुटी भीड़ की सतर्कता से इस परिवार की जान बच सकी। उन्होंने इस घटना को सांप्रदायिक तनाव बढ़ाने की कोशिश करार दिया और प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की।

सीएम ने लगाई आईपीएस की क्लास, बोले...जब तक कार्यक्रम में हूं यहीं रहना

रोहतक (हिंस)। शनिवार को बाबा मस्तनाथ मठ में आयोजित कार्यक्रम के बाद जब सीएम से मिलने फरियादी आएं तो मौके पर सीएम को ड्यूटी में तैनात आईपीएस अधिकारी नजर नहीं है। सीएम ने पूछा तो अधिकारियों के होश पख्ता हो गए और बाद में आईपीएस अधिकारी मौके पर पहुंचा तो सीएम ने उन्हें कहा कि जब तक कार्यक्रम में हूं, तुम्हें यहीं रहना है। इसी दौरान कांग्रेस नेत्री हिमानी नरवाल के परिजन भी सीएम से मिले और निष्पक्ष जांच करवाने की मांग की। सीएम ने पुलिस अधिकारियों से कहा कि परिजनों की संतुष्ठि की जाए और जरुरत हो तो उन्हें सुरक्षा भी दी जाए। सीएम ने कहा मामले में दूध का दूध और पानी का पानी होना चाहिए। शनिवार को सीएम बाबा मस्तनाथ मठ में आयोजित कार्यक्रम के बाद निकले तो इसी दौरान कुछ फरियादी सीएम के सामने अपनी शिकायत लेकर आएं। शिकायत पुलिस से संबंधित थी, जिसपर ड्यूटी पर तैनात आईपीएस अधिकारी के बारे में पूछा तो वह मौके पर नहीं मिले, जिस पर सीएम नाराज हो गए। कुछ समय बाद जब आईपीएस अधिकारी सीएम के पास पहुंचे तो सीएम ने पूछा कहां थे, और उन्हें यह भी कहा कि जब तक मैं यहां हूं तुम्हें कहीं नहीं जाना है। बताया जा रहा है कि इस बारे में सीएम ने आलाधिकारियों से भी जवाब मांगा है। हिमानी नरवाल की मां सविता ने सीएम से मिलकर नए सिरे से जांच की मांग की। सविता नरवाल ने कहा कि हिमानी हत्याकांड में पुलिस कुछ लोगों को बचा रही है और सही तरीके से जांच नहीं कर रही है। जिस पर सीएम ने साफ कहा कि पूरी तरह से निष्पक्ष जांच की जाए और पीड़ित पक्ष को पूरी तरह से संतुष्ठ किया जाए।

डंपर ने चार लोगों को कुचला, तीन की मौत

बाड़मेर (हिंस)। जिले के धोरीमन्ना थाने के लूखू भाखरी गांव के पास शुक्रवार रात पत्थरों से भरे डंपर ने सड़क किनारे चल रहे चार लोगों को कुचल दिया। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। इनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे में जान गंवाने वाले पति-पत्नी और पोता है। गुड़ामालानी डीएसपी सुखराम विश्नोई ने बताया कि जहां ये हादसा हुआ वह नेशनल हाईवे-68 है, जो कांडला पोर्ट से पंजाब की तरफ जाता है। लुखु भाखरी गांव के पास ही इन लोगों का खेत है। ये सभी किसान परिवार से है। रात को ये खेत से घर की तरफ जा रहे थे। इसी दौरान पत्थर से भरे डंपर ने नाथाराम पुत्र कानाराम (65), टिमू देवी पत्नी नाथाराम (60) और इनके 10 साल के पोते नरेश को कुचल दिया। हादसा घर से 100 मीटर की दूरी पर हुआ। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। नेशनल हाईवे पर जाम लग गया। वहीं शव सड़क पर बिखर गए थे। हादसे के बाद गांव के लोग मौके पर पहुंचे। आक्रोशित लोगों ने हाईवे पर जाम लगा दिया। डीएसपी सुखराम विश्नोई और थानाधिकारी बगडुराम लोगों से समझाइश करने पहुंचे। हादसे के बाद डंपर ड्राइवर पास के पेट्रोल पंप पहुंचा और वहां उसे खड़ा कर फरार हो गया।

आईफा अवाड्र्स के लिए बॉलीवुड के कई नामी सितारों का जयपुर में जमावड़ा

जयपुर (हिंस)। इंटरनेशनल इंडियन फिल्म एकेडमी (आईफा) का दो दिवसीय अवाड्र्स कार्यक्रम जयपुर में शनिवार से होगा। सीतापुरा स्थित जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर में आठ और नौ मार्च को कई कार्यक्रम होंगे। इसके लिए बॉलीवुड के कई नामी सितारे जयपुर पहुंच गए हैं। इस इवेंट में शामिल होने के लिए शाहरुख खान समेत बॉलीवुड के कई बड़े सितारे जयपुर पहुंच चुके हैं। शनिवार को एक्ट्रेस करीना कपूर खान भी जयपुर पहुंची। वहीं, ओटीटी के कई बड़े चेहरे जयपुर पहुंचे। वेब सीरीज पंचायत के सचिवजी जितेंद्र कुमार, पाताललोक वेब सीरीज में चर्चा में आए जयदीप अहलावत और मिर्जापुर के गुड्डू भैया यानी अली फजल भी जयपुर पहुंच चुके हैं। इससे पहले शुक्रवार को शाहरुख खान से लेकर एक्टर कार्तिक आर्यन, बोमन ईरानी, प्रोड्यूसर एकता कपूर, करिश्मा तन्ना, श्रेया घोषाल, नोरा फतेही सहित कई बड़े सितारे जयपुर पहुंचे। देर रात बॉबी देओल, जयदीप अहलावत, अली फजल एयरपोर्ट पहुंचे। शाहरुख ने एयरपोर्ट से कार में बैठने के दौरान फ्लाइंग किस देकर फैंस का अभिवादन किया। शाहरुख तीन दिन जयपुर में रहेंगे। वे नौ मार्च को अवाड्र्स में परफॉर्मेंस देंगे। आईफा अवार्ड समारोह के तहत *शोले* और *राजमंदिर सिनेमा* के 50 साल पूरे होने का जश्न मनाया जाएगा।

जू-सफारी के बर्ड एवियरी से पक्षियों के संरक्षण को मिलेगा बढ़ावा : नीतीश कुमार

मुख्यमंत्री ने राजगीर जू-सफारी में नवनिर्मित बर्ड एवियरी का किया लोकार्पण

पटना (हिंस)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री ने कहा कि राजगीर जू-सफारी में बर्ड एवियरी को लगभग एक एकड़ क्षेत्र में बनाया गया है, जहां रंग-बिरंगे पक्षियों को रखा जा रहा है। बर्ड एवियरी को एक खुली जगह में बनाया गया है, जिसके अंदर पेड़-पौधे और पानी का स्रोत है, इसमें पक्षी आराम से रह सकेंगे। यहां घूमने आने वाले लोग खासकर बच्चों को पक्षियों के बारे में जानकारी मिलेगी, साथ ही इससे पक्षियों के संरक्षण को बढ़ावा भी मिलेगा। यह बर्ड एवियरी पक्षियों के लिए बेहतर आश्रय स्थल बना है। मुख्यमंत्री शनिवार ने नालंदा जिले के राजगीर जू-सफारी में नवनिर्मित बर्ड एवियरी का लोकार्पण कियो। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बर्ड एवियरी का जायजा लिया। कहा कि राजगीर जू-सफारी के अंतर्गत पक्षियों के आश्रय के लिए उनके अनुकूल वातावरण के अनुसार जगह बनाई गई है, जिसे बर्ड एवियरी (चिड़ियों का आवास) कहा जाता है। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने जू-सफारी स्थित वन्य जीव अस्पताल निरीक्षण किया और वन्य जीवों की चिकित्सा संबंधी विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने वहां दो छोटे शावकों द्वारा अठखेलियां करते हुए दृश्य का अवलोकन किया और आनंदित हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन शावकों तथा जू-सफारी के सभी जीवों का बेहतर ढंग से देखभाल करें और उनकी सुविधाओं का ख्याल रखें। उल्लेखनीय है कि राजगीर के जू-सफारी में पांच तरह के जानवर बाघ, शेर, तेंदुआ, भालू तथा हिरण को रखा गया है। यह देश का सबसे अच्छा जू-सफारी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा वर्ष 2021 में राजगीर जू-सफारी का उद्घाटन किया गया था। उसके बाद से प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में लोग यहां घूमने आ रहे हैं और इसका आनंद उठा रहे हैं।

एटीएस ने हिजबुल मुजाहिदीन के संदिग्ध आतंकी को जम्मू-कश्मीर से किया गिरफ्तार

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश के आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) की सहारनपुर की टीम ने मुरादाबाद पुलिस के सहयोग से 25 हजार के इनामी संदिग्ध आतंकी उल्फत हुसैन को जम्मू-कश्मीर से गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया संदिग्ध आतंकी हिजबुल मुजाहिद्दीन संगठन से जुड़ा हुआ है। इससे पूर्व मुरादाबाद में उसे एके-56 के साथ गिरफ्तार किया गया था, लेकिन वर्ष 2007 में जमानत मिलने के बाद फरार हो गया था। एटीएस ने शनिवार को विज्ञप्ति जारी कर बताया कि संदिग्ध आतंकी उल्फत हुसैन उर्फ मोहम्मद सैफुल इस्लाम उर्फ अफजाल उर्फ परवेज उर्फ हुसैन मलिक जम्मू-कश्मीर के पुंछ के ग्राम फजलाबाद का रहने वाला है। उल्फत हुसैन ने वर्ष 1999 से 2000 तक पाक अधिकृत जम्मू-कश्मीर पीओके में ट्रेनिग प्राप्त की। वह पाक अधिकृत जम्मू-कश्मीर से ट्रेनिग करने के उपरान्त मुरादाबाद आया था और किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के प्रयास में था। एटीएस को जानकारी मिली थी कि मुरादाबाद जिले में उल्फत हुसैन राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में संलिप्त रहा है। एटीएस ने उसे नौ जुलाई 2001 को मुरादाबाद के कटघर थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया था। उसके पास से एक एके-47 और एक एके-56, दो पिस्टल 30 बोर 12 हैंड ग्रेनेड और 39 टाइमर, 50 डेटोनेटर, 37 बैट्री, 29 किलो विस्फोटक पदार्थ, 560 जिंदा कारतूस के साथ आठ मैगजीन बरामदगी की गई थीं। इस मामले में वह वर्ष 2007 में जमानत पर वह जेल से रिहा हो गया था। उसके बाद अदालत में किसी भी तारीख पर हाजिर नहीं हुआ। अदालत ने दोबारा गिरफ्तारी वारंट जारी किया, लेकिन वह पुलिस के हत्थे चढ़ने के बजाय वह फरार हो गया था। तभी से वह फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित था।

अतिक्रमण हटाने के दौरान फल व्यवसायी की मौत, आगजनी कर लोगों ने किया प्रदर्शन

भागलपुर (हिंस)। जिले में जोगसर थाना क्षेत्र के घंटाघर चौक पर शनिवार को पुलिस द्वारा अतिक्रमण हटाने के दौरान फल व्यवसायी महेन्द्र साह की मौत हो गई। जिसके बाद वहां का माहौल काफी तनावपूर्ण हो गया। फल व्यसायी की मौत से वहां के दुकानदारों और लोगों का गुस्सा भड़क गया। इस दौरान आक्रोशित लोगों ने बीच सड़क पर टायर जलाकर पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए सड़क जाम कर दिया। उल्लेखनीय है कि आज नगर निगम और पुलिस प्रशासन की टीम घंटाघर चौक पर अतिक्रमण हटाने पहुंची थी। उन्होंने सभी दुकानदारों को सड़क से अपनी दुकानें हटाने का आदेश दिया। जब दुकानदार अपनी दुकानें हटा रहे थे, तभी महेंद्र साह को दिल का दौरा पड़ा और वो गिर गए। जिसके बाद महेंद्र साह को अस्पताल ले जाने के लिए गाड़ी में बैठाया गया। लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। जिसके बाद सभी दुकानदार आक्रोशित हो गए। आक्रोशित लोगों ने मृतक के शव को घंटाघर चौक पर रखकर पुलिस प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन शुरू कर दिया और सड़क जाम कर दिया। इस दौरान कई जगहों पर टायर जलाकर आगजनी भी की गई। दुकानदारों ने पुलिस की कार्रवाई को गलत बताया और न्याय की मांग की। उधर घटना की जानकारी मिलने के बाद काफी संख्या में अधिकारी और पुलिस मौके पर पहुंची और आक्रोशित लोगों को समझाने में लगे गई। घंटाघर चौक के आसपास कई घंटे तक अफरा तफरी का माहौल बना रहा।

दिल्ली से सटे राजेंद्र नगर के पते पर बना था बब्बर खालसा के संदिग्ध आतंकी फर्जी आधार कार्ड

गाजियाबाद (हिंस)। गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश एसटीएफ द्वारा छह मार्च को गिरफ्तार किए गए बब्बर खालसा के संदिग्ध आतंकी लजर मसीह का आधार कार्ड गाजियाबाद जिले के दिल्ली से सटे राजेंद्र नगर के बी-55 पर पते पर बना था। इस मकान पर शर्मा सदन लिखा है। यह मकान नरेंद्र शर्मा का है जो आईटी कंपनी में कार्यरत हैं। वहीं उनके पिता एक मीडिया संस्थान में कार्यरत हैं। एसटीएफ की जांच में खुलासा कि आतंकी ने इस पते पर न सिर्फ फर्जी आधार कार्ड बनवाया था। बल्कि इस पते पर ही अपना पासपोर्ट बनवाने के लिए भी आवेदन किया था। कहा जा रहा है कि इसके लिए उसने दिल्ली के एक गिरोह से 15 लाख रुपए देने भी तय किये थे। पड़ताल के लिए उनके आवास पर मीडिया कर्मी पहुंचे तो वहां पर मौजूद युवक ने कहा कि उनका या उनके परिवार का किसी तरह का कोई संबंध पंजाब से नही रहा है।

चुनाव से तीन महीने पहले महागठबंधन के उम्मीदवारों की घोषणा हो : तारिक अनवर

कटिहार (हिंस)। बिहार विधानसभा का चुनाव लगभग छह महीने के बाद होने वाली है। चुनाव से तीन महीने पहले महागठबंधन के उम्मीदवारों की घोषणा हो जानी चाहिए। चुनाव से कुछ दिन पहले उम्मीदवारों की घोषणा करना उचित नहीं होता है। उक बाते शनिवार कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता और कटिहार सांसद तारिक अनवर ने प्रेसवार्ता कर कही। शहरी क्षेत्र स्थित कांग्रेस जिला अध्यक्ष सुनील यादव के आवास पर आयोजित प्रेसवार्ता में तारिक अनवर ने कहा कि चुनाव से तीन महीने पहले उम्मीदवार की घोषणा होने से उनपर दबाव कम होता है। सेंट्रल ऑब्जॉबवर जो यहां आएंगे उनसे यह मांग करेंगे। बिहार में महागठबंधन के साथ चुनाव लड़ने के सवाल पर तारिक अनवर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी यहां महागठबंधन के साथ मिलकर अभी तक चुनाव लड़ती आई है। वैसे अंतिम निर्णय केंद्रीय नेतृत्व को करना है। उन्होंने कहा कि जो भी पार्टी हमारे गठबंधन में है उसकी एक समन्यवय समिति का गठन जल्द से जल्द होनी चाहिए। पिछली बार की विधानसभा चुनाव में परफॉर्मेंस में कुछ कमी रह गई थी जिसकी वजह से इंडी गठबंधन की सरकार नही बन पाई थी। इस बार वो चूक नही होगी। कटिहार में मखाना बोर्ड की गठन को लेकर तारिक अनवर ने कहा कि सीमांचल क्षेत्र के सभी सांसदों की कोशिश है कि यहां मखाना बोर्ड की गठन होनी चाहिए। इसको लेकर प्रधानमंत्री और वित्तमंत्री को पत्र लिखा गया है। उन्होंने कहा कि एक समय था जब मिथिलांचल में मखाना की पैदावार ज्यादा हुआ करता था, लेकिन अब जो आंकड़े सामने आया है उसके अनुसार सीमांचल में मखाना की पैदावार ज्यादा हो रही है खासकर कटिहार में।

फरवरी में ईवी बिक्री में 18 फीसदी गिरावट

तिपहिया और यात्री वाहनों में मामूली बढ़त

नई दिल्ली

देश में फरवरी के दौरान इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की बिक्री में कुछ मुश्किलों की वजह से सालाना आधार पर 1.9 प्रतिशत और मासिक आधार पर 18.2 प्रतिशत की गिरावट आई और यह घटकर 1,39,026 रह गई। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। हालांकि ईवी की सभी चार श्रेणियों की बिक्री में मासिक आधार पर दो अंकों में गिरावट दर्ज की गई। लेकिन तिपहिया वाणिज्यिक और यात्री वाहनों में सालाना आधार पर एक अंक में वृद्धि देखी गई। फरवरी के दौरान टीवीएस मोटर, एथर एनर्जी और ओला इलेक्ट्रिक की बिक्री घटकर 18,762, 11,807 और 8,647 रह गई जिससे देश में दोपहिया वाहनों की बिक्री में 22.1 प्रतिशत की गिरावट आई। हालांकि इसी श्रेणी में बजाज ऑटो की मासिक बिक्री में कुछ सुधार नजर आया। सालाना आधार पर बिक्री में 8 प्रतिशत की गिरावट आई। पिछले महीने तिपहिया वाहनों की बिक्री में मासिक आधार पर 11.4 प्रतिशत की गिरावट आई। हालांकि सालाना आधार पर इसमें 4.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई और कुल बिक्री 53,116 रही। ओमेगा सेकी को छोड़कर सभी मूल उपकरण विनिर्माताओं (ओईएम) ने मासिक आधार पर तिपहिया वाहनों की अपनी बिक्री में भारी गिरावट देखी।

महिला निवेशकों का औसत एसआईपी आकार पुरुषों से 22 फीसदी अधिक: रिपोर्ट

नई दिल्ली। एक रिपोर्ट के अनुसार महिला निवेशकों का औसत एसआईपी आकार पुरुषों से 22 फीसदी अधिक है। एकमुश्त निवेश के मामले में भी महिलाओं की निवेशक भागीदारी 45 फीसदी अधिक है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, महिला निवेशक न केवल भागीदारी कर रही हैं, बल्कि सक्रियता के साथ निवेश भी कर रही हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि उन्होंने 1 जनवरी 2024 से लेकर 31 दिसंबर 2024 तक 1 लाख महिला निवेशकों के निवेश पैटर्न का अध्ययन किया है। इस अध्ययन में पाया गया कि 90 फीसदी महिला निवेशकों ने एसआईपी के जरिये उनके प्लेटफॉर्म पर म्युचुअल फंड निवेश की शुरुआत की है। इसके साथ ही, रिपोर्ट में दर्ज है कि करीब 72 फीसदी महिला निवेशक बी30 (शीर्ष 30 को छोड़कर) शहरों से हैं, जिससे प्रमुख शहरों के अलावा भी फंडों की बढ़ती पहुंच का पता चलता है।

न्यूज ब्रीफ

भारत शुल्क कटौती करने पर सहमतः ट्रंप

न्यूयॉर्क। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि भारत अपने शुल्क में पर्याप्तः कटौती करने के लिए सहमत हो गया है, क्योंकि भारत अमेरिका पर बहुत अधिक शुल्क लगाता है, जिससे वहां उत्पाद बेचना मुश्किल हो जाता है। ट्रंप ने ओवल ऑफिस से दिए बयान में कहा कि आर्थिक, वित्तीय और व्यापारिक दृष्टिकोण से हमारे देश को दुनिया के लगभग हर देश ने पूरी तरह से ठगा है उन्होंने कहा कि कनाडा, मेक्सिको और फिर आप सीधे लाइन में चले जाइए। भारत हम पर बहुत ज्यादा शुल्क लगाता है। आप भारत में कुछ भी नहीं बेच सकते। यह लगभग प्रतिबंधात्मक है। हम अंदर बहुत कम व्यापार करते हैं। ट्रंप ने कहा, वैसे, वे इस बात पर सहमत हो गए हैं कि अब वे अपने शुल्क में कटौती करना चाहते हैं, क्योंकि अब कोई तो उनके किए की पोल खोल रहा है। उन्होंने कहा कि चीन के साथ भी यही बात है। अन्य कई देशों के साथ भी यही बात है, तथा यूरोपीय संघ इस देश का बहुत ज्यादा दुरुपयोग कर रहा है। ट्रंप की यह टिप्पणी उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल की उनके अमेरिकी समकक्ष हॉवर्ड लुटनिक के साथ व्यापार वार्ता के लिए अमेरिका यात्रा के बाद आई है। ट्रंप ने इस सप्ताह तीसरी बार भारत द्वारा लगाए गए उच्च शुल्क की आलोचना की है। इससे पहले ट्रंप ने कहा कि भारत बहुत उच्च शुल्क वाला देश है और उन्होंने दोहराया कि अमेरिकी वस्तुओं पर शुल्क लगाने वाले देशों पर जवाबी शुल्क दो अप्रैल से लागू होंगे ।

अमेरिका के एक्सचेंज ऑपरेटर नेस्डेक इंक में अब 24 घंटे होगी ट्रेडिंग!

वाशिंगटन। अमेरिका के दूसरे सबसे बड़े एक्सचेंज ऑपरेटर नेस्डेक इंक ने अपने इक्विटी एक्सचेंज पर सप्ताह में पांच दिन, 24 घंटे ट्रेडिंग शुरू करने की योजना बनाई है। एक्सचेंज ने यह फैसला अमेरिकी शेयर बाजार की बढ़ती वैश्विक मांग को देखते हुए लिया है, जिससे अंतरराष्ट्रीय निवेशकों को अधिक अवसर हासिल होंगे। नेस्डेक के प्रेसिडेंट के मुताबिक नियामकीय मंजूरी और इंडस्ट्री के अन्य भागीदारों के साथ तालमेल के बाद यह सुविधा 2026 की दूसरी छमाही तक शुरू हो सकती है। शुरुआत में नेस्डेक कुछ बड़े मार्केट-कैप स्टॉक्स पर एक्सटेंडेड ट्रेडिंग की टेस्टिंग कर सकता है। यह देखना दिलचस्प होगा कि एक्सचेंज इस सुविधा के लिए अतिरिक्त शुल्क लेता है या नहीं। नेस्डेक ने अपनी योजना की पुष्टि करते हुए कहा है कि वह जल्द ही अमेरिकी सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन से अप्रूवल के लिए आवेदन करेगा।

एनबीएफसी पर आरबीआई की कार्रवाई, लगाया भारी जुर्माना

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने चार गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) पर कुल 76.60 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई पीयर-टू-पीयर लेंडिंग प्लेटफॉर्म्स द्वारा आरबीआई के निर्देशों के कुछ प्रावधानों का पालन न करने के कारण की गई है। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी - पीयर-टू-पीयर लेंडिंग प्लेटफॉर्म (रिजर्व बैंक) निर्देश, 2017 के उल्लंघन पर फेयरएसेट्स टेक्नोलॉजीज इंडिया पर 40 लाख रुपए, जबकि ब्रिज फिनटेक सॉल्यूशंस और रंग दे पी2पी फाइनेंशियल सर्विसेज पर 10-10 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। आरबीआई ने विजनरी फाइनेंसपीयर पर 16.6 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। केंद्रीय बैंक ने कहा है कि यह जुर्माना नियामकीय अनुपालन में कमियों के आधार पर लगाया गया है और इसका उद्देश्य संस्थाओं द्वारा ग्राहकों के साथ किए गए किसी भी लेनदेन या समझौते की वैधता पर निर्णय लेना नहीं है। आरबीआई ने अलग-अलग विज्ञप्तियों के माध्यम से इस जुर्माने की जानकारी दी।

ट्रिपल फोल्डेबल स्मार्टफोन लाएगी सैमसंग

नई दिल्ली

हाल ही में साउथ कोरियाई कंपनी सैमसंग ने अपने गैलेक्सी अनपैक्ड इवेंट में बताया कि वह भी ट्रिपल फोल्डेबल स्मार्टफोन लाएगी। उसकी एक झलक कंपनी ने प्रेजेंटेशन में दिखाई थी। ताजा रिपोर्ट्स में बताया गया है कि सैमसंग के ट्राई-फोल्डेबल स्मार्टफोन का प्रोडक्शन जल्द शुरू हो सकता है। इस फोन को गेलेक्क्सी झेड सीरीज में आने वाले फोल्डेबल फोन्स के साथ लाया जा सकता है। यह लॉन्च इस साल की तीसरी तिमाही यानी जुलाई से सितंबर के बीच होने की उम्मीद है। सैमसंग गेलेक्सी ट्री फोल्ड पर लेटेस्ट इन्फर्मेशन आई है। इस साउथ कोरियाई पब्लिकेशन ने बताया है कि कंपनी अप्रैल महीने से जरूरी पार्ट्स को जुटाना शुरू करेगी और उसके साथ ही गेलेक्क्सी झेड सीरीज के फोल्डेबल फोन्स का प्रोडक्शन शुरू कर दिया जाएगा।

रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि कंपनी अपने ट्राई-फोल्ड फोन को जुलाई से सितंबर के बीच यानी तीसरी तिमाही में लॉन्च कर सकती है। उसी दौरान गेलेक्क्सी झेड फलीप को रिलीज किया जाएगा। एक सवाल यह भी पूछा जा रहा है कि सैमसंग के ट्राई-फोल्डेबल फोन का नाम क्या होगा। कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया है कि फोन को गेलेक्सी जी फोल्ड कहा जा सकता है। यह जेड सीरीज में आने वाले फोल्ड से अलग होगा। इसकी वजह फोन का तीन बार मुड़ना है। हालांकि फोन का मुड़ने वाला मैकनिज्म, हुवावे के फोल्डेबल से अलग हो सकता है। कहा जाता है कि सैमसंग का ट्राई-फोल्ड अंदर की तरफ दो बार फोल्ड होगा। सैमसंग गेलेक्सी ट्री फोल्ड के स्पेसिफकेशंस पर काफी वक्त से चर्चाएं हैं। तमाम रिपोर्ट्स में कहा गया है कि फोन में 9.96 इंच का डिस्प्ले मिलेगा, जब उसे पूरा अनफोल्ड किया जाएगा। हालांकि हुवावे मेट एक्सटी में 10.2 का डिस्प्ले मिलता है। सैमसंग का ट्राई-फोल्ड, डिस्प्ले साइज में भले हुवावे के फोल्ड से कम हो सकता है, लेकिन सैमसंग के बाकी फोल्डेबल के मुकाबले वह बड़ा डिस्प्ले ऑफर करेगा। वजन में फोन उतना ही हो सकता है, जितना हुवावे का ट्राई फोल्ड है। हुवावे ट्राई फोल्ड का वजन 298 ग्राम है। हालांकि अंदर की तरफ मुड़ने के कारण सैमसंग ट्राई फोल्ड थोड़ा मोटा हो सकता है। बता दें कि तीन बार मुड़ने वाला स्मार्टफोन मेट एक्सटी सबसे पहले चीनी कंपनी हुवावे ने पिछले साल पेश किया था। फोन को कुछ वक्त पहले ही ग्लोबल मार्केट्स में रिलीज किया गया है।

लॉर्सन एंड टुब्रो चीफ देगी महिला कर्मचारियों को मेंस्ट्रुअल लीव

मुंबई। पिछले दिन लॉर्सन एंड टुब्रो चीफ एस एन सुब्रह्मण्यम ने सप्ताह में 90 दिन काम करने की बात कही थी। इस बीच अब उनका नया ऐलान सुर्खियां पा रहा है। देश की दिग्गज कंस्ट्रक्शन कंपनी लॉर्सन एंड टुब्रो ने वुमेंस डे पर अपनी महिला कर्मचारियों को बड़ा तोहफा दिया है। उन्होंने मेंस्ट्रुअल लीव देने का ऐलान किया। पॉलिसी को अपने इंडस्ट्री में लाने वाली एल एंड टी पहली कंपनी बनी है। कंपनी के फैसले से करीब 5000 महिला कर्मचारियों को इसका फायदा मिलेगा। बता दें, एल एंड टी के पास 60,000 महिला कर्मचारियों की टीम है। कंपनी ने साफ कर दिया है कि इस मेंस्ट्रुअल लीव का फायदा इंजीनियरिंग और कंस्ट्रक्शन कंपनी को मिलेगा। फाइनेंशियल और टेक्नोलॉजी सब्सिडियरी को पॉलिसी से बाहर रखा गया है। कंपनी के इन सेगमेंट में वर्क फ्रॉम होम जैसी सुविधाएं हैं। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है यह मेंस्ट्रुअल लीव मौजूदा पेड लीव का हिस्सा होगा या इससे उससे बाहर रखा जाएगा। दरअसल सुब्रह्मण्यम साल की शुरुआत में एक बयान दिया था जिससे वे विवादों में घिर गए थे। उन्होंने कहा था, आप घर पर बैठकर क्या करते हैं आप कितना देर अपनी पत्नी को निहारते रह सकते हैं। उनके इस बयान खूब आलोचना हुई थी। ना सिर्फ सामान्य लोगों ने बल्कि दिग्गजों ने भी बयान की निंदा की थी। इसके बाद कंपनी के एचआर की तरफ से इस बयान को लेकर सफाई भी पेश की गई थी। भारत में मेंस्ट्रुअल पॉलिसी क्या है देश भर के लिए कोई मेंस्ट्रुअल पॉलिसी नहीं है। जिसके आधार पर छुट्टी मिल सके। लेकिन कुछ राज्य और कंपनियों ने मेंस्ट्रुअल पॉलिसी को अपनाया है। 2024 में उड़ीसा पहला राज्य बन गया था जिसने निजी और सरकारी कर्मचारियों को एक दिन की मेंस्ट्रुअल लीव देना शुरू कर दिया था। इसके अलावा कर्नाटक भी पेड मेंस्ट्रुअल लीव लाने पर विचार कर रहा है।

एलन मस्क पर कानूनी शिकंजा! ट्विटर डील को लेकर कोर्ट में होगी पूछताछ

सैन फ्रांसिस्को

एलन मस्क को 3 अप्रैल को वॉशिंगटन डीसी में निवेशकों के वकीलों के सामने पेश होना होगा। एक रिपोर्ट के अनुसार यह मामला 2022 में ट्विटर की खरीद से जुड़ा है।

निवेशकों का आरोप है कि मस्क ने जानबूझकर डील को टालमटोल किया और कंपनी की आलोचना कर ट्विटर के शेयर गिरा दिए। इससे उन्हें सस्ते में सौदा करने का मौका मिला। पहले मस्क के वकील उनकी गवाही को लेकर राजी नहीं थे, लेकिन अब उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया है। मस्क ने ट्विटर खरीद को लेकर कई बार अपना फैसला बदला, जिससे निवेशकों को नुकसान हुआ। आखिरकार, कानूनी लड़ाई के बाद उन्होंने 44 अरब डॉलर में ट्विटर खरीदा और इसे एक्स क्राप नाम से रीब्रांड कर दिया।

इस बीच, मस्क अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के सलाहकार के रूप में भी काम कर रहे हैं और अपनी कई कंपनियों से जुड़े कानूनी मामलों में उलझे हुए हैं। सैन फ्रांसिस्को की एक संघीय अदालत ने दिसंबर 2023 में एलन मस्क की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने एक केस को रद्द करने की मांग की थी। जज ने कहा कि मस्क के बयान वास्तविक स्थिति से काफी अलग थे।

2022 में ट्विटर की खरीद से जुड़ा है मामला

अमेरिकी सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन (एसईसी) ने जनवरी में मस्क पर केस दर्ज किया था। एसईसी का आरोप है कि मस्क ने ट्विटर में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की जानकारी समय पर नहीं दी और शेयरों को गुपचुप तरीके से कम कीमत पर खरीदते रहे।

इस वजह से कई निवेशकों ने अपने शेयर सस्ते में बेच दिए और उन्हें 150 मिलियन डॉलर (करीब 1,200 करोड़ रुपये) का नुकसान हुआ। यह मामला यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट, नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट ऑफ कैलिफोर्निया (सैन फ्रांसिस्को) में चल रहा है।

मोटराम में लगे मोटरस्पोर्टस एक्सपो

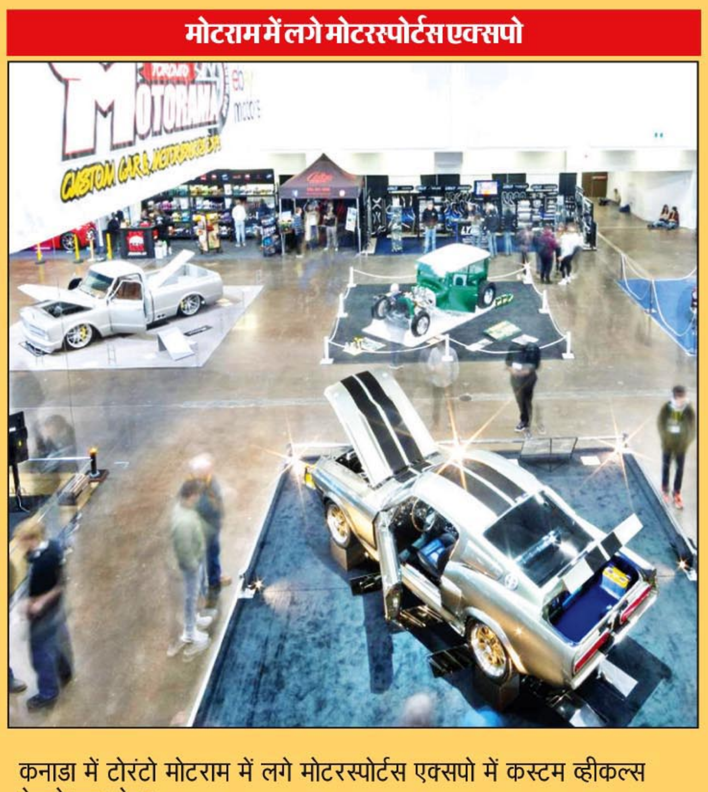

कनाडा में टोरंटो मोटराम में लगे मोटरस्पोर्टस एक्सपो में कस्टम व्हीकल्स देखते हुए लोग।

टेक महिंद्रा ने अमेरिका में खोला नया हेडक्वार्टर, कारोबार बढ़ाने में मिलेगी मदद

नई दिल्ली

टेक महिंद्रा ने अमेरिका के टेक्सास के प्लेनो में नए हेडक्वार्टर खोला है। इससे कंपनी को अमेरिका में उसके कारोबार को बढ़ाने में मदद करेगा। अमेरिका में टेक महिंद्रा का यह 19वां ऑफिस है। यह रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण नॉर्थ टेक्सास में है। यह रीजन अपने बिजनेस इकोसिस्टम और डीप टैलेंट पूल के लिए जाना जाता है। 27,000 स्क्वायर फीट में फैली इस सुविधा में 130 सीटें हैं। इस ऑफिस के जरिए कंपनी टेक्नोलॉजी कंसल्टिंग, कस्टमर सपोर्ट और डिजिटल सॉल्यूशंस उपलब्ध कराएगी। टेक महिंद्रा के इस नए ऑफिस की एक प्रमुख विशेषता इनोवेशन लैब है। यह लैब सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में काम करेगी और इनोवेशन में तेजी लाने के लिए रिसर्च एवं डेवलपमेंट प्रयासों को आगे बढ़ाएगी। प्लेनो के मेयर ने कहा कि टेक इनोवेशन हमारे क्षेत्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण है। टेक महिंद्रा का नया कार्यालय स्थानीय प्रतिभाओं को बढ़ावा देगा और हमारी अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देगा, जो एक संपन्न तकनीकी इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए हमारी साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है। टेक महिंद्रा के एक अधिकारी ने टेक्सास को टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के लिए एक उभरती हुई शक्ति बताया। उन्होंने कहा कि नॉर्थ टेक्सास में एक शीर्ष नियोक्ता होने के कारण हम नई सुविधा के खुलने का स्वागत करते हैं। यह ग्राहकों, पार्टनर्स और स्थानीय अर्थव्यवस्था को सपोर्ट करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

जीएमआर एयरपोर्ट्स ने डायल में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई

नई दिल्ली

जीएमआर एयरपोर्ट्स लिमिटेड ने जर्मनी की फ्रापोर्ट से 10 प्रतिशत शेयरधारिता का अधिग्रहण पूरा करने के बाद दिल्ली हवाई अड्डे का संचालन करने वाली कंपनी डायल में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर 74 प्रतिशत कर ली है। पिछले सितंबर में जीएमआर समूह की कंपनी ने दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) में 10 प्रतिशत हिस्सेदारी 12.6 करोड़ डॉलर में खरीदने के लिए फ्रापोर्ट एजी फ्रैंकफर्ट एयरपोर्ट सर्विसेज वर्ल्डवाइड के साथ शेयर खरीद समझौते की घोषणा की थी।

जीएमआर एयरपोर्ट्स ने शेयर बाजार को दी एक सूचना में कहा कि अपेक्षित अनुमोदन मिलने और पूर्व शर्तें पूरा करने के बाद कंपनी और फ्रापोर्ट के बीच शेयरों के हस्तांतरण और प्रतिफल के आदान-प्रदान की प्रक्रिया पूरी हो गई है। जीएमआर एयरपोर्ट्स ने कहा कि इस अधिग्रहण के बाद उसकी डायल में हिस्सेदारी 64 प्रतिशत से बढ़कर अब 74 प्रतिशत हो गई है। डायल में शेष 26 प्रतिशत हिस्सेदारी भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के पास है।

मलेशियाई पाम ऑयल को बढ़ावा देने एमपीओसी और ओटीएआई में करार

मुंबई। भारत और मलेशिया के बीच व्यापारिक सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से मलेशियाई पाम ऑयल काउंसिल (एमपीओसी) और ऑयल टेक्नोलॉजिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (ओटीएआई) ने एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। एमपीओसी और ओटीएआई ने संयुक्त बयान जारी कर कहा कि इस सहयोग के तहत भारतीय बाजार में मलेशियाई पाम ऑयल के पोषण संबंधी लाभों और स्वास्थ्य विशेषताओं को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। भारत को मलेशियाई पाम ऑयल का अहम बाजार मानते हुए, इस साझेदारी का उद्देश्य पाम ऑयल से जुड़ी गलतफहमियों को दूर करना और इसके स्वास्थ्य एवं औद्योगिक उपयोगों को उजागर करना है। यह पहल उपभोक्ता जागरूकता, उद्योग संवाद और वैज्ञानिक अनुसंधान को प्राथमिकता देगी।

अरविंद चितांबरम ने प्राग मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट का खिताब जीता

प्राग

भारत की शतरंज में बादशाहत जारी रखते हुए ग्रैंडमास्टर अरविंद चितांबरम ने अपने करियर का पहला बड़ा खिताब जीता। उन्होंने प्रतिष्ठित प्राग मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में कई दिग्गज खिलाड़ियों को पछाड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया। तमिलनाडु के 25 वर्षीय अरविंद ने नौवें और अंतिम दौर में तुर्की के गुरेल एदिज के खिलाफ ड्रॉ खेलते हुए कुल छह अंकों के साथ खिताब अपने नाम किया।

विश्व नंबर 8 आर प्रज्ञानानंदा इस टूर्नामेंट में पांच अंकों के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे। उन्हें अंतिम दौर में डच ग्रैंडमास्टर अनीश गिरि के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। चीन के शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी वेई यी और गिरि भी प्रज्ञानानंदा के साथ पांच अंकों पर रहे।

निर्णायक मुकाबले में दिखाया धैर्य

अंतिम दौर में अरविंद ने काले मोहरों से खेलते हुए कैरो-कान डिफेंस का उपयोग किया। उनके प्रतिद्वंदी गुरेल एदिज ने किंग्स पॉन ओपनिंग का एडवांस वेरिएशन चुना। हालांकि, जल्द ही उन्हें एक मोहरा गंवाना पड़ा और खेल जटिल हो गया।

अरविंद ने संयम बनाए रखा और स्थिति को नियंत्रण में रखा। कई चालों की पुनरावृत्ति के बाद दोनों खिलाड़ियों ने ड्रा पर सहमति जताई।

जीत के बाद अरविंद की प्रतिक्रिया

अरविंद चितांबरम ने जीत के बाद अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, मैंने पिछले दो दिनों से अच्छी नींद नहीं ली थी। सातवें दौर तक मैं पूरी तरह ठीक था, लेकिन बढ़त मिलने के बाद दबाव महसूस हुआ। उन्होंने अपने कोच ग्रैंडमास्टर आर बी रमेश को धन्यवाद दिया और इस टूर्नामेंट में अनीश गिरि के खिलाफ अपने प्रदर्शन को सर्वश्रेष्ठ करार दिया।

प्रज्ञानानंदा के लिए कठिन मुकाबला

दूसरी ओर, प्रज्ञानानंदा ने अनीश गिरि के खिलाफ आक्रामक शुरुआत की, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। उन्होंने किंग्स इंडियन डिफेंस अपनाया, लेकिन गिरि ने शानदार रणनीति के साथ एक महत्वपूर्ण मौके पर रुक के बदले लघु मोहरा लेकर खेल को अपने पक्ष में मोड़ लिया और जीत दर्ज की।

अन्य खिलाड़ियों का प्रदर्शन

अंतिम दौर के अन्य मुकाबलों में चेक गणराज्य के डेविड नवारा और अमेरिका के सैम शैंकलैंड के बीच बाजी ड्रॉ रही। वहीं, जर्मनी के विंसेंट केमर के खिलाफ चेक खिलाड़ी गुयेन थाई दाई वान जीत के करीब पहुंचकर भी मुकाबला ड्रॉ खेलने को मजबूर हुए।

महिला चैलेंजर्स वर्ग में भारत की दिव्या देशमुख ने ग्रीस के स्टामाटिस कौर्कुलोस-अर्डितिस को हराकर जोरदार वापसी की। इस वर्ग में उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक याकुब्बोएव और डेनमार्क के जोनास बुहक ब्जेरे सात अंकों के साथ संयुक्त विजेता बने।

न्यूज़ ब्रीफ

सीबीए के स्टार गार्ड सुन मिंगहुई पैर की चोट के कारण नियमित सत्र के शेष भाग से बाहर

हांगझोउ। झेजियांग लायंस ने शुक्रवार को घोषणा की कि उनके स्टार गार्ड सुन मिंगहुई दाहिने एड़ी की हड्डी में फ्रैक्चर के कारण चीनी बास्केटबॉल संघ (सीबीए) के शेष नियमित सत्र से बाहर हो गए हैं। 28 वर्षीय सुन मिंगहुई को 5 मार्च को शान्शी लूंग्स के खिलाफ 98-100 की करीबी हार के दौरान चोट लगी। एक रिबाउंड प्रयास के दौरान उनका दायां पैर बाहरी ओर मुड़ गया। मेडिकल जांच में कैल्केनियस फ्रैक्चर की पुष्टि हुई, जिसके बाद उन्हें कम से कम चार सप्ताह के आराम की सलाह दी गई है। झेजियांग लायंस वर्तमान में 31-5 के रिकॉर्ड के साथ अंकतालिका में शीर्ष पर हैं, लेकिन अपने मुख्य खिलाड़ी के बिना उन्हें इस स्थिति को बनाए रखने के लिए अतिरिक्त दबाव का सामना करना पड़ेगा। इस सत्र में सुन मिंगहुई ने औसतन 14.8 अंक, 2.9 रिबाउंड और 9.5 असिस्ट प्रति मैच का प्रदर्शन किया है।

भारत में पहली शूटिंग लीग 24 नवंबर से

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) ने भारत में आयोजित होने वाली पहली शूटिंग लीग (शूटिंग लीग ऑफ इंडिया-एसएलआई) के लिए 24 नवंबर से 7 दिसंबर तक की तारीखें आवंटित कर दी हैं। इस लीग को आईएसएसएफ की आधिकारिक मान्यता मिलने से इसे वैश्विक स्तर पर उच्च गुणवत्ता वाली प्रतियोगिता का दर्जा प्राप्त होगा। राष्ट्रीय रायफल संघ (एनआरएआई) के अध्यक्ष कलिकेश सिंह देव ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, हम उम्मीद करते हैं कि इस लीग में दुनिया के शीर्ष निशानेबाज भाग लेंगे, क्योंकि भारत का इस खेल में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत प्रोफाइल है। आयोजन को सफल बनाने के लिए कई स्तरों पर काम जारी है और आईएसएसएफ द्वारा तारीखों का आवंटन हमें इसे विश्व स्तरीय इवेंट बनाने के लिए और अधिक प्रेरित करता है। एनआरएआई ने पहले ही घोषणा की थी कि एलेना नॉर्मन को इस लीग का सलाहकार नियुक्त किया गया है और न्यू होराइजन्स अलायंस प्राइवेट लिमिटेड को व्यावसायिक और मार्केटिंग एजेंसी के रूप में शामिल किया गया है। भारत में इस लीग के आयोजन से निशानेबाजी खेल को नई ऊंचाइयां मिलने की उम्मीद है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ सबसे अधिक रन बनाने वाले पांच भारतीय खिलाड़ियों में विराट दूसरे नंबर पर

दुबई। भारतीय टीम रविवार को आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में न्यूजीलैंड से खेलेगी। इस टूर्नामेंट में दोनो ही टीमों के बीच रोमांचक मुकाबला होना तय है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ अब तक सचिन तेंदुलकर सहित पांच भारतीय खिलाड़ियों ने ने एकदिवसीय में एक हजार से ज्यादा रन बनाये हैं। इनमें से केवल विराट कोहली ही वर्तमान में खेल रहे हैं। बाकि सभी पूर्व क्रिकेटर हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ सबसे अधिक रनों की बात करें तो वह सचिन तेंदुलकर ने बनाए हैं। उन्होंने 42 मैचों की 41 पारियों में 46 के औसत से 1750 रन बनाए हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर 186 रनों का रहा है। सचिन ने 5 शतक और 8 अर्धशतक लगाये हैं। वहीं दूसरे नंबर पर विराट हैं। विराट ने 32 मैचों में 1656 रन बनाए हैं। उनका सर्वोच्च स्कोर 154 का रहा है। विराट ने 57 के औसत से रन बनाए हैं। इसमें 6 शतक और 9 अर्धशतक हैं। तीसरे नंबर पर पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग हैं। सहवाग ने 23 मैचों की 23 पारियों में 52.59 के औसत से 1157 रन बनाए हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर 130 का रहा है। सहवाग ने 6 शतक और 3 अर्धशतक लगाये हैं। चौथे नंबर पर मोहम्मद अजहरउद्दीन हैं।

डब्ल्यूपीएल : आरसीबी के लिए अब करो या मरो की स्थिति, प्लेऑफ के लिए जीतने होंगे बचे दोनों मैच

नई दिल्ली

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2025 में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की थी। पहले मुकाबले में गुजरात जायंट्स के खिलाफ रिकॉर्ड 202 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जीत दर्ज की, फिर दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) को आठ विकेट से हराया। लेकिन घरेलू मैदान पर खेले गए चारों मुकाबले गंवाने के बाद अब टीम प्लेऑफ से बाहर होने की कगार पर है।

आरसीबी के अभी छह मैचों में सिर्फ चार अंक हैं और टीम अपने बचे हुए दो मुकाबले यूपी वॉरियर्स और मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीतकर अधिकतम आठ अंकों तक ही पहुंच सकती है। दूसरी ओर, जायंट्स और मुंबई पहले ही आठ अंकों पर हैं, जबकि दिल्ली कैपिटल्स (10 अंकों के साथ) प्लेऑफ में पहुंच चुकी है। हालांकि आरसीबी के लिए राह मुश्किल जरूर है, लेकिन उनकी किस्मत अब भी उनके हाथों में है। वहीं, यूपी वॉरियर्स की टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है।

आरसीबी के लिए जीत जरूरी

आरसीबी की प्लेऑफ की उम्मीदें शनिवार को यूपी वॉरियर्स के खिलाफ होने वाले मुकाबले पर टिकी हैं। हारने की स्थिति में उनकी दौड़ वहीं खत्म हो जाएगी। लेकिन जीत दर्ज करने पर आरसीबी को मुंबई इंडियंस और जायंट्स के बीच होने वाले मुकाबले के नतीजे पर नजर रखनी होगी, ताकि उन्हें यह पता चल सके कि प्लेऑफ में जाने के लिए उन्हें किस टीम से नेट रन रेट में आगे निकलना होगा। फिलहाल, जायंट्स का नेट रन रेट मुंबई से बेहतर है, लेकिन आरसीबी के लिए राहत की बात यह है कि उनका आखिरी मुकाबला मुंबई से ही होगा। आरसीबी इस समय मुंबई के नेट रन रेट से लगभग 60 रन पीछे है, लेकिन अगर वे यूपी वॉरियर्स को 10 रन से हरा दें और जायंट्स मुंबई को भी 10 रन से हरा दें, तो आरसीबी को प्लेऑफ में जाने के लिए मुंबई के खिलाफ केवल 20 रन की जीत चाहिए होगी। दूसरी ओर, जायंट्स से आगे निकलने के लिए आरसीबी को यूपी और मुंबई के खिलाफ कुल मिलाकर लगभग 62 रन के अंतर से जीत दर्ज करनी होगी, बशर्ते जायंट्स मुंबई से केवल 10 रन से हारे।

क्या दिल्ली कैपिटल्स सीधे फाइनल में पहुंचेगी

दिल्ली कैपिटल्स लीग चरण का अंत टॉप पर रहते हुए कर चुकी है, लेकिन उनकी सीधी फाइनल एंट्री तय नहीं हुई है। ऐसा इसलिए क्योंकि मुंबई और जायंट्स दोनों ही अंक तालिका में उनसे आगे निकल सकते हैं। मुंबई दोनों मैच जीतकर पहले स्थान पर पहुंच सकती है, जबकि जायंट्स अगर मुंबई को बड़े अंतर से हरा देती है तो वे भी टॉप पर पहुंच सकते हैं। जायंट्स को मुंबई के खिलाफ 17 रन या 12 गेंद शेष रहते (अगर पहली पारी का स्कोर 180 हो) जीत दर्ज करनी होगी, जिससे वे दिल्ली के से आगे निकल सकें। वहीं, मुंबई इस समय दिल्ली से लगभग 30 रन पीछे है, यानी अगर वे एक मैच 10 रन से हार जाते हैं, तो उन्हें दूसरा मैच करीब 40 रन से जीतना होगा।

रोहित को 25 ओवर तक बल्लेबाजी करनी चाहिये : गावस्कर

दुबई

महान बल्लेबाज सुनील गावसकर चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा के प्रदर्शन से खुश नहीं हैं। गावस्कर ने फाइनल से ठीक पहले कहा कि रोहित को अति आक्रामक रुख अपनाने की जगह तकरीबन 25 से 30 ओवर तक बल्लेबाजी करनी चाहिये। गावस्कर ने कहा कि अगर रोहित इस प्रकार खेलते हैं तो भारतीय टीम एक बड़ा स्कोर बनाने में सफल रहेगी जिसका एक अलग प्रभाव पड़ेगा। गावस्कर ने कहा है कि रोहित को शुरुआ में तेजी से 25 से 30 रन बनाकर ही संतुष्ट नहीं होना चाहिये। इसकी जगह उन्हें करीब 25 ओवर तक बल्लेबाजी करनी चाहिए। अगर वह ऐसा करते हैं तो टीम को लाभ होगा। गावस्कर ने कहा, अगर रोहित 25 ओवर भी बल्लेबाजी करते हैं, तो भारतीय टीम करीब 200 रनों तक पहुंच जाएगी। ऐसे में 50 ओवरों के बाद टीम का स्कोर 350 या उससे अधिक पहुंच जाएगा। भारत और न्यूजीलैंड की टीम 9 मार्च को आमने सामने होगी.

गावस्कर ने साथ ही कहा, उसे भी इस पर थोड़ा विचार करने की जरूरत है। आक्रामक तरीके से खेलना एक बात है, लेकिन 25-30 ओवर तक बल्लेबाजी करने के लिए समझदारी से काम लेना होता है। अगर वह ऐसा करता है, तो वह खेल दूसरी टीम से काफी दूर ले जा सकते हैं इस तरह का प्रभाव मैच जीतने वाला होता है। गावस्कर ने आगे कहा, मुझे लगता है एक बल्लेबाज के रूप में क्या आप 25-30 रन बनाकर खुश हैं पर मेरा मानना है किआपको नहीं होना चाहिए।

आईपीएल ट्रॉफी के बिना अधूरा रहेगा विराट कोहली का करियरः एबी डिविलियर्स

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली का शानदार करियर तब और खास हो जाएगा जब वह आरसीबी को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का खिताब जिताएंगे। यह मानना है दक्षिण अफ्रीका और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज एबी डिविलियर्स का। विराट कोहली 2008 में आईपीएल की शुरुआत से ही आरसीबी से जुड़े हुए हैं और उन्होंने 140 मैचों में टीम की कप्तानी भी की है। हालांकि, अब तक वह एक भी आईपीएल ट्रॉफी नहीं जीत पाए हैं, जिससे उनकी उपलब्धियों की सूची में यह एक अधूरा सपना बना हुआ है। विराट कोहली आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

आईबीएसई विश्व चैम्पियनशिप

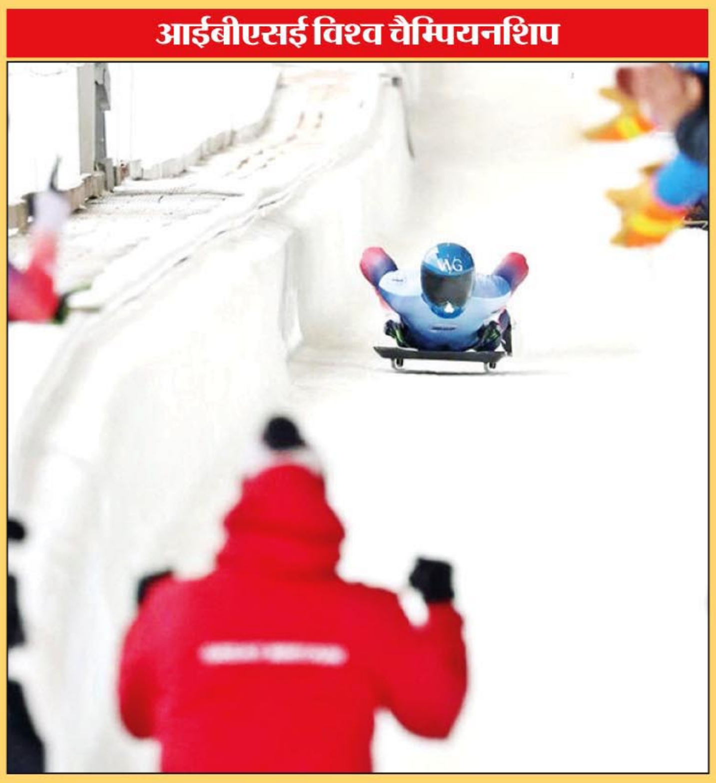

न्यूयार्क में आईबीएसई विश्व चैम्पियनशिप में भाग लेते हुए ब्रिटेन के मैट विटसन।

वॉट्सन के तेज शतक से ऑस्ट्रेलिया मास्टर्स जीता

वडोदरा

शेन वॉटसन की आक्रामक बल्लेबाजी से ऑस्ट्रेलिया मास्टर्स ने इंटरनेशनल मास्टर्स लीग 2025 के एक मैच में में दक्षिण अफ्रीका मास्टर्स को 137 रनों से हरा दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया मास्टर्स ने वाटसन के 61 गेंदों में बनाये 122 रनों की सहायता से एक विकेट पर 260 रन बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीकी मास्टर्स 123 रनों पर ही सिमट गयी। ऑस्ट्रेलियाई टीम की ओर से बेन लॉफलिन ने तीन विकेट लिए जबकि जेवियर डोहर्टी और ब्राइस मैकगेन ने दो-दो विकेट लिए। नाथन कूल्टर-नाइल और नाथन रियरडन को भी एक-एक विकेट मिला।

इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया मास्टर्स ने वडोदरा लेग का शानदार समापन किया। इस टूर्नामेंट में पहले दो मैच हारने के बाद ऑस्ट्रेलियाई मास्टर्स ने शानदार वापसी करते हुए जीत हासिल की। पहले बल्लेबाजी करते हुए वॉटसन ने आक्रामक बल्लेबाजी की। ये बल्लेबाजी ऐसी थी जैसी वह संन्यास से पहले राष्ट्रीय टीम की ओर से करते थे।

ऑस्ट्रेलिया मास्टर्स की पारी की शुरुआत कैलम फर्ग्यूसन ने की। उन्होंने नाबाद 85 रन बनाये। इसके बाद बल्लेबाजी के लिए आए वॉटसन ने तेजी से रन बनाये। इन दोनों ने मात्र 15 ओवरों में 186 रन बनाए। इसके बाद वॉटसन ने बेन डंक के नाबाद 34 रनों के साथ मिलकर 74 रन बनाए और टीम को एक विकेट पर 260 रनों तक पहुंचाया। वॉटसन ने अपनी पारी में जमकर चौके, छक्के लगाये।

इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका मास्टर्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज हेनरी डेविड्स शुरुआत में ही पेवेलियन लौट गये। इसे बाद हाशिम अमला ने 19 गेंदों में सात चौकों की सहायता से 30 रन बनाए, जबकि रिचर्ड लेवी और अल्वीरो पीटरसन ने 22 और 28 रन बनाए। कप्तान जैक कैलिस चोटिल होने की वजह से बल्लेबाजी नहीं कर पाये और दक्षिण अफ्रीका मास्टर्स 17 ओवरों में 123 रन ही बना पायी।

वेन मैडसेन फिर बने डर्बीशायर के कप्तान, काउंटी चैम्पियनशिप में संभालेंगे टीम की कमान

डर्बीशायर

इंग्लिश काउंटी क्लब डर्बीशायर ने अनुभवी बल्लेबाज वेन मैडसेन को दोबारा अपना कप्तान नियुक्त किया है। वह इस समर काउंटी चैम्पियनशिप में टीम की अगुवाई करेंगे।

41 वर्षीय मैडसेन ने यह भूमिका सीजन की शुरुआत से ठीक एक महीने पहले स्वीकार की, डेविड लॉयड के कप्तानी छोड़ने के फैसले के बाद उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई। इससे पहले, मैडसेन 2012 से 2016 तक डर्बीशायर के कप्तान रह चुके हैं और अपनी कप्तानी के पहले ही सीजन में टीम को डिविजन टू से प्रमोशन दिलाया था।

डर्बीशायर के हेड कोच मिकी आर्थर ने मैडसेन को कप्तानी सौंपने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने क्लब की ओर से जारी एक बयान में कहा,वेन हमेशा से बेहतरीन लीडर रहे हैं और वह ड्रेसिंग रूम में काफी लोकप्रिय भी हैं। मैं बेहद खुश हूं कि वह 2025 में हमारी टीम का नेतृत्व करेंगे। उनकी अनुभवशीलता अनमोल है—उन्होंने पहले भी

कप्तान के तौर पर प्रमोशन हासिल किया है और मुझे उनके नेतृत्व में टीम के प्रदर्शन को देखने की उम्मीद है।

आर्थर ने यह भी कहा कि मैडसेन मैदान पर अपनी मेहनत और पेशेवर रवैये से उदाहरण पेश करते हैं। डर्बीशायर के लिए 2024 का सीजन निराशाजनक रहा था, जहां टीम डिविजन टू में सबसे निचले स्थान पर रही। हालांकि, व्यक्तिगत तौर पर मैडसेन ने शानदार प्रदर्शन किया और 1005 रन (औसत 50.25) बनाकर टीम के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज रहे। यह 12 सीजन में सातवीं बार था जब उन्होंने 1000 से ज्यादा रन बनाए। वह अब तक डर्बीशायर के लिए 14,601 फर्स्ट-क्लास रन बना चुके हैं, जिससे वह क्लब के टॉप 10 रन-स्कोरर्स की सूची में नौवें स्थान पर पहुंच गए हैं। कप्तानी मिलने पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए मैडसेन ने कहा, डर्बीशायर की कप्तानी दोबारा संभालना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान है। मैं जानता हूं कि इस शानदार काउंटी और उसके समर्थकों का प्रतिनिधित्व करने का क्या मतलब है, और टीम का नेतृत्व करने पर मुझे गर्व महसूस हो रहा है।

कैसे माही की एक सलाह ने मुझे आत्मविश्वास दिलायाः राहुल त्रिपाठी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर राहुल त्रिपाठी ने बताया कि कैसे पूर्व कप्तान एमएस धोनी की सलाह ने उन्हें 2017 में आईपीएल में पदार्पण के दौरान मदद की। फ्रैंचाइजी के लिए अपने पहले मैच से पहले माही ने त्रिपाठी को शांत करने में मदद की। उन्होंने कहा, अपना पहला मैच खेलने से दो दिन पहले, मैं ड्रेसिंग रूम में उन्हें देख रहा था। उन्होंने मुझे बुलाकर कहा कि मैं कुछ भी अतिरिक्त करने या सोचने की कोशिश न करूं और मुझे प्रशिक्षण के दौरान जिस तरह से खेल रहा था, उसी तरह खेलने के लिए माही ने कहा। यह देखते हुए कि यह सलाह उस कद के क्रिकेटर से आई थी और यह तथ्य कि मैं अपना पहला मैच खेलने जा रहा था, इससे मुझे बहुत आत्मविश्वास मिला। माही की इस सलाह ने वास्तव में मेरी घबराहट को शांत किया। उन्होंने कहा, मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे उनके साथ समय बिताने का मौका मिला। क्रिकेट जगत में कई लोगों का सपना होता है कि वे उनके साथ क्रिकेट के अनुभव साझा करें और उनके साथ खेलें। उनके साथ रहकर मैंने देखा है कि वे कितने सरल हैं। लंबे इंतजार के बाद राहुल ने आखिरकार 31 साल की उम्र में जनवरी 2023 में श्रीलंका के खिलाफ टी201 सीरीज के दौरान भारत के लिए अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया। राहुल ने कहा, मैंने कभी हार नहीं मानी। कई बार यह कठिन था और ऐसा लगा कि भारत का प्रतिनिधित्व करने का सपना सपना ही रह जाएगा है। लेकिन मैंने कोशिश करते रहने का फैसला किया और हमेशा विश्वास किया कि एक दिन मुझे वह मौका मिलेगा जिसका मैं इंतजार कर रहा था। और मुझे लगता है कि यह विश्वास ही एक कारण था कि मुझे आखिरकार मौका मिला। यह बहुत ही भावुक क्षण था। टीम के साथ 6-7 घंटे की यात्रा करने के बाद मैं आखिरकार अपना टी20आई डेब्यू करने में सक्षम हो गया।

वाइरल फीवर हो तो ऐसे करें काबू

वाइरस के कारण उत्पन्न होने वाले बुखार को वाइरल फीवर या बुखार कहते हैं। कई तरह के वाइरस मानव शरीर को प्रभावित कर सकते हैं। अलग-अलग प्रकार के वाइरस से होने वाली बीमारियों के कारण अलग-अलग हो सकते हैं। वैसे तो एचआईवी/ डेंगू/ हेपेटाइटिस या चिकनपॉक्स भी वाइरस से होने वाली बीमारियां हैं, पर वाइरल बुखार से मौजूदा संदर्भ में हमारा आशय फ्लू या इन्फ्लूएंजा जैसे संक्रमणों से है। आमतौर पर वाइरल बुखार के कुछ प्रमुख लक्षण इस प्रकार हैं..

- तेज बुखार के अलावा शरीर का दुखना।
- जोड़ों में दर्द व सूजन।
- नाक का बहना, खांसी व गले में दर्द।
- शरीर पर लाल निशान होना।
- चिड़चिड़ापन होना।
- कभी-कभी निमोनिया से ग्रस्त होना और सांस लेने में परेशानी महसूस करना।
- उल्टी और दस्त लगना।

कारण

वाइरल बुखार दूषित हवा और दूषित वस्तुओं के इस्तेमाल से फैलता है। जैसे जिस स्थान पर रोगी ने छींका या खांसा, तो वहां की हवा दूषित हो जाती है। इस तरह दूषित वातावरण में आसपास के व्यक्तियों को भी वाइरस सांस के जरिये बीमार कर सकता है। बीमार व्यक्ति अपनी नाक या मुंह साफ करके अगर हाथ नहीं धोता और मेज, कुर्सी, दरवाजे या कपड़ों को छू लेता है और दूसरा व्यक्ति भी उन्हीं वस्तुओं को छूता है, तो उसे भी यह बीमारी लग सकती है।

इलाज

वाइरल बुखार का इलाज लक्षणों के आधार पर होता है। कभी-कभी एंटवाइरल दवाओं का भी इस्तेमाल किया जाता है। जैसे-स्वाइन फ्लू में टैमीफ्लू दवा और बुखार को उतारने के लिए पैरासीटामोल का इस्तेमाल करें। रोगी को पूरा आराम करने दें और तरल पदार्थ ज्यादा लें।

डॉक्टर से कब सलाह लें

- अगर बुखार 3 दिनों में न उतरे।
- बुखार 104 डिग्री फारेनहाइट के ऊपर रहे।
- लगातार उल्टी से डिहाइड्रेशन हो या रोगी बेहोश हो, तो उसे तुरन्त डॉक्टर को दिखाएं।

जटिलता

समय पर समुचित इलाज न होने से कभी-कभी रोगी को न्यूमोनिया और वाइरल मेनिनजाइटिस जैसी गंभीर बीमारियां हो सकती है।

घर के बजट को लेकर बात करना भी जरूरी हो जाता है। देश और प्रदेश का बजट कैसा भी हो एक आम इनसान का आय से अधिक खर्च मुसीबत आ कारण होता है। अगर आप भी आय से अधिक खर्च से परेशान है, समझ नहीं पा रहे है कि पैसा खर्च कहां हो रहा है। हाल में आय बढ़ने की उ मीद भी नहीं है, तो हम आपको बताते हैं, कैसे बनाएं घर का बजट, कहां करें कटौती और रखें अपने घर के बजट को पटरी पर।

पटरी पर रखें घर का बजट...

घर का बजट कंट्रोल करना सबसे मुश्किल टास्क होता है। हमारी बेहतर होती लाइस्टाइल से हमारे खर्च भी बढ़ते रहते हैं और जाने अनजाने माह के अंत में हमें पता चलता है कि इस माह कोई सेविंग ही नहीं हुई। सिर्फ कमाने-खाने व उडाने का नाम ही जिंदगी नहीं है। जीवन में भविष्य की प्लानिंग भी करनी पडती है और सबसे अहम है फाइनेंशियल प्लानिंग। भविष्य के लिए बचत करना न सिर्फ समझदारी की बात है वरन एक आवश्यकता भी है। अगर समय रहते बचत कर ली जाए, तो आकस्मिक दुर्घटनाओं व अप्रत्याशित खर्चो का सामना आसानी से किया जा सकता है। कुछ लोगों का यह मानना है कि बचत करने के लिए हाथ में अतिरिक्त पैसा होना चाहिए, लेकिन अगर आप एक बजट बनाकर चलते है, तो अपनी सीमित आय में आसानी से सेविंग कर सकते हैं।अपने खर्च को जानने के लिए बजट बनाना जरूरी है। अपने सारे खर्चो को अलग-अलग वर्गों में डालें, इससे यह समझना आसान हो जाएगा कि आप कहां फिजूलखर्ची कर रहे हैं। अपनी कुल आय का दसवां हिस्सा बचत के लिए अलग निकाल लें। अगर ऐसा करना मुमकिन नहीं और महीने के अंत में उसमें से पैसे निकालने ही पडते हैं तो 5 से 7 प्रतिशत से बचत करना शुरू करें। शुरू में थोड़ी परेशानी होगी , लेकिन एक बार बजट बनाने के बाद मुश्किलें हल हो जाएंगी। जब लिखित रूप में बजट आपके सामने होगा तो स्वंय ही समझ आ जाएगा कि फिजूलखर्ची कहां हो रही है।

हर खर्च का हिसाब

आमतौर पर छोटे-मोटे खर्चे का हिसाब नहीं रखा जाता है। इन खर्चों में शामिल होता है सैंडविच, चिप्स, कोल ड्रिंक आदि। एक अनुमान के लिए सप्ताह में आप 10 रुपए वाली 5 चिप्स खरीदते हैं तो आप पूरे साल में 2600 रुपए खर्च करते हैं। इस तरह के और भी खर्च दो-तीन दिन में एक बार हो ही जाते हैं। एक महीने तक इस तरह के मद में हुए खर्च का हिसाब रखें। फिर गणना करें कि इस तरह के खर्च में कमी लानी है या इसको घर के बजट में शामिल करना है।

पेनाल्टी देने से बचें

बच्चे की स्कूल फीस, इंश्योरेंस का प्रीमियम, क्रेडिट कार्ड का बिल आदि का समय पर भुगतान करें। समय पर भुगतान नहीं करने से पेनाल्टी देनी होती है। पेनाल्टी देने से बचने के लिए इस तरह की फीस को अपने महीने के बजट में शामिल करें। समय पर फीस देना नहीं भूले। भुलने से बचने के लिए फोन में रिमाइंडर या बैंक में ईसीएस करा लें।

खरीदारी पर लगाम

कई दफा हम-आप ऐसी वस्तु की खरीदारी कर लेते हैं जिसकी जरूरत नहीं होती है। इसका असर घर के बजट पर होता है। अगर महीने में इस तरह की खरीदारी पर 1000 रुपए खर्च करते हैं तो आप साल भर में 12000 रुपए खर्च करते हैं। यह न सिर्फ सेविंग को प्रभावित करता है, साथ ही घर का बजट को भी लड़खड़ा देता है।

मोबाइल, नेट का प्लान

घर के बजट को डांवाडोल करने में मोबाइल, नेट और केबल प्लान का अहम रोल होता है। मोबाइल, नेट और केबल प्लान का चयन करने से पहले अपनी ावश्यकता को आंकते और फिर प्लान चुनें। प्लान चुनने के लिए आप एक महीने तक मोबाइल, नेट के ऊपर आने वाले खर्च को ट्रैक करें।

क्रेडिट कार्ड

क्रेडिट कार्ड का चलन तेजी से बढ़ा है। क्रेडिट कार्ड पास होने से अनायास की खरीदारी हो जाती है। क्रेडिट कार्ड फिजूलखर्ची को बढ़ाता है। क्रेडिट कार्ड का अधिक उपयोग करने से कर्ज का बोझ हमेशा रहता है। इससे बचें और क्रेडिट कार्ड का उपयोग कम से कम करें। यदि एक से अधिक क्रेडिट कार्ड है तो उसे बैंक में सरेंडर कर दें। क्रेडिट कार्ड का उपयोग कम करने के लिए खरीदारी में कैश का अधिक उपयोग करें।

डिस्काउंट का लालच

सीजन सेल में मिलने वाले डिस्काउंट का फायदा उठाने के चक्कर में बजट से अधिक की खरीदारी हो जाती है। यह हमारे बजट को प्रभावित करता है। हालांकि, सीजन सेल में मिलने वाला डिस्काउंट बहुत ज्यादा नहीं होता है। कंपनियां कीमत बढ़ा कर ही डिस्काउंट देती है। इससे बचने के लिए सीजन सेल में खरीदारी से पहले जरूरत की गणना करें और फिर खरीदारी करें।

खाद्य और अन्य व्यय

क्या आपने कभी जानने की कोशिश की है एक हफ्ते के लिए खरीदी गई सब्जी का पूरा इस्तेमाल हुआ है या खराब होकर फेंका भी गया है। यदि खराब हो कर फेंका गया है तो अगले हफ्ते सब्जी की खरीदारी का बजट कम करें। महीने के बजट में कुछ ऐसी भी खरीदारी होती है जिसका उपयोग नहीं होता है या होता भी है तो बहुत कम। बल्क में खरीददारी करने से बचें।

फाइनेंशियल प्लान

सबसे पहले शार्ट टर्म व लान्ग टर्म फाइनेंशियल प्लान बनाएं। यानी आपको कब-क्या खरीदना है, इसकी लिस्ट बनाएं। जैसे आप कोई बिजली का उपकरण खरीदना चाहते है या फिर कोई कार या मकान। बिजली का उपकरण खरीदने के लिए आपको एक-दो महीने से ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ता, परन्तु कार या मकान खरीदने के लिए आपको लंबे समय तक बचत करनी पड़ेगी। आप तभी उसको खरीद पायेंगे और उसके लिए आप पूरी योजना बना के चलें।

अलग सेविंग अकाउंट

आप अपनी बचत को सेलेरी अकाउंट में जमा न करें अन्यथा आप हमेशा अपनी बचत में खर्चे पूरे करते रहेंगे और वापस वही राशि जमा करना आसान नहीं होगा। एक अलग अकाउंट होने पर आपको सदा यह याद रहेगा कि इसमें जमा राशि आपकी बचत है और उसे बढ़ते देख आपको खुशी होगी और बचत करने की प्रेरणा भी मिलेगी।

अतिरिक्त आय

अतिरिक्त आय को बचत खाते में डालें। जब कभी कोई एक्स्ट्रा इनकम हो, वेतन बढ़े, ओवरटाइम मिले, टैक्स रिफंड का पैसा मिले आदि तो उस पैसे को अपने बचत खाते में जमा कर दें। अगर कभी बचत खाते में से इमरजेंसी में पैसा निकालना भी पड़े तो समय पर उसे वापस जमा करा दें।

खर्च पर नजर

आप अपने दैनिक खर्चों पर एक नजर डाले। आप स्वयं पर और परिवार पर कितना खर्च करते हैं। घर में एक दिन में कितना खर्च होता है। रोज ऑफिस की कैंटिन में खाने की अपेक्षा घर से लंच ले जाएं। बच्चों को उनकी जरूरत का ही सामान दिलाएं। दूसरों की देखा-देखी घर में अनावश्यक चिजों का ढ़ेर न लगाएं। जरूरी सामान ही खरीदें। बिजली व पानी का उचित उपयोग करके भी आप बचत कर सकते हैं।

लिस्ट बनाएं

बाजार में कई ऐसी चीजें होती हैं, जिन्हे देखकर मन ललचा उठता है और आवश्यकता न होने पर भी हम उन्हें खरीद लेतें हैं। बेहतर होगा कि लिस्ट बनाकर ही बाजार जाएं। सामान खरीदते समय मोल-भाव करें, इससे निश्चित रूप से बचत होगी। जहां तक हो सके किश्तों पर सामान लेने से बचें। अन्यथा ब्याज देने में ही वेतन पूरा हो जाएगा और बचत का विचार भी मन में नहीं आयेगा।

सेविंग स्कीम

पोस्ट ऑफिस व बैंक अनेक सेविंग स्कीम चलाते हैं, जिनका फायदा आप उठा सकते हैं। आप पीपीएफ में भी पैसा डाल सकते हैं , इसमें टैक्स में भी छूट मिलती है और आपका पैसा भी सुरक्षित रहता है। स्मॉल सेविंग स्कीम लेना ज्यादा ठीक रहता है। इसके साथ ही आप इंश्योरेंस भी कराएं। इंश्योरेंस का अर्थ सुरक्षित जीवन तो है ही , साथ ही यह बचत करने का भी एक अच्छा विकल्प है इस तरह आप अपने पैसे की बचत कर के उसी पैसे से अपने जीवन के सपनों को साकार कर सकते है और आप पर कोई अतिरिक्त भार भी नहीं पड़ेगा।

पूर्वजों का खाना बेहतर..

स्वस्थ रहने और समय से पहले बुढ़ापे से बचने के लिए लोगों को एक संतुलित आहार की तलाश रहती है। लेकिन भारत में एक नई खोज हुई है कि अगर आप लाइफ स्टाइल की वजह से होने वाली बीमारियों से बचते हुए हेल्दी रहना चाहते हैं, तो अपने पूर्वजों के जैसा ही भोजन करें। अब तक स्टोन एज में खाए जाने वाले खाने के महत्व पर केवल पाश्चात्य जगत में ही चर्चा की जाती थी। लेकिन दुबले होने की चिंता से पीड़ित भारतीय युवा वर्ग को भी अब यह सोच आकर्षित करने लगी है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि हर किसी के लिए एक तरह के आहार की सिफारिश करना गलत होगा, लेकिन हम हर किसी के लिए पाषाणयुगीन खानपान से काफी कुछ ले सकते हैं। इसमें कोई शक नहीं है कि हमारे पूर्वजों का भोजन रेशे यानी फाइबर और पोषक तत्वों से भरपूर था जिससे वे काफी स्वस्थ रहते थे और बुढ़ापा भी उनमें देर से आता था। लेकिन आजकल हमलोग जो खाना खा रहे हैं उसमें फाइबर कम और सोडियम ज्यादा होता है। यही कारण है कि मधुमेह से लेकर हृदय संबंधी रोग के मामले बढ़ते जा रहे हैं। इसलिए हमें पाषाणयुगीन खाद्य सामग्रियां जैसे सभी तरह की सब्जियां, फल और शाक से भरपूर भोजन लेना चाहिए।

यह है फायर थेरेपी...

दुनिया में बहुत सारी बीमारियों का इलाज अजीबो गरीब तरीकों से किया जाता है। ऐसा सिर्फ हमारे देश में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी देखने को मिलता है जैसे कि चीन में बहुत सारी बीमारियों का इलाज फायर थेरेपी से किया जाता है। इलाज करने वाला मरीज के शरीर पर अल्कोहल का छिड़काव कर आग लगा देता है। चीन में कुछ लोग इसे खास तरह का इलाज मानते हैं जिससे तनाव, अवसाद, बदहजमी और बांझपन से लेकर कैंसर तक का इलाज संभव माना जाता है। फायर थेरेपी के नाम से मशहूर यह विधि पिछले 100 से ज्यादा सालों से चीन में इस्तेमाल हो रही है।

हालांकि इस बात के कोई प्रमाण नहीं है कि फायर थेरेपी वाकई कारगर है। इस विधि से इलाज करने वाले झांग फेंगाओ अपने काम के लिए काफी लोकप्रिय हैं। वे कहते हैं कि फायर थेरेपी मानव इतिहास में चौथी बड़ी क्रांति है। इसने चीनी और पश्चिमी दोनों ही तरह की इलाज पद्धति को पीछे छोड़ा है। इसमें शरीर में गर्मी और ठंडक के बीच सामंजस्य बनाने पर जोर दिया गया है। शरीर की ऊपरी सतह को गर्म करके अंदर की ठंडक दूर की जाती है। फायर थेरेपी से इलाज हाल में एक बार फिर चर्चा में आया जब एक मरीज की इलाज के दौरान खींची गई फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। हालांकि चीन के इस इलाज ने दुनिया भर में सवाल खड़े कर दिए हैं।

जब होटल में जाएं...

वेकेशन शब्द जुबान पर आते ही, जेहन में तस्वीर उभरती है, वह है खूब खाना, खूब पीना, कम सोना और फिर लौटने पर शुगर, बीपी, वजन सब कुछ बढ़ा हुआ पाना। दरअसल लग्जरी होटलों का यह सदियों पुराना मॉडल है जो फ्रीक्वेंट ट्रेवलर्स को अनहेल्दी बना रहा है। दुनिया भर मे लाइफस्टाइल संबंधी बीमारियों के बढ़ते बोझ और लोगों की दिन रात की टेंशन को देखते हुए अब वेकेशन और हास्पिटैलिटी की परिभाषा को दोबारा लिखने की जरूरत महसूस होने लगी है। बहुत सारे होटलों ने इसके अनुकूल खुद को ढालना भी शुरू कर दिया है, लेकिन इसे लेकर अभी ज्यादा जागरूकता नहीं आई है। ऐसे में अगर आप भी लंच या डिनर के लिए होटल या रेस्टोरेंट में अकसर जाते रहते हैं तो वहां बहुत से ऑप्शन होते हैं। खाने के मेन्यू कार्ड को पढ़कर मन ललचाता है कि बहुत सारी चीजें मंगवा कर उनका आनंद उठाएं। कभी मन मलाई कोफ्ते पर ललचाता है तो कभी पिज्जा पर, कभी नानवेज या मंचूरियन पर। मन का क्या है अच्छी चीज देखते ही लार टपकने लगती है। कैलोरीज का ध्यान रखना बुद्धि ही बताती है। बुद्धि की मानकर, कैलोरीज का ध्यान रखकर हेल्दी ऑप्शन पर जाना ही समझदारी है।

प्रोटीन को दें महत्ता

अपने लंच, डिनर में प्रोटीन के खाद्य पदार्थों को नजर में रखते हुए आर्डर दें क्योंकि प्रोटीन कैलोरी आपके शरीर का वजन आसानी से नहीं बढ़ने देती, फैट्स वाले खाद्य पदार्थ वजन बढ़ाने में सहायक होते हैं। प्रोटीन वाले खाद्य पदार्थ दिमाग में खाने की इच्छा बढ़ाने वाले संकेतों को कम करते हैं, ऐसा मानना है वाशिंगटन की यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं का। अगर दिमाग को खाने में संतुष्टि महसूस होगी तो आप भोजन का सेवन कम करेंगे।

सलाद अवश्य लें

फल और सब्जियों का सलाद अवश्य आर्डर करें। यह हैल्दी ऑप्शन है। सलाद चीज ड्रेसिंग वाला न लें। साधारण हरी सब्जियों और फलों का सलाद लें। हो सके तो बिना चाट मसाले और नमक के उसका सेवन भोजन से पहले करें। इसका लाभ यह है कि जब आप सलाद का सेवन करते हैं तो उसके साथ अन्य खाद्य पदार्थों का स्वाद भी कम आता है। सामान्य फल और वेजिटेबल सलाद आपको स्लिम रखने में मदद करते हैं।

पनीर आर्डर न करें

होटलों और रेस्टोरेंट में पनीर की डिशेज कैलोरी से भरपूर होती हैं चाहे वो बटर पनीर हो, शाही पनीर हो या पनीर परांठा और नॉन भी। रेस्टोरेंट में पनीर की सब्जी बनाते समय क्रीम का प्रयोग बहुत किया जाता है जबकि अधिकतर शाकाहारी लोगों की पसंद पनीर होती है। अगर ग्रुप में हैं तो बहुत थोड़ा-सा पनीर लें। मोटे लोगों को बाजारी पनीर का सेवन कम करना चाहिए। कुछ लोगों को पनीर के सेवन के बाद सिरदर्द की शिकायत होती है क्योंकि इससे टाईरामॉइन एंजाइम होता है। सभी दुग्ध उत्पादों में से पनीर सेहत के लिए अच्छा होता है परन्तु घर पर घर का बना पनीर खाएं।

चाय में ग्रीन टी लें

अगर आप खाने के बाद चाय के शौकीन हैं तो नार्मल चाय अवॉइड करें। चाय का मन है तो ग्रीन टी ही ऑर्डर करें। ग्रीन टी में एंटी ऑक्सीडेंट होते हैं जो वजन कम करने में सहायक होते हैं। चाय के शौकीन लोगों को दिन में दो-तीन बार ग्रीन टी पीनी चाहिए जिससे आप फिट, ताजा और ऊर्जावान भी बने रहेंगे पर याद रखें, ग्रीन टी बिना दूध के ही पिएं क्योंकि दूध मिलाने से चाय में फैट घटाने की क्षमता कम हो जाती है। हेल्थ की दृष्टि से बिना दूध के ग्रीन टी बहुत बढ़िया टॉनिक है।

डेजर्ट भी अवाइड करें

अगर आप किसी बिजनेस पार्टी या ऑफिस मीटिंग के बाद लंच या डिनर ले रहे हैं तो अंत में स्वीट डिश अपने लिए अवाइड करें। दूसरों के लिए आर्डर करें, अगर आपको लेनी भी पड़े तो कम से कम मात्रा अपनी प्लेट में लें और धीरे-धीरे ही खाएं। जब भी अवसर मिले इसे अवाइड करें, इसी में बुद्धिमत्ता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**